आज का विचार

मनुष्य को अपनी ओर खींचने वाला यदि दुनिया में कोई असली चुम्बक है, तो वह है आपका प्रेम और आपका व्यवहार।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-237 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

सिग्नल में तकनीकी खराबी से सवा घंटे खड़ी रही अंबिकापुर शहडोल ट्रेन

अम्बिकापुर, गुरूवार 19 जून, 2025

टी-20 क्रिकेटः ग्लेन मैक्सवेल ने जड़ा शतक, रोहित शर्मा के बड़े रिकॉर्ड की कर ली बराबरी

सूर्य घर बिजली मुफ्त योजना : सोलर रूपटॉफ संयंत्र लगाने पर मिलेगी विशेष छूट

◆ नक्सली हिंसा में शहीद परिवार के सदस्य को अब किसी भी शासकीय विभाग में अनुकंपा नियुक्ति ◆ कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां सिविल लाईन स्थित उनके निवास कार्यालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद ने अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति सूची में तकनीकी कारणों से शामिल होने से वंचित जातियों को प्राप्त होने वाली कतिपय सुविधाएं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए डिहारी कोरवा, बघेल क्षत्री, संसारी उरांव तथा पबिया, पविया, पवीया समाज के विद्यार्थियों को अनुसूचित जनजाति के समतुल्य एवं डोमरा जाति के विद्यार्थियों को अनुसूचित जाति के समतुल्य राज्य मद से मात्र राज्य छात्रवृत्ति तथा शिष्यवृत्ति प्रदान किये जाने एवं छात्रावास-आश्रमों में स्वीकृत सीट के अधीन प्रवेश दिए जाने की सुविधा प्रदान करने की सहमति दी है।

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने और बिजली उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घर की छतों में सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना में राज्य शासन द्वारा उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता दिए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं के घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने पर केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ-साथ राज्य की ओर से अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी, जो सोलर प्लांट की क्षमता (1 किलोवाट, 2 किलोवाट, 3 किलोवाट और उससे अधिक) के आधार पर अलग-अलग होगी। उदाहरण के लिए, 1 किलोवाट प्लांट के लिए कुल 45,000 रूपए, (30,000 रूपए केंद्रीय और 15,000 रूपए राज्य सहायता) जबकि 3 किलोवाट या उससे अधिक के प्लांट के लिए 1,08,000 रूपए (78,000 रूपए केंद्रीय और 30,000 रूपए राज्य सहायता) की मदद मिलेगी। हाउसिंग सोसाइटी/रेसिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के लिए भी इसी तरह की सहायता प्रस्तावित की गई है। यह अनुदान राशि सीएसपीडीसीएल को अग्रिम रूप से मिलेगी और वही इसे लाभार्थियों को देगी। वर्ष 2025-26 में 60,000 और 2026-27 में 70,000 सोलर पावर प्लांट की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2025-26 में 180 करोड़ एवं 2026-27 में 210 करोड़ रूपए का वित्तीय भार आएगा।

सीएसपीडीसीएल इस योजना की कार्यान्वयन एजेंसी होगी और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार इसे लागू करेगी। कंपनी इस योजना के संचालन के लिए एक अलग बैंक खाता खोलेगी, जिसमें सब्सिडी की राशि रखी जाएगी और उसका हिसाब-किताब किया जाएगा। राज्य वित्तीय सहायता उन घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता से दी जाएगी जिनके सोलर प्लांट का ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन 1 अप्रैल 2025 या उसके बाद हुआ है।

मंत्रिपरिषद ने राज्य में वन्यजीव, खासकर बाघों के संरक्षण और ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल करते हुए छत्तीसगढ़ टाइगर फाउंडेशन सोसायटी का गठन करने का निर्णय लिया है। यह सोसायटी वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत काम करेगी। मध्य प्रदेश में यह 1996 से संचालित है। इसका मुख्य लक्ष्य छत्तीसगढ़ में लगातार घट रही बाघों की आबादी (फिलहाल लगभग 18-20) को बचाना है। यह संस्था स्व-वित्तपोषित होगी, जिससे सरकारी खजाने पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। यह सहयोग देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं से फंड जुटाएगी।

यह सोसायटी बाघों और अन्य वन्यजीवों के संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में सीधे शामिल होगी। यह स्थानीय समुदाय की भागीदारी से ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देगी, जिससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय के अवसर भी पैदा होंगे। साथ ही, यह पर्यावरणीय शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करेगी, जिससे भविष्य के संरक्षणवादी तैयार होंगे। इस पहल से संरक्षण के लिए बाहरी धन, विशेषज्ञता और संसाधन मिलेंगे, जिससे स्थानीय समुदायों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और राज्य का पर्यावरणीय संतुलन बना रहेगा। यह छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी, जो जैव विविधता की रक्षा के साथ-साथ ईको-टूरिज्म को भी मजबूत आधार देगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा अशासकीय अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्था रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर की सहयोगी संस्था विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल हेल्थ वेलफेयर एवं सेवायें, छत्तीसगढ़ (विश्वास) को रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर में अंतर्भूत (मर्ज) करने का अनुमोदन किया गया। उद्यानिकी महाविद्यालय (उद्यानिकी विश्वविद्यालय) की स्थापना के लिए बेमेतरा जिले के साजा तहसील अंतर्गत बेलगांव में राजगामी संपदा की 94.290 हेक्टेयर भूमि में से 100 एकड़ भूमि उद्यानिकी विभाग को निःशुल्क प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

जशपुर जिले में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा हर्बल व महुआ चाय जैसे पारंपरिक उत्पाद जशप्योर ब्रांड के तहत तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने और विपणन को बढ़ावा देने हेतु इस ब्रांड को राज्य शासन अथवा सीएसआईडीसी को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव का मंत्री परिषद ने अनुमोदन किया है। ब्रांड हस्तांतरण से एग्रो व फूड प्रोसेसिंग इकाइयों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय कच्चे माल की मांग बढ़ेगी और आदिवासी महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। ट्रेडमार्क हस्तांतरण से राज्य पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

7 मंत्रिपरिषद द्वारा शहीद पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को ध्यान में रखते हुए अनुकम्पा नियुक्ति हेतु जारी एकजाई पुनरीक्षित निर्देश-2013 की कंडिका 13 (3) में संशोधन करते हुए निर्णय लिया है कि नक्सली हिंसा में शहीद पुलिस सेवकों के प्रकरण में उनके परिवार के किसी भी पात्र सदस्य (महिला या पुरूष) को विकल्प के आधार पर पुलिस विभाग के अलावा, किसी अन्य विभाग में, राज्य के किसी भी जिला, संभाग में अनुकम्पा नियुक्ति दी जा सकेगी। पहले अनुकम्पा नियुक्ति यथासंभव उसी विभाग या कार्यालय में देने की व्यवस्था थी, जिसमें दिवंगत शासकीय सेवक निधन के पूर्व कार्यरत था।

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में गौण खनिजों के सुव्यवस्थित अन्वेषण, पूर्वेक्षण एवं अधोसंरचना के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एसएमईटी) के गठन की अधिसूचना के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में स्टेट मिनिरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट के तहत समस्त गौण खनिजों से प्राप्त होने वाली रायल्टी 2 प्रतिशत राशि अतिरिक्त रूप से एसएमईटी फंड में जमा की जाएगी। जिसका उपयोग गौण खनिजों के अन्वेषण, अधोसंरचना विकास में उच्च तकनीकों का उपयोग, इन्फॉर्मेशन सिस्टिम, लॉजिस्टिक सपोर्ट, मानव संसाधनों के उन्नयन आदि में किया जा सकेगा। भारत सरकार के नेशनल मिनिरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट की तर्ज पर राज्य में स्टेट मिनिरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट का गठन किया जाएगा।

पहला कॉलम

बुलंदशहर में पुलिया से टकराने के बाद कार में लगी आग, एक परिवार के 5 लोग जिंदा जले

बुलंदशहर,18 जून (ए)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में बुधवार तड़के भयानक कार हादसा हो गया। यहां एक स्विफ्ट कार दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद आग का गोला बन गई, जिसमें दिल्ली के एक परिवार के 5 लोग जिंदा जल गए।

हादसा सुबह 5 बजे जहांगीराबाद क्षेत्र में जानीपुर गांव के चंदौस तिराहे के पास हुआ। हादसे के समय कार में 6 लोग सवार थे, जिसमें एक 28 वर्षीय महिला घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार पूरी तरह जल गई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के मालवीय नगर का रहने वाला परिवार मंगलवार को बदायूं में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था।

जब वे वापस दिल्ली लौट रहे थे, तभी तड़के कार चालक को झपकी लग गई, जिसके बाद कार एक पुलिया से टकरा गई। हादसे के बाद कार पलट गई और उसमें आग लग गई। सिर्फ एक महिला कार से बाहर गिरी, जिससे वह घायल हो गई, जबकि अन्य 5 लोगों की जलकर मौत हो गई।

कुछ अलग

प्रधानमंत्री मोदी ने की डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत, कहा-पाकिस्तान युद्धविराम में भारत ने मध्यस्थता नहीं स्वीकारी

नईदिल्ली,18 जून (ए)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर 35 मिनट बातचीत की। इस दौरान मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का मुद्दा उठाया और साफतौर पर कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी।

उन्होंने दोनों देशों के बीच किसी तीसरे देश की मध्यस्थता से भी इंकार किया है। उन्होंने कहा है कि भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकारी है, न स्वीकार करता है और न कभी स्वीकार करेगा।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से बताया कि ट्रंप और मोदी की मुलाकात कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान होनी तय थी, लेकिन ट्रंप वहां से जल्द ही लौट गए। इसलिए यह मुलाकात नहीं हो पाई।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के आग्रह के बाद मोदी की उनसे बात हुई थी। यह 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पहली बार ट्रंप और मोदी के बीच सीधी बातचीत थी।

विदेश सचिव ने बताया कि बातचीत के दौरान मोदी ने ट्रंप को साफ तौर पर कहा कि पाकिस्तान के आग्रह पर ही सैन्य कार्रवाई रोकने के बारे में भारत-पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर, दोनों सेनाओं के बीच मौजूदा सैन्य चैनलों के माध्यम से हुई थी।

मोदी ने ट्रंप से यह भी कहा कि पाकिस्तान युद्धविराम के लिए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी कोई बात नहीं हुई थी।

खरी-खरी

केदारनाथ पैदल मार्ग पर बड़ा हादसा, लैंडस्लाइड की चपेट में आए कई लोग, दो की गई जान

रुद्रप्रयाग,18 जून (ए)। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया. इस हादसे में दो लोगों के मौत की खबर है, जबकि तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं. रेस्क्यू टीम ने घायलों का रेस्क्यू किया और उन्हें हॉस्पिटल भिजवाया. वहीं एक व्यक्ति लापता है, जिसकी तलाश की जा रही है. दो दिन पहले भी भारी बारिश के कारण केदारनाथ पैदल मार्ग पर एक व्यक्ति की मौत हुई थी. जानकारी के मुताबिक केदारनाथ धाम पैदल मार्ग पर आज बुधवार 18 जून सुबह करीब 11.20 जंगलचट्टी गधेरे के पास ऊपर पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरे. पांच लोग इस मलबे की चपेट में आ गए. मामले की सूचना मिलते ही चौकी जंगलचट्टी पर नियुक्त पुलिस बल और डीडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. बताया जा रहा है कि मलबे की चपेट में आने से कुछ लोग खाई में भी गिर गए थे, जिन्हें रेस्क्यू कर ऊपर लाया गया. अब तक मिली जानकारी के अनुसार 3 व्यक्तियों को चोटें आयी हैं, जिनमें से एक महिला को हल्की चोटें और दो पुरुषों को गंभीर चोटें आयी हैं. सभी घायलों को गौरीकुण्ड के लिए रेफर किया गया है. इसके अलावा दो लोगों की मौत हुई है.

बिहार में इंडिया गठबंधन एकजुट है, एक महीने में हो जाएगा सीटों का बंटवाराः कांग्रेस

नई दिल्ली,18 जून (ए)। कांग्रेस ने सहयोगी दलों और पार्टी के भीतर गहन विचार-विमर्श के बाद कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन एकजुट है और वह लगभग एक महीने में सीट बंटवारे पर बातचीत पूरी हो जाएगी. बिहार के प्रभारी एआईसीसी सचिव सुशील पासी ने बताया, इंडिया ब्लॉक में माहौल अच्छा है. कोई बड़ी गड़बड़ी नहीं है. हमने सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू कर दी है, जो लगभग एक महीने में पूरी हो जाएगी. गठबंधन की भावना से विचार-विमर्श किया जा रहा है. पिछले महीनों में जब कांग्रेस ने आक्रामक तरीके से मतदाताओं तक पहुंचना शुरू किया तो ऐसा लग रहा था कि यह पुरानी पार्टी 2020 के चुनावों में लड़ी गई 243 में से 70 सीटों से अधिक सीटों की मांग करेगी, लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि 2025 में ध्यान सीटें जीतने पर है. कांग्रेस 2020 में केवल 19 सीटें जीत पाई थी और इस बार अपनी संख्या में सुधार करना चाहती है. इसके लिए विस्तृत सर्वेक्षण किए जा रहे हैं और जिला इकाई प्रमुखों से फीडबैक लिया जा रहा है, जो राहुल गांधी के निदेर्शानुसार टिकट वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. पासी ने कहा, पार्टी अपना खुद का सर्वेक्षण करती है, लेकिन हम इसमें शामिल नहीं हैं. जहां तक स्थानीय टीम प्रमुखों का सवाल है, हम निश्चित रूप से विभिन्न सीटों और उम्मीदवारों पर उनसे फीडबैक ले रहे हैं. मुख्य ध्यान हमारी मजबूत सीटों और जीतने की संभावना पर है, न कि सीटों की संख्या पर. पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि जातिगत कारक और मजबूत उम्मीदवारों की उपस्थिति सभी गठबंधन टिकटों के लिए कारक होंगे क्योंकि नामांकन में उन लोगों की इच्छा को प्रतिबिंबित करना होगा जो अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनावों में बदलाव की तलाश कर रहे हैं. पासी ने कहा, इस बार मतदाताओं के मूड का सम्मान करना महत्वपूर्ण है क्योंकि हमें खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश करना है. इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, कांग्रेस प्रबंधकों ने हाल ही में 19 विधायकों और तीन सांसदों के साथ एक रणनीति सत्र आयोजित किया, जिसमें चुनाव अभियान की व्यापक रूपरेखा पर चर्चा की गई. कांग्रेस के नेता शकील अहमद खान ने कहा सभी नेताओं ने अभियान की प्रकृति पर अपने सुझाव दिए हैं. सभी चाहते हैं कि पार्टी नौकरी, शिक्षा, महिला कल्याण, सुशासन आदि जैसे मुद्दों को लेकर लोगों के बीच आक्रामक तरीके से जाए और सरकार बदलने का वादा करे.

केरल से दिल्ली तक बरस रहे बादल, सप्ताह के अंत तक देशभर में छाएगा मानसून

नईदिल्ली,18 जून (ए)। देश के कई राज्यों में मानसून के प्रवेश के साथ ही पहली भारी बारिश ने उथल-पुथल मचाना शुरू कर दिया है। मुंबई, कोंकण, कर्नाटक, केरल और गुजरात के कई हिस्सों में झमाझम बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बुधवार (18 जून) को पूर्वोत्तर राज्यों के अलावा उत्तर भारत के दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बारिश की संभावना जताई गई है। इस सप्ताह के अंत तक मानसून सभी राज्यों में पहुंच जाएगा।

आईएमडी के मुताबिक, उत्तरी अरब सागर, गुजरात के शेष भागों, राजस्थान, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़, झारखंड में मानसून आगे बढ़ सकता है।

इसके साथ ही बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 2 दिनों में इसके आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, गुजरात में निम्न दबाव वाले क्षेत्रों के प्रभाव से बारिश होने के आसार हैं। साथ ही पूर्वोत्तर भारत में अगले 2-3 दिन भारी बारिश की संभावना है।

दिल्ली एनसीआर में मंगलवार को कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ हुई बारिश की वजह से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को भी राजधानी के कुछ हिस्सों में झमाझम बारिश हो सकती है। इस दौरान बादल गरजने, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

दूसरी तरफ आर्थिक राजधानी मुंबई में सुबह से ही मेघ बरस रहे हैं और यहां भारी बारिश का अलर्ट है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में भी मानसून की आहट से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बिहार में कुछ जगहों पर झमाझम बारिश भी हो रही है।

बिहार के 6 जिलों में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई है।

दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में बुधवार को गरज-चमक के साथ बारिश होने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। 19-20 जून को मानसून के चलते भारी बारिश का अलर्ट है।

राजस्थान में मंगलवार से मानसून पूर्व की गतिविधियों ने जोर पकड़ लिया है, जिससे प्रदेश बादल छाए रहने से गर्मी कमजोर पड़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 1-2 दिन में मानसून दस्तक दे सकता है, जिससे पूर्वी इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। राज्य में अगले 7 दिनों तक बारिश और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश के साथ 50-60 किमी/घंटा की तेज हवा चलने की संभावना है।

गुजरात के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में हुई मूसलाधार बारिश से कई नदियां उफान पर आने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य के कुछ हिस्सों में अगले 4 दिनों में अत्यधिक बारिश होने की संभावना है।

कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र के लिए मूसलाधार बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। यहां पिछले 24 घंटे में दोगुनी से अधिक बारिश दर्ज की गई।

महाराष्ट्र, केरल समेत पूर्वोत्तर राज्यों में भी झमाझम बारिश के कारण हालात बिगड़े हुए हैं।

पहला कालम

नाबालिग का शव पोखरी में पड़ा मिला

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। दिमागी रूप से अस्वस्थ नाबालिग का शव पोखरिया खदान के क्वारी के पानी में औंधे मुंह पड़ा मिला।परिजनों की सूचना पर जयनगर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।पुलिस ने बताया कि जयनगर दरीपारा निवासी आनंद राम बिझिया का साढ़े सत्रह वर्षीय पुत्र भुनेश्वर जो बचपन से ही दिमागी रूप से अस्वस्थ था ,इलाज के बावजूद सुधार नहीं होने से परिवार उसे उसी हालत में छोड़ दिया जो गांव में ही आसपास घूमता रहता था दोपहर व शाम को वह खाना खाने घर आता था।पुलिस को परिजनो ने बताया कि मंगलवार सत्रह जून को दोपहर उनका बेटा भुनेश्वर खाना खाकर निकला जो रात को वापस घर नहीं लौटा जिसके बाद परिजन आसपास संभावित जगहों पर उसकी पता तलाश किया लेकिन नहीं मिला दूसरे दिवस प्रातः उसके पिता आनंदराम अन्य साथियों के साथ खोजते हुए पास के पोखरी पहुंच गए तो पाया कि भुनेश्वर बंद खदान के क्वारी के पानी में औंधे मुंह पड़ा था, जिसकी सूचना पुलिस को देकर शव पंचनामा पीएम उपरांत पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।अनुमान लगाया जा रहा है कि शौच के दौरान अथवा नहाने के प्रयास के दौरान पैर फिसल क्वारी में डूब जाने से भुनेश्वर की मौत हुई होगी।

पीएम श्री सेजेस जयनगर में ग्यारहवीं में प्रवेश प्रक्रिया आज से

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। पीएम श्री सेजेस जयनगर में नए शिक्षा सत्र के लिए कक्षा ग्यारहवीं में वाणिज्य संकाय के अलावा जीव विज्ञान व गणित संकाय में प्रवेश के लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया १९ जून से प्रारंभ हो जाएगी। आवेदन फॉर्म भरने का अंतिम तिथि ३० जून निर्धारित की गई है। विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र जायसवाल ने बताया कि रिक्त सीटों की संख्या वाणिज्य संकाय में २०, विज्ञान संकाय में ०५ व गणित संकाय में ०८ है। उन्होंने बताया कि ३ जुलाई को प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन संस्था द्वारा किया जाएगा। इसके पश्चात ७ जुलाई से कक्षा ११ वीं में प्रवेश हेतु प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।

प्रेमलता गोयल अग्र श्री गौरव सम्मान से सम्मानित

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन कोलकाता के द्वारा १२ जून २०२५ द्वितीय अग्र अलंकरण समारोह खाटू श्याम जिला सीकर राजस्थान छत्तीसगढ़ भवन में आयोजित किया गया। जिसमें विश्व भर से ३५ अग्रवाल विभूतियां एवं ४७ अग्र श्री गौरव सम्मान अग्रवाल समाज में किए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर चयनित प्रेमलता गोयल अंबिकापुर को अग्र श्री गौरव का मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ सांसद बृजमोहन अग्रवाल, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल एवं राष्ट्रीय संयोजक श्रीमती उमा बंसल द्वारा शील्ड , प्रशस्ति पत्र से उनके द्वारा किए गए कार्य शिक्षा के क्षेत्र एवं समाज सेवा एवं पर्यावरण पर पुरस्कृत किया गया।

निधन बृजेश पांडेय

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। ग्राम कुरुवां निवासी बृजेश पांडेय ४३ वर्ष का इलाज के दौरान मुंबई में आज निधन हो गया।जिनका अंतिम संस्कार गुरुवार १९ जून को वाराणसी में किया जाएगा। स्व बृजेश पांडेय पंचवटी ढाबा के संचालक थे एवं राम श्रृंगार पांडेय व अरुण पांडेय के अनुज भ्राता थे।वे अपने पीछे एक पुत्र,पुत्री,पत्नी मां समेत भरापुरा परिवार पीछे छोड़ गए हैं।

सिग्नल में तकनीकी खराबी से सवा घंटे खड़ी रही अंबिकापुर शहडोल ट्रेन

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। अंबिकापुर से शहडोल के लिए बुधवार को रवाना हुई अंबिकापुर शहडोल एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक १८७५६ बिश्रामपुर स्टेशन यार्ड के सिग्नल में अचानक आई तकनीकी खराबी की वजह से यात्री ट्रेन एक घंटे बीस मिनट बिश्रामपुर स्टेशन में फसी रही।स्टेशन में सिग्नल कर्मचारी के आभाव के कारण काफी जद्दोजहद के बाद प्रातः दस बजकर चालीस मिनट में पायलेट इन पायलेट आउट के जरिए बिना सिग्नल के मैनुअली ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया।बताया गया कि दो दिनों से उत्तर सरगुजा में मानसून सक्रिय होने के बाद मंगलवार से ही रुक रुक कर बारिश हो रही है लगातार बारिश और मौसम के मिजाज बदलने से इसका असर रेलवे के सिग्नल और संचार सिस्टम पर पड़ा है।बुधवार को अंबिकापुर से रवाना होकर अंबिकापुर शहडोल ट्रेन जैसे ही बिश्रामपुर स्टेशन इन कर रही थी तभी सिग्नल सिस्टम अचानक ठप्प हो गया सिग्नल के आभाव में गाड़ी होता देख एनएच ४३ में जाम लगता देख गाड़ी को मैनुअली पायलेट इन के जरिए किसी तरह बिश्रामपुर स्टेशन लाया गया अब यहां से गाड़ी को रवाना करने पुनः सिग्नल की आवश्यकता पड़ने घंटे भर सुधार के बाद भी सिग्नल सिस्टम दुरुस्त नहीं होने के बाद निर्धारित समय नव बस की जगह एक घंटे बीस मिनट विलंब से ट्रेन को १०.४० बजे मैन्युअली पायलेट आउट कर गंतव्य के लिए रवाना कराया गया।बता दें कि सिगनलिंग की नई तकनीक आ जाने के बाद स्टेशनों में स्टॉफ की संख्या कम हो गई है।इस वजह जब सिग्नल फेल अथवा अन्य कोई दिक्कत होने की स्थिति में स्टेशन मास्टर को गाड़ियों का परिचालन कराने में पसीने छूट जाते हैं वर्तमान में स्टेशन मास्टर के साथ एक परिचालन सहायक की ड्यूटी लगती है ऐसे में विलंब की स्थिति कभी कभार निर्मित होती है।घटना के बाद सिग्नल विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंच सिग्नल को दुरुस्त कर दिया है जिससे सभी गाड़ियों का परिचालन तय समय से होना शुरू हो गया है।

जयनगर रेलवे फाटक में खड़ी हो गई काफी समय बाद सुधार नहीं

आबकारी उपनिरीक्षक पर देशी शराब पकड़ने के बाद रूपये मांगने का लगा आरोप

रामानुजगंज।(अम्बिकावाणी समाचार)। नगर के वार्ड क्रमांक १५ में आबकारी उप निरीक्षक के द्वारा देसी शराब पकड़ने के बाद २०००० रूपय रिश्वत मांगने का संगीन आरोप नगर के वार्ड क्रमांक १५ के पार्षद सिद्धांत यादव एवं भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अश्वनी गुप्ता ने लगाया। वहीं दोनों युवा नेताओ ने कहा कि जब हम लोगों के द्वारा घूस लिए जाने का विरोध किया गया तो उनके द्वारा अपमानित करने वाले शब्द का प्रयोग करते हुए धमकी दी गई। जिसके बाद व्यथित होकर दोनों युवा नेताओं ने अलग-अलग आवेदन रामानुजगंज थाने में दिया है।

सिद्धांत यादव एवं अश्वनी गुप्ता ने आबकारी उप निरीक्षक पर कई गंभीर आरोप लगाए। दोनों युवा नेताओं ने कहा कि क्षेत्र में भयाक्रांत कर आबकारी विभाग के द्वारा जमकर गरीब आदिवासी परिवारों से वसूली की जा रही है। जिसके कई प्रमाण हम लोगों के पास है। हद तो तब हो गई जब रामानुजगंज क्षेत्र में भी इनके द्वारा अवैध वसूली के लिए पहले तो २ लीटर से कम देसी शराब को पकड़ा उसके बाद केस बनाकर २०००० रुपए मांगे गए थे। सिद्धांत यादव ने बताया कि मैं वार्ड क्रमांक १५ का पार्षद हूं जिस कारण जिनके द्वारा इन्हें आरोपी बताया जा रहा है उनके पुत्र ने मुझे फोन कर जानकारी दी १०० बिस्तर अस्पताल में २०००० रुपए लेकर पुत्र गया हुआ था। जो देने की तैयारी थी परंतु मैं मेरे साथ भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री अश्वनी गुप्ता भी थे। हम लोगों ने गरीब परिवार से घूस लिए जाने का विरोध किया। यह बात उन्हें नागवार गुजरी एवं हम लोगों से आपा खोकर आबकारी के नीरज साहू बदतमीजी करने लगे। यहां तक की काफी अपमानजनक शब्द भी उनके द्वारा बोले गए। दोनों युवाओं नेताओं ने कहा कि अवैध रूप से शराब बिक्री का हम सब हमेशा से विरोध करते आए है।परंतु जिस प्रकार से आबकारी उप निरीक्षक के द्वारा अवैध वसूली लगातार क्षेत्र में की जा रही है इसका हम खुलकर विरोध करेंगे।

२०००० मंगाए जाने की बात कबूली

दोनों युवा नेताओं के द्वारा वीडियो जारी करते हुए यह दावा किया गया कि जो २०००० रुपए आबकारी उप निरीक्षक के द्वारा मांगे गए थे हम लोगों ने जब इसका विरोध किया तो वह स्पष्ट रूप से स्वीकारा कि यह पैसा वकील के लिए मांगे थे। सवाल खड़ा होता है कि यदि वे पकड़ रहे तो वह छुड़वाने की व्यवस्था क्यों बनवा रहे हैं। स्पष्ट है कि वह पैसा घूस के लिए मांगे थे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। दुष्कर्म के आरोपी को थाना सीतापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी १६ जून को थाना सीतापुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक ८ फरवरी कों रजपुरी थाना सीतापुर निवासी सुलेन्द्र एक्का प्रार्थी के नाबालिग लड़की कों पसंद करने की बात बोलकर शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सीतापुर मे आरोपी के विरुद्ध धारा ८७, ६४(२) बी.एन.एस. एवं पोक्सो एक्ट की धारा ५(ठ), ६ का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया। आरोपी द्वारा अपना नाम सुलेन्द्र एक्का उर्फ सुरेन्द्र आत्मज बरना एक्का उम्र २५ वर्ष निवासी रजपुरी थाना सीतापुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक शशिप्रभा दास, आरक्षक सेवक राम, दिलबोधन कुमार, सैनिक रमेश अगरिया सक्रिय रहे।

संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। महाविद्यालय में एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य पर आइक्यूएसी एवं खेल क्लब के तत्वाधान के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मोटिवेशनल स्पीकर श्रीमती लक्ष्मी सिंह(लेक्चरार डाइट कॉलेज ऑफ अंबिकापुर) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए । कार्यक्रम की शुरूआत गणेश स्तुति एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ लक्ष्मी दीदी ने संतुलित आचार, विचार और व्यवहार जैसे शब्दों से ही शुरूआत की जिसमें ओमकार उच्चारण से मानसिक शांति और सफल जीवन की धुरी है, को समझाते हुए प्राचीन भारतीय संस्कृति पर प्रकाश डाला साथ ही विभिन्न प्रकार के आसन, प्राणायाम योग मुद्रा करा कर,उनकी उपयोगिता और उनके महत्व को बहुत ही सरल, सहज और सुबोध ढंग से बताते हुए सांसों पर स्वयं के नियंत्रण की विशेषता को भी बखूबी समझाई ।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय के द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों ने अद्भुत और आकर्षक पिरामिड की प्रस्तुति दी जिसमें योग के विभिन्न पहलुओं को बहुत ही अच्छे ढंग से दशार्या, यह पिरामिड केवल ध्यानाकर्षण ही नहीं बल्कि यह योग के महत्व और उसके विभिन्न पहलुओं को प्रभावी ढंग से अनेक कलाकृतियों के माध्यम से प्रस्तुत किए, जिसकी प्रशंसा उपस्थित सभी ने करध्वनि से की ।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में विषय से संबंधित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी सदन ने अपनी - अपनी प्रतिभा की प्रस्तुति दी जिसमें क्रमशः प्रथम स्थान पर आरती यादव एवं स्वाति तिर्की, द्वितीय - आस्था सिंहा एवं असीम लता एवं तृतीय स्थान पर दिनेश कुमार एवं श्रुति शर्मा रहीं ।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. पूजा दुबे ने अतिथि को प्रमाण पत्र देकर आभार व्यक्त किया । समस्त कार्यक्रम, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अंजन सिंह के मार्गदर्शन एवं सहायक प्राध्यापक सुमन पांडे, डॉक्टर पूजा दुबे, डॉक्टर रानी पांडे,चंदा सिंह,नीरु त्रिपाठी एवं श्वेता त्रिपाठी के निरीक्षण एवं निर्देशन में तथा बीएड द्वितीय सेमेस्टर के समस्त प्रशिक्षार्थियों के सहभागिता से कार्यशाला संपन्न कराया गया ।

युक्तियुक्तकरण और सेटअप बदलने के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी लगाकर जताया विरोध

बलरामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। शिक्षक साझा मंच के जिला संचालक पवन सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश संचालक संजय शर्मा व अन्य २२ प्रदेश संचालको के मार्गदर्शन मे स्कूल खुलने के पहले ही दिन बलरामपुर जिला सहित प्रदेश के शिक्षकों द्वारा अपने स्कूलो मे ही काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है जिला संचालक ने बताया कि शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ का युक्ति युक्तिकरण रद्द करने, २००८ का सेटअप लागू करने, सोना साहू के तर्ज पर एरियर्स सहित समस्त शिक्षकों को क्रमोन्नत वेतनमान देने, प्रथम सेवागणना कर पुरानी पेंशन सहित समस्त लाभ देने एवं पदोन्नति में बीएड की अनिवार्यता खत्म करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेशभर के शिक्षक आज से काली पट्टी लगाकर स्कूल गए है। इस प्रकार साझा मंच का सांकेतिक विरोध प्रदर्शन जारी है। यह कि प्रदेशभर के २३ शिक्षक संगठनों के संयुक्त फोरम शिक्षक साझा मंच द्वारा अपनी मांगों को लेकर विगत दिनों से लगातार विरोध प्रदर्शन जारी है।

समय के साथ हमने अपने आंदोलन का स्वरूप बदला है। अब हम बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलवाएंगे। गणवेश एवं कापी पुस्तक वितरण कराएंगे। नियमानुसार प्रतिदिन स्कूल जाकर बच्चों की पढ़ाई भी लगातार करवाएंगे। इसके साथ ही साथ प्रतिदिन १६ से ३० जून तक काली पट्टी लगाकर काम करते हुए सरकार की गलत नीतियों का सांकेतिक विरोध जारी रहेगा

साझा मंच के प्रदेश संचालकगण ने कहा कि प्रदेशभर में १६ से ३० जून तक सभी स्कूलों में प्रवेश उत्सव समारोह में आए हुए ग्रामीणजन, गांव के पंच सरपंचगण, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, पालक समिति एवं विद्यालय प्रबंध समिति को सभी शिक्षको द्वारा राज्य सरकार की शिक्षा और शिक्षक विरोधी कार्यो को बताया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सभी प्राथमिक, मिडिल, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में एक-एक शिक्षकों की संख्या कम की गई है। प्रधान पाठक के पदों को समाप्त किया जा रहा है। स्कूलों को मर्ज करने से प्रधान पाठक के पद समाप्त हो गए हैं।

स्कूलों में शिक्षकों के पदों में कमी करने से गुणवत्ता प्रभावित होगी। प्राथमिक शाला में मात्र दो शिक्षक रह गए। इस प्रकार मिडिल स्कूल में मात्र ३ से ४ शिक्षक ही रहेंगे। क्या इन तीन से चार शिक्षकों और प्राथमिक शाला में दो शिक्षकों से शिक्षा में गुणवत्ता आ पाएगी।

यह एक बड़ा प्रश्न है। इसी बातों को लेकर शिक्षक साझा मंच का प्रदेश भर में काली पट्टी लगाकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन जारी है। शिक्षक साझा मंच ने छत्तीसगढ़ में प्रदेश के सभी जिले, समस्त विकासखंड एवं समस्त संकुलों में संघ प्रतिनिधियों एवं समस्त आम शिक्षक साथियों से अपील की है कि सभी शिक्षक आज से ३० जून तक प्रतिदिन काली पट्टी लगाकर स्कूल जाए एवं सरकार की गलत नीतियों का विरोध करें।

बड़ा न कोई देश से, करें देश से प्यार, इस पर मिटने के लिए, सदा रहें तैयार

रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर तुलसी साहित्य समिति की काव्यगोष्ठी

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर तुलसी साहित्य समिति के द्वारा शायर-ए-शहर यादव विकास की अध्यक्षता में काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सच्चिदानंद पाण्डेय थे।

शुभारंभ मां वीणावती के सामूहिक पूजन से हुआ। तुलसीकृत रामचरितमानस व कविवर एसपी जायसवाल द्वारा लिखित सरगुजिहा रामायण का संक्षिप्त पाठ भी किया गया। कवि प्रकाश कश्यप ने मां सरस्वती की भक्तिमयी आराधाना अपने सुमधुर गीत- मां शारदा तुझको नमन, खुशियों से भर दे सबके मन, जग में कहीं ना क्लेश हो, सुख-शांति का परिवेश हो, एक हों, सब नेक हों, यह धरा सबका चमन द्वारा करते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। वरिष्ठ साहित्यकार एसपी जायसवाल ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का जन्म १९ नवम्बर सन् १८२८ को वाराणसी में हुआ था। वे घुड़सवारी, तीरंदाजी व तलवारबाजी- जैसी युद्ध कलाओं में अत्यंत निपुण थीं। सन् १८४२ में उनका विवाह झांसी के राजा गंगाधर राव से हुआ था। उनकी निःसंतान मृत्यु के कारण लार्ड डलहौजी की हड़प नीति के तहत उनके दत्तक पुत्र दामोदर राव को अंग्रेजों ने झांसी का उत्तराधिकारी स्वीकार नहीं किया और झांसी पर कब्जा करने की कोशिश की। रानी ने इसका प्रबल प्रतिरोध किया और अंग्रेजों से युद्ध करते हुए १८ जून १८५८ को ग्वालियर के निकट कालपी में वह वीरगति को प्राप्त हो गईं। जायसवाल ने अपनी ओजमयी कविता द्वारा भी रानी लक्ष्मीबाई के अद्भुत पराक्रम का चित्रण किया- वह लहू नहीं किसी मतलब का जिसमें उबाल का नाम नहीं। युद्ध छेड़ दी थी रानी ने, अनेक गोरे खेत रहे! वरिष्ठ व्याख्याता सच्चिदानंद पाण्डेय ने भारत को वीरों की भूमि बताते हुए कहा कि रानी लक्ष्मीबाई भी देश के इन्हीं अन्यतम वीरों में से एक थीं, जिन्होंने अपनी मातृभूमि झांसी को कभी अंग्रेजों का गुलाम नहीं होने दिया और अंतिम सांस तक वह अंग्रेजों से लड़ती रहीं। कवयित्री व अभिनेत्री अर्चना पाठक ने रानी लक्ष्मीबाई को अप्रतिम साहसी, बुद्धिमती और प्रत्युत्पन्नमतिसंपन्न बताते हुए कहा कि हमें उनके जीवन से देश के लिए मर-मिटने, स्वाभिमान से जीने, विपत्तियों से न घबराने, धैर्य, साहस, दृढ़ निश्चय बनाए रखने तथा नारी को अबला न समझने की विपुल प्रेरणा मिलती है। उन्होंने रानी की वीरता और धीरता के विषय में ओजस्वी कविता भी प्रस्तुत की- वीरता की आन-बान-शान-सी दमकती थी, धीरता में उनका न कोई उपमान था। झांसी की थी रानी वह, सत्यता से कहूं यह- रानी के समान बस रानी का ही मान था!

गोष्ठी में वरिष्ठ गीतकार पूनम दुबे ‘वीणा’ ने अपने गीत में भारत देश को सबकी आंखों का तारा बताया- भारत ये प्यारा है, सबकी आंखों का तारा है। अखिल विश्व से न्यारा है, भगवन् देश यह हमारा है! संस्था के अध्यक्ष चर्चित दोहाकार व शायर मुकुंदलाल साहू ने वतन के लिए मर-मिटने का उद्घोष अपने दोहे में किया- बड़ा न कोई देश से, करें देश से प्यार। इस पर मिटने के लिए, सदा रहें तैयार। कवयित्री माधुरी जायसवाल ने भी यही स्वर बुलंद किया- इस धरा के लिए, इस गगन के लिए, हम जिएंगे-मरंगे वतन के लिए। आओ हम सब गले-से-गले मिल चलें, सारी दुनिया में चैनों-अमन के लिए! कवयित्री अंजू प्रजापति ने देश को दिनकर के सदृश देदीप्यमान बताया- हरियाली खेतों की मुस्कान, बहती नदियों से पहचान। सूरज-सा उजाला जहां, वो मेरा भारत महान्! वरिष्ठ कवयित्री मीना वर्मा का बलिदानी संकल्प उनकी कविता में नुमायां हुआ- वतन पर आंच न आए, भले सर चाक हो जाए। मैं जननी हूं लला तेरी, कोख मेरी न शर्माए! कवयित्री आशा पाण्डेय ने सदैव भारत में ही जन्म लेने की उत्कंठा व्यक्त की- वीर लाल बन भारती की, कर सकूं रक्षा वतन की। जब-जब जनम लूं धरा पर, वो माटी हो मेरे हिन्दुस्तान की! कवि संतोष सरल ने पहलगाम आतंकी हमले के लिए पड़ोसी पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशस्त्र प्रतिकार का पुरजोर समर्थन करते हुए कविता पेश की- सिंदूर मिटा जब मांओं का पहलगाम की घाटी में।

मोदी ने मारा ब्रह्मोस पाकिस्तान की छाती में! आशुकवि विनोद हर्ष ने भी हुंकार लगाई- लहूलुहान कर डाली बैसारन की घाटी, अविरल रक्त की धारों में। धर्म पूछकर गोली मारी, एके सैंतालीस से मक्कारों ने! वरिष्ठ कवि चंद्रभूषण मिश्र ‘मृगांक’ की कविता- वो रूप बदलना चाहिए, वो रंग बदलना चाहिए, समय की मांग हो तो संविधान को सप्रसंग बदलना चाहिए- को श्रोताओं ने खूब सराहा। शायर-ए-शहर यादव विकास ने गजल- जो हुआ उसे भुलाया जाए, आइए हाथ मिलाया जाए- के द्वारा सबको जीवन में वैरभाव भुलाकर, परस्पर मेल-मिलाप, सद्भावना बनाए रखने की गुजारिश की। गोष्ठी में कवि अम्बरीष कश्यप, रामलाल विश्वकर्मा और अमित प्रेम ने भी अपनी उत्कृष्ट कविताएं प्रस्तुत कीं। अंत में कवि प्रताप पाण्डेय की इस अदम्य जिजीविषा बनाए रखने का पैगाम़ देती कविता से कार्यक्रम का यादगार समापन हुआ- आहिस्ता चल जिंदगी कई फर्ज निभाना बाकी है। जब सासों को थम जाना है, फिर क्या खोना, क्या पाना है! मन के जिद्दी बच्चे को यह बात बताना बाकी है! धन्यवाद ज्ञापन संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष माधुरी जायसवाल ने जताया। इस अवसर पर लीला यादव, मनीलाल गुप्ता, संजू यादव आदि काव्यप्रेमी उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

बाढ़ क्षेत्र से परिसम्पतियां हटाने की सूचना जारी

कोरबा अम्बिकावाणी - वर्षाकाल २०२५ के दौरान आवश्यकता होने पर मिनीमाता बांगो बांध माचाडोली एवं हसदेव बैराज दर्री से नदी में पानी प्रवाहित किया जायेगा। अधीक्षण अभियंता हसदेव परियोजना मंडल कोरबा ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों को सूचित किया है कि उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जायें। बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेवें। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध ने कहा है कि अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध एवं हसदेव बराज जल प्रबंध संभाग को बाढ़ क्षेत्र में आने वाले गांवों में बाढ़ चेतावनी की मुनादी करवाने के भी निर्देश दिए गए हैं।अधीक्षण अभियंता ने बताया कि बाढ़ क्षेत्र में आने वाले संभावित गांवो में बांगो, लेपरा, नुनिया, कछार, कोनकोना, पोड़ी-उपरोड़ा, चर्रा, पाराघाट, छिनमेर, सिरकीकला, केरा, पाथा, सिलीयारीपारा, तिलसाभाटा, हथमार, छिरापारा, डगुपारा, करमीपारा, जूनापारा, लोरीडांड, तिलाईडांड, दुंगुमाड़ा, नवागांव, झोरा, कौरीघाट, डोंगाघाट, पोंड़ीखोहा, धनगांव, लोतलोता, नर्मदा, औराकछार, झाबू, सोनगुढ़ा, नवागांव, स्याहीमुड़ा, जेलगांव, चारपारा, खैरभावना, बलरामपुर, भलपहरी, जोगीपाली, कोहड़िया, राताखार, गेवराघाट, इमलीडुग्गु, कुदुरमाल, बरीडीह, मोहरा, देवरी, चिचोली, कटबितला, झीका एवं ढिठोली आदि शामिल हैं।

बिना अनुमति कोटवारी भूमि के विक्रय पर शासन द्वारा की जा रही कार्यवाही, बिक्री किए गए कोटवारी भूमि को पुनःशासन के मद में किया गया दर्ज

कोरबा अम्बिकावाणी - जिला प्रशासन द्वारा बिना अनुमति कोटवारी भूमि के विक्रय पर नियंत्रण करने एवं ऐसे बिक्री हुई भूमि को पुनःशासन के रिकार्ड में दर्ज करने हेतु निरंतर कार्यवाही की जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर के पत्र क्रमांक एफ १०-११/२००० / सात - ४ (पार्ट) नवा रायपुर दिनांक १२.०६.२०२४ के तहत जारी निर्देश की कंडिका २ (२) के परिपालन में तथा कलेक्टर कोरबा के निर्देशानुसार कोटवारी भूमि/सेवा भूमि को कोटवार द्वारा च भूमि स्वामी के रूप में भूमि दर्ज होने के उपरांत बिना सक्षम अधिकारी (कलेक्टर) के अनुमति प्राप्त किये अन्य व्यक्ति को विक्रय किये प्रकरणों में न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) से पुर्नविलोकन/पुनरीक्षण की अनुमति प्राप्त कर शासन के निर्देशानुसार विधिवत कार्यवाही करते हुये १५ प्रकरणों में कुल ४.४७७ हेक्टेयर भूमि को छ.ग. शासन च घासच मद में दर्ज करने की कार्यवाही की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख कोरबा से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील दर्री अंतर्गत ग्राम कुमगरी स्थित भूमि ख.नं. १९६ रकबा ०.१६६ हे.,खसरा नं. ६३१ रकबा ०.९७ हे. जिसे ग्राम कोटवार हरगोविंद दास पिता चरण दास के द्वारा कविता देवी पति बिंदुसिंह को विक्रय किया गया था। ग्राम गांगपुर स्थित भूमि ख.नं. ९२ शामिल ९३ रकबा ०.३०६ हे. जिसे ग्राम कोटवार बिसाहू दास पिता भुजबल के द्वारा रामखिलावन पिता जोतराम तथा खसरा नं. ३१६ रकबा ०.११३ हे., खसरा नं. ४१४ रकबा ०.३२४ हे., खसरा नं. ४१७ रकबा ०.१७८ हे. और खसरा क्र. ४१८ रकबा ०.०६१ हे. भूमि को लक्ष्मीनारायण यादव पिता तिरिथ राम यादव को विक्रय किया गया था। ग्राम सेमीपाली स्थित भूमि ख.नं. २९३ रकबा ०.२३९ हे. एवं ०.३२८ हे. भूमि को कोटवार हरगोविंद दास पिता चरण दास द्वारा क्रमशः पार्वती पति पैरू पंडित एवं सुनीता देवी पति रमेश अग्रवाल को विक्रय किया गया था। इसी प्रकार तहसील कटघोरा अंतर्गत छुरीकला स्थित भूमि ख.नं. १२३२/२ रकबा ०.०९३ हे. एवं खसरा नं. १२३१/३ रकबा ०.०२४ हे. भूमि जिसे ग्राम कोटवार बुधवार साय पिता हीरासाय द्वारा क्रमशः दुकालू राम, रमेश कुमार पिता सीपतराम एवं रामविलास पिता प्रीतराम को विक्रय किया गया था। नवागांव स्थिति भूमि खसरा नं. १०४/२ रकबा ०.००८ हे. एवं खसरा नं. १२३ रकबा ०.१९८ को कोटवार नारायण दास पिता नन्हे दास द्वारा प्रदीप कुमार जायसवाल, मिथलेश कुमार पिता गोकुल प्रसाद जायसवाल को विक्रय किया गया था। ग्राम मोहनपुर स्थित भूमि खसरा नं. २६७१ रकबा ०.४४५ हे. भूमि को कोटवार लक्ष्मीदास पिता रूपधन दास द्वारा शिवलाल सिंह पिता गुलाब सिंह को विक्रय किया गया था। तहसील भैसमा अंतर्गत ग्राम कुकरीचोली स्थित भूमि खसरा नं. ३७७/१ रकबा ०.०४५, खसरा नं. ३७७/१ रकबा ०.०१२, खसरा नं. ३७७/१ रकबा ०.१५८ हे., खसरा नं. ३०६ रकबा ०.२१५ हे., खसरा नं. ३७७/१ रकबा ०.०४० हे. खसरा नं. ३७७/१ रकबा ०.०८१ हे., खसरा नं. ३७७/१ रकबा ०.१०१ हे. भूमि को कोटवार रामदयाल पिता पटैराम सारथी द्वारा क्रमशः अनिता कौशिक पति दिनेश कौशिक, कनिका चक्रवर्ती पति तपन कुमार चक्रवर्ती, डॉ.के.सी.देवनाथ पिता अक्षय कुमार देवनाथ, मंजू जायसवाल पति गोवर्धन, डॉ.के.सी. देवनाथ पिता अक्षय कुमार देवनाथ को विक्रय किया गया था। तहसील पोंड़ी उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम कोठीखर्रा स्थित भूमि खसरा नं. ३९७ रकबा ०.३७२ हे. भूमि जिसे कोटवार रघुराम पिता सोनसाय ने विजय, विरेन्द्र भूपेन्द्र कुमार पिता बनवारी को विक्रय किया गया था। उपरोक्तानुसार १५ प्रकरणों में विक्रीकृत कोटवारी भूमि कुल रकबा ४.४७७ हेक्टेयर को छ.ग.शासन च्घासच मद में दर्ज किये जाने की कार्यवाही की गई है।

आदिवासी सेवा सहकारी समिति नवापारा में खाद वितरण में गड़बड़ी, चहेते किसानों पर मेहरबान प्रबंधक

कोरबा अम्बिकावाणी - बरसात की शुरूआत के साथ ही खेती-किसानी का मौसम जोर पकड़ने लगा है और किसानों को खाद की सख्त आवश्यकता महसूस हो रही है। लेकिन आदिवासी सेवा सहकारी समिति नवापारा (रामपुर) में खाद वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है। प्रबंधक की मनमानी के चलते अधिकांश किसान खाद के लिए रोज समिति के चक्कर काटने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार समिति प्रबंधक द्वारा किसानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। किसी किसान को एक बोरी खाद देकर चलता किया जा रहा है, किसी को दो बोरी, जबकि कुछ खास और चहेते किसानों को उनके रकबा से अधिक मात्रा में खाद दे दिया गया है। इस मनमानी से नाराज किसानों में असंतोष है।

जिला पंचायत सभापति ने लिया संज्ञान - किसानों की इस समस्या की जानकारी मिलने पर जिला पंचायत सभापति सावित्री अजय कंवर स्वयं नवापारा समिति पहुंचीं और किसानों से सीधा संवाद किया। किसानों ने उन्हें समिति प्रबंधक की लापरवाही और भेदभाव की जानकारी दी। सभापति महोदया ने समिति में हो रही गड़बड़ियों को गंभीरता से लेते हुए उच्च अधिकारियों से चर्चा की और जल्द ही सभी पात्र किसानों को उचित मात्रा में खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

प्रशासनिक हस्तक्षेप की उठी मांग - ग्रामीणों और कृषकों का कहना है कि समिति में लंबे समय से ऐसी गड़बड़ियां चल रही हैं, जिन्हें रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर जांच और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। किसानों ने मांग की है कि निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे कोई भी कृषक वंचित न रहे।

नशे में पंचायत पहुंचने वाले सचिव पर कार्रवाई-अखबार में खबर छपी तो हरकत में आया प्रशासन

खबर का असर

नशे में चूर पंचायत सचिव, ठप पड़ा नवापारा का विकास कार्य, प्रशासन की चुप्पी पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कहा-जब सचिव ही लड़खड़ाएगा तो विकास कैसे चलेगा?

कोरबा अम्बिकावाणी- पंचायत भवन में शराब के नशे में पहुंचने वाले सचिव रामेश्वर राजवाड़े पर आखिरकार जनदबाव और अम्बिकावाणी समाचार पत्र में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। जनपद पंचायत पोंड़ी उपरोड़ा के नवापारा पंचायत में पदस्थ सचिव को पद से हटाकर जनपद कार्यालय में अस्थायी रूप से अटैच कर दिया गया है। वहीं उनकी जगह ग्राम मेरई के सचिव को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

वीडियो वायरल और अम्बिकावाणी की खबर बनी बदलाव की वजह - २४ मई को सचिव का पहला वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे नशे की हालत में पंचायत कार्यालय में लुढ़कते नजर आए थे। तब प्रशासन ने केवल कारण बताओ नोटिस जारी कर मामले को टाल दिया। लेकिन १३ जून को दूसरा वीडियो सामने आने के बाद अम्बिकावाणी अखबार में खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई, जिससे क्षेत्र में जनाक्रोश और दबाव बना। लगातार वायरल हो रहे वीडियो और जनता की प्रतिक्रिया को देखते हुए अंततः प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी।

नवीन आदेशः सचिव हटाए गए, नया प्रभार सौंपा गया - प्राप्त आदेशानुसार, सचिव रामेश्वर राजवाड़े को तत्काल प्रभाव से जनपद कार्यालय में अस्थायी रूप से संलग्न किया गया है। उनकी जगह सचिव अशोक दास महंत, जो कि ग्राम पंचायत मेरई में पदस्थ हैं, को नवापारा पंचायत का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वे आगामी आदेश तक यह जिम्मेदारी निभाएंगे।

पंचायत व्यवस्था में लौटी सहजता, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस - नवीन सचिव की नियुक्ति के बाद नवापारा पंचायत में अनुशासन व कार्य संस्कृति का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों ने नए सचिव के व्यवहार, समयबद्ध उपस्थिति और कार्य निष्पादन की सराहना की है। पूर्व सचिव की लापरवाही से ठप पड़े कई कार्य अब पुनः गति पकड़ने लगे हैं।

स्थायी बर्खास्तगी की उठी मांग
हालांकि सचिव रामेश्वर राजवाड़े को केवल अस्थायी रूप से हटाया गया है, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उनकी स्थायी बर्खास्तगी की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शराब सेवन और लापरवाही करने वाले अधिकारी को बख्शना, पंचायत व्यवस्था की छवि को नुकसान पहुंचाता है।

खबर का असर : जनता की आवाज और अम्बिकावाणी की निष्पक्ष पत्रकारिता से प्रशासन को झुकना पड़ा इस जनदबाव और मीडिया की ताकत का उदाहरण है।

सिरप का सप्लायर सरगना चूड़ामणि यादव गिरफ्तार, लंबे समय से था फरार

कोरबा अम्बिकावाणी - जिला सक्ती के बाराद्वार थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कोडिन सिरप सप्लाई करने वाले फरार मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी चूड़ामणि यादव उर्फ वासु यादव, उम्र २४ वर्ष, निवासी ग्राम लारीपानी, थाना लैलूंगा, जिला रायगढ़ को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। प्रकरण में पहले ही गिरफ्तार किए गए आरोपी रितेश गबेल को कोडिन सिरप की सप्लाई इसी आरोपी द्वारा की गई थी। आरोपी चूड़ामणि यादव पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करता रहा, लेकिन टीम द्वारा सघन पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव तथा एसडीओपी मनीष कुंवर के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक लखन लाल पटेल के नेतृत्व में गठित टीम में सहायक उपनिरीक्षक यशवंत राठौर, प्रधान आरक्षक मनीष राजपूत, आरक्षक दिलसाय सोनवानी, अजय बंजारे और रामनिवास उरांव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ धारा २१(ख), २९ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य की थीम पर 21 जून को मनाया जाएगा विश्व योगा दिवस

कोरिया बैकुंठपुर - भारतीय सभ्यता में स्वास्थ्य को लेकर प्रचलित प्राचीन योग अब पूरे विश्व में अपनी उपयोगिता के लिए अलग पहचान बना चुका है। अब प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को लेकर योग के प्रति सचेत और जागरूक हो चला है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले में आगामी २१ जून को विश्व योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर पर मुख्यालय बैकुण्ठपुर और ब्लाक तथा ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाले आयोजनों को लेकर कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने एक आवश्यक बैठक लेकर सभी विभाग प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार इस बार विश्व योग दिवस के लिए एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य थीम निर्धारित की गई है। साथ ही योग संगम एवं हरित योग को सिग्नेचर इवेंट के तौर पर शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त सभी ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर तटों पर, आंगनबाड़ी केंद्र, महाविद्यालयों एवं सभी शैक्षणिक संस्थानों में भी योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्राम पंचायतों में इस आयोजन के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ग्राम प्रधानों के लिए संदेश भी पढ़ा जाएगा। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों के साथ बैठक कर विश्व योग दिवस के आयोजन की जिम्मेदारियों का निर्धारण करते हुए आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत दिशा निर्देश प्रदान किए। बैठक को संबोधित करते हुए श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि अब योग की आवश्यकता, इसकी स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापकता और जीवन में उपयोगिता से प्रत्येक वर्ग भलीभांति अवगत हो चुका है। इसलिए भारत से निकला हुआ योग अब पूरे विश्व में अपनाया जा चुका है। विश्व योग दिवस का जिला स्तरीय आयोजन बैकुण्ठपुर मुख्यालय स्थित मानस भवन में आयोजित होगा। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि प्रत्येक आयोजन स्थल पर योग करने हेतु उपस्थित प्रतिभागियों की आवश्यक बैठक की व्यवस्था के साथ ही आयुष विभाग योग प्रशिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। जिला स्तरीय समारोह हेतु आवश्यक तैयारियों के लिए मुख्यालय एसडीएम श्रीमती दीपिका नेताम को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इस कार्यक्रम में एसएसएस, एनसीसी, स्काउट के कैडेटों के अलावा सभी विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित होंगे। उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने बताया कि यह आयोजन सुबह सात बजे से आठ बजे के बीच संपन्न होगा। इस वर्ष विश्व योग दिवस के लिए आयोजित होने वाली गतिविधियों को आनलाइन भी दर्ज कराया जाना है। इस संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि आयुष मंत्रालय की वेबसाइट पर संगम योग नामक पेज पर जाकर सभी विभाग प्रमुखों को और समस्त योग आयोजन स्थलों के पंजीकरण की जानकारी प्रविष्ट किया जाना है।

तोड़ फोड़ से प्रभावित छोटे व्यवसायी से मुलाकात कर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने प्रशासन से कार्यवाही रोकने मांग की

मो. हदीस सीतापुर - अतिक्रमण के विरुद्ध ऐक्शन मोड़ में आये प्रशासन ने बस स्टैंड व,हॉस्पिटल के सामने स्थित सभी ठेला गुमटियों पर बुलडोजर चला कर तोड़ फोड़ की कार्यवाही करते हुए शासकीय जगह को अतिक्रमण मुक्त कर दिया प्रशासन के इस कार्यवाही से दर्जनों छोटे व्यवसायी बेरोजगार हो गये। बगैर विस्थापन के हुए इस कार्यवाही से प्रभावित व्यवसायियों के आगे रोजी रोटी की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गई है। जिनसे मिलने आज पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत स्थानीय रेस्ट हाउस में पहुंचे जहां उन्होंने अतिक्रमण से प्रभावित दुकानदारो से मिलकर उनकी समस्या से अवगत हुए। और उन्होंने हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तिलक बेहरा ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंप तोड़ फोड़ की कार्यवाही स्थगन करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अभी बरसात में सरकार के पास कोई कार्य योजना नही है। बरसात के बाद जब सरकार के पास कार्ययोजना होगा उस समय ये कार्यवाही किया जाये। तब तक इन्हें अन्यत्र विस्थापन की व्यवस्था का प्लान अवसर मिल जायेगा आदि। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम दान कुजूर गणेश सोनी सन्दीप गुप्ता, विगन राम, अंकुर दास सहित प्रभावित दुकानदार सहित नागरिक गण उपस्थित थे।

लेखापाल संविदा पद हेतु कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा 25 जून को, पात्र अभ्यर्थियों की सूची प्रकाशित

कोरबा अम्बिकावाणी - पंचायत संचालनालय, छत्तीसगढ़, विकास भवन, सेक्टर-१९, नार्थ ब्लॉक, भूतल, नया रायपुर, अटल नगर, रायपुर के पत्र क्रमांक ५/पंचा./आरजीएसए/१४४क/२०२५/७७१ दिनांक २०.०३.२०२५ एवं कार्यालय जिला पंचायत कोरबा के पत्र क्रमांक ६८९/जि.पं./क्रजक/२०२५ दिनांक १५.०४.२०२५ के परिपालन में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान(क्रजक) योजनांतर्गत जिला संसाधन केन्द्र कोरबा में लेखापाल के ०१ संविदा पद" की पूर्ति हेतु विज्ञापन जारी कर पात्र अभ्यर्थियों से ३० अप्रैल २०२५ सायं ५:०० बजे तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। पदवार प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरांत दावा-आपत्ति आमंत्रण हेतु २७ मई से ०३ जून २०२५ तक की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। समस्त दावा-आपत्तियों का जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा विधिवत निराकरण करते हुए अंतिम पात्रता सूची दिनांक १६ जून २०२५ को प्रकाशित की गई। अब पात्र अभ्यर्थियों हेतु कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन २५ जून २०२५ (बुधवार) को किया जा रहा है। परीक्षा स्थल लाईवलीहुड कॉलेज,कोरबा निर्धारित किया गया है। रिपोर्टिंग समय प्रातः ०९:३० बजे, तथा परीक्षा प्रारंभ प्रातः १०:०० बजे जिला स्तरीय चयन समिति के अनुशंसा उपरांत कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची, परीक्षा का प्रारूप, समय-सारणी एवं प्रवेश पत्र जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है एवं जिला पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर भी प्रदर्शित की गई है। सभी पात्र अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे समय पर परीक्षा स्थल पर उपस्थित होवे।

जिला पंचायत सदस्य सावित्री अजय कंवर क्षेत्र में 11 हजार पौधे रोपण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए पौधरोपण हेतु किया प्रेरित

रेनफेड एरिया डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत लबेद में आयोजित हुआ कृषक प्रशिक्षण

कोरबा अम्बिकावाणी - करतला विकासखंड के लबेद ग्राम में कृषि विकास कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग कोरबा द्वारा रेनफेड एरिया एग्रीकल्चर अर्थात वर्षा आधारित कृषि वाले क्षेत्र में उन्नत कृषि कार्य करने हेतु किसानों को कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत उन्नत खेती किसानी करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को धान की खेती के साथ दलहन और तिलहन की खेती तथा पशुपालन करने के प्रेरित किया गया। किसानों के पंजीयन और उनको विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया गया किसानों को जैविक खाद, वर्मी कॉम्पोस्ट के उत्पादन और उपयोग पर विशेष ध्यान देने आग्रह किया ताकि भूमि की उर्वरता शक्ति में वृद्धि हो और उत्पादकता में बढ़ोतरी हो सके। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत कोरबा सभापति(वन) सावित्री अजय कंवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई और करतला जनपद के उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य देवी बाई राजवाड़े, अजय कंवर, सुख सिंह पटेल तथा कृषि विभाग की सहायक संचालकपुष्पा कैंवर, प्रीति चौहान, सीमा राय कृषि विभाग, ए डी ई ओ कृषि अजय प्रसाद, ग्राम सेवक एस के पाटले,कामता प्रसाद साहू, आर के ताडिया व ग्राम के किसान बड़ी संख्या में मौजूद थे जिन्हें प्रशिक्षण के साथ साथ उन्नत धान के बीज और फलदार पौधे प्रदान किये गए।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

//इश्तहार//

रा0प्र0क्र0 202403262100000 अ-19/2023-24

दिलीप बछड़ प्रति छ0ग0 शासन

सर्वसाधारण ग्राम गणेशपुर तहसील लटोरी को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री दिलीप बछड़ आ0 स्व0 सत्यरंजन बछड़ व 3 अन्य निवासी ग्राम गणेशपुर तहसील लटोरी जिला-सूरजपुर छ0ग0 द्वारा ग्राम गणेशपुर स्थित भूमि पुराना खसरा नम्बर 187/1, 152, 274/1 रकबा क्रमशः 4.00, 3.00, 1.00 एकड़ भूमि का न्यायालय नायब तहसीलदार सूरजपुर के रा0प्र0क्र0 159 अ-19/1989-90 अनुसार आवेदक के पिता/पति को शासन से पट्टा में प्राप्त हुआ था। उक्त आवेदित भूमि खसरा नम्बर 756, 757, 758, 920/1 रकबा 0.45, 0.80, 0.32, 0.16 हे0 भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदकगण के नाम पर खाते में दर्ज है। आवेदित भूमि का शासकीय पट्टा प्राप्त होने के कारण शासकीय पट्टा से भूमि स्वामी पट्टा प्रदाय करने हेतु छ0ग0 राजपत्र में प्रकाशित राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 29 मार्च 2023 के अनुसार निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, खसरा, बी-1, की नकल एवं किसान किताब की छायाप्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही किया जा रहा है।

अतः उक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 29/03/2024 तक स्वतः उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 29/02/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
लटोरी,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

सूचना

मैं दिनेश कुमार तिवारी उम्र 51 वर्ष पिता श्री सूर्य प्रसाद तिवारी निवासी कालेज कालोनी, वार्ड नं. 02 धनपुरी, थाना व तहसील बुढ़ार, जिला शहडोल म0प्र0 का हूँ, आधार नं.- 4551 8777 8313 है।

मैं उक्त पते पर स्थायी रूप से मैं और मेरा परिवार निवास करते हैं।

मैं अपने पुत्र नितिन कुमार कुमार तिवारी के नाम से बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस शाखा अनूपपुर से लिया था, जिसका पॉलिसी नंबर 0299314504 है।

जब मैंने पॉलिसी अपने पुत्र नितिन कुमार तिवारी के नाम से लिया था उस समय मेरा पुत्र नाबालिग था, उस समय उक्त पॉलिसी पर मेरे पुत्र का नाम नितिन तिवारी पॉलिसी में दर्ज हो गया है। जबकि सही नाम नितिन कुमार तिवारी पिता दिनेश कुमार तिवारी है। नितिन कुमार तिवारी और नितिन तिवारी दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है नितिन कुमार तिवारी के सभी दस्तावेजों में नितिन कुमार तिवारी लिखा हुआ है, जो सही है।

उक्त पॉलिसी की अवधि पूरी हो चुकी है अब उसका भुगतान बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस शाखा अनूपपुर पॉलिसी नंबर 0299314504, नितिन कुमार तिवारी को कर दिया जाए, इसी के समर्थन में उक्त शपथ पत्र का निष्पादन किया हूँ।

मेरे द्वारा दी गयी जानकारी सही एवं सत्य है। उक्त जानकारी अगर गलत पायी जाती है तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी उक्त पॉलिसी को भुगतान करने की जवाबदारी पॉलिसी धारक की होगी।

दिनेश कुमार तिवारी
निवासी-कालेज कालोनी,
वार्ड नं. 02 धनपुरी,
थाना-बुढ़ार, जिला-शहडोल (म0प्र0)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), वाड्रफनगर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

//इश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) को इश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती प्रियंका ठाकुर पति भूपेन्द्र ठाकुर जाति नाई निवासी नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) द्वारा ग्राम वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख0नं0 1284 रकबा 0.02 हे0 भूमि को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 30/06/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
वाड्रफनगर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

//इश्तहार//

रा0प्र0क्र0 202506021700020/अ-27/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोरंजन आ0 स्व. प्रफुल्ल मिस्त्री, जाति नमोशूद्र, निवासी ग्राम सरगंवा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नं0 95/2 कुल रकबा 1.380 हे0 भूमि का अनावेदक फुलचंद आ0 स्व. प्रफुल्ल मिस्त्री व अन्य, निवासी ग्राम नेहरूनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के मध्यम खाता विभाजन कराने के संबंध में आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 03/07/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

//इश्तहार//

रा0प्र0क्र0 202506021700013/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्लासिदियुस एक्का आ0 स्व0 सिमोन एक्का व अन्य, जाति उरांव, निवासी ग्राम लोसंडी, तहसील जशपुर, जिला जशपुर छ0ग0 द्वारा ग्राम ठाकुरपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 350/3 रकबा 0.180 हे0 भूमि पर से पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 29.09.2022 के आधार पर दानकर्ता ल्योसिन एक्का आ0 सिमोन एक्का, जाति उरांव, निवासी अमेरी रोड, शांति नगर मकान नंबर 215 बिलासपुर, तहसील बिलासपुर, जिला बिलासपुर छ0ग0 का नाम विलोपित कराकर उपरोक्त दानपत्र के आधार पर अपना नाम दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 110 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 03/07/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-02

अम्बिकावाणी

अम्बिकापुर, गुरूवार 19 जून, 2025

सम्पादकीय

यदि लोग आपको मूर्ख बनाने का प्रयास करें तो याद रखें नम्रता व शान्ति में बहुत बड़ी समझदारी है।

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

हत्या सिर्फ हत्या है

हनीमून के लिए मेघालय गई सोनम को पति राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया। राजा व सोनम 23 मई से लापता थे। दो जून को राजा का शव खाई में मिला था, जबकि सोनम का लापता थी। पुलिस के अनुसार उसने भाड़े के हत्यारों के साथ मिलकर साजिश रची थी।

11 मई को दोनों की परिवार की मर्जी से शादी की हुई थी। 21 मई को दंपति शिलांग पहुंचा। राज कुशवाहा सोनम के पिता की दुकान में काम करता था। जिसके साथ सोनम के रिश्ते थे। इन दोनों ने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर बीस लाख रुपये में राजा को रास्ते से हटाने की साजिश रची और पेड़ काटने वाली छोटी कुल्हाड़ी दाव ऑनलाइन मंगाई। राजा की मां का कहना है, सोनम के विवाह में रुचि न लेने व फोन न सुनने से राजा उखड़ा-उखड़ा रहता था।

मगर सोनम की मां का इस पर कहना था, उनका परिवार काफी सख्त है इसलिए उनकी बेटी अपने होने वाले पति के साथ मुलाकातें नहीं कर सकती। हनीमून की बुकिंग भी सोनम ने ही करवाई थी। शादी के बाद उसका बर्ताव ससुरालियों से अच्छा ही था, वह सबसे मिल-जुल कर रही और हनीमून के दरम्यान सबसे फोन पर बातें भी करती रही। सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बता रहे हैं और सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

परिवारों की मर्जी से शादी करने वाली नवविवाहिताओं में इस तरह का आवेश देखकर कहा जा सकता है कि परिजनों को अरेंज मैरिज को लेकर अपने विचार बदलने होंगे। जात-बिरादरी के बंधनों व आर्थिक स्तर को लेकर वैवाहिक संबंधों को बनाने की रवायतों में ढील लानी होगी। परिपक्व उम्र की लड़कियां घर के बड़ों के समक्ष जो आक्रोश व्यक्त नहीं कर पातीं, वह विवाह के उपरांत जानलेवा साबित होता नजर आ रहा है। समाज के बदलते परिवेश में बंदिशों की जगह नहीं रही है। यह गंभीर सामाजिक व पारिवारिक मसला बनता जा रहा है।

इस पर गहन चिंतन की जरूरत है। विवाह पूर्व मैरिज काउंसलर व परिवार विशेषज्ञों की राय भी जरूरी है। अभी समाज दहेज हत्याओं से उबर नहीं पाया है कि यह नये तरह का संक्रमण दंपतियों को चपेट में ले रहा है। इस तरह की हत्या सोची-समझी साजिश का परिणाम होता है। मर्जी के बगैर विवाह या विवाह विच्छेदन को लेकर दायरे बदलने होंगे। सुपारी देकर मौत के घाट उतारने वाली स्त्री को माफ नहीं किया जाना चाहिए। हत्या सिर्फ हत्या है। उसमें लैंगिक पक्षपात की कोई जगह नहीं है।

सड़कें, जिन्होंने भारत के विकास की दिशा बदल दी!

नितिन गडकरी

साल 2014 में जब नरेन्द्रा मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की, उसी क्षण से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्चर प्राथमिकता देती आई है। इस दिशा में, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय बुनियादी ढांचे के विकास का केंद्र बिंदु बन गया। मोदी के नेतृत्व में इस मंत्रालय ने न केवल देश के आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि वर्ष 2014 से लेकर इन 11 वर्षों के दौरान इसे एक नया आयाम भी दिया है।

पूर्ण हो चुके और बनने वाले दोनों प्रकार के राजमार्गो के निर्माण - ने देश के विकास की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुशल राजमार्ग, जलमार्ग और रेलवे, लॉजिस्टिक्स की लागत में कमी ला सकते हैं और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को 'विश्वगुरुइ बनाने का सपना देखते हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। इस सपने को साकार करने के लिए, हमें निर्यात बढ़ाने की जरूरत है, जिसकी बदौलत कृषि, सेवाओं और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा। पिछले 11 वर्षों में निर्मित सड़कों ने हमारी लॉजिस्टिक्सत की लागत को 16 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है, और अगले वर्ष, हमारा लक्ष्य इसे और कम करके 9 प्रतिशत पर लाना है। इससे हमारे निर्यात में वृद्धि होगी, हम अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे, और भारत को 'विश्वगुरुइ बनने की दिशा में और अधिक प्रबल रूप से आगे बढ ? में मदद मिलेगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय देशभर में 25 नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे बना रहा है। बंदरगाहों को जोड़ने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 3,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग भी बनाए जा रहे हैं। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार के प्रयास भी आकार ले रहे हैं। 22,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई बौद्ध सर्किट परियोजना ने दक्षिण एशिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन, सिंगापुर और जापान से भगवान बुद्ध की जन्मस्थली आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके साथ ही, चार धाम स्थलों - बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री - पर जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या तीन गुनी हो गई है। केदारनाथ को जोड ? के लिए 12,000 करोड़ रुपये की लागत से रोपवे का निर्माण किया जा रहा है। कैलाश मानसरोवर को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से जोड़ने वाली सड़क का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। भारत में, खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में, 'उड़ने वाली बसोंइ का सपना साकार होने की कगार पर है। इसमें हवा में उड ? वाली बसें, फ्लैश-चार्जिंग इलेक्ट्रिक बसें और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए उड ? वाली डबल-डेकर बसें शामिल हैं। दिल्ली के धौला कुआं से मानेसर तक स्काईवे सिस्टम पर आधारित उड ? वाली बस सेवा लगभग अपने अंतिम चरण में है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह प्रयोग इस विशेष मार्ग पर यातायात जाम की स्थाणयी समस्यू को हल करने में महत्वपूर्ण होगा। नागपुर में जल्द ही पहली फ्लैश-चार्जिंग इलेक्ट्रिक बस लॉन्च की जाएगी। इसमें 135 सीटें, एग्जीक्यूटिव क्लास, सामने टीवी स्क्रीन और एयर होस्टेस जैसी बस होस्टेस होंगी। इस बस की अधिकतम गति 120 किमी/घंटा होगी और यह अपनी यात्रा को दोबारा शुरू करने से पहले पूरी तरह चार्ज होने के लिए हर 40 किमी पर सिर्फ 30 सेकंड के लिए रुकेगी।

ऐसा काम केवल दफ्तर में बैठकर डीपीआर तैयार करने से नहीं हो सकता - इसके लिए जी-जान से प्रयास करने की जरूरत होती है!

सड़क निर्माण पर आईआईएम-बैंगलोर द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) निर्माण पर खर्च किए गए प्रत्येपक1 रुपये से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 3.21 रुपये की वृद्धि हुई है, जो 3.2 गुना का गुणक प्रभाव है। नतीजतन, घरेलू उत्पादन में 9 प्रतिशत और कार की बिक्री में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किए गए काम ने न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है, बल्कि रोजगार के कई अवसरों का भी सृजन किया है ।

कुछ ध्यान देने योग्य आँकड़ेः 2014 में, भारत में केवल 91,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे। 2024 तक, यह नेटवर्क लगभग 60 प्रतिशत बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर हो गया है। सड़क निर्माण की दैनिक गति 12 किलोमीटर/दिन से बढ़कर 28-30 किलोमीटर/दिन हो गई है। 5.35 लाख करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत, आर्थिक गलियारों, अंतर्राष्ट्रीय सीमा सड़कों और सीमा क्षेत्र कनेक्टिविटी सहित 65,000 किलोमीटर सड़कें बनाने का लक्ष्य है। यह योजना भारत की लॉजिस्टिक्से की लागत में और कमी लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

'गति शक्तिइ और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पहल सड़क, रेलवे, वायु, जलमार्ग और बंदरगाहों को एकल डिजिटल प्लेटफॉर्म में एकीकृत करती है, जिससे समय पर परियोजना पूर्ण होना सुनिश्चित होने में मदद मिली है। हमारे मंत्रालय ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से भी सड़क विकास परियोजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया है, जिसने महत्वपूर्ण निजी निवेश आकर्षित किया है। इस मॉडल के तहत, 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाएँ शुरू की गई हैं।

2014 में शुरू हुआ ये सफर केवल सड़कों का नहीं है; बल्कि एक तरह से ये भारत की प्रगति की जीवन रेखा बन गया है। राजमार्ग नेटवर्क के विस्तार ने न केवल यात्रा को आसान बनाया है, बल्कि घरेलू व्यापार, उद्योग, पर्यटन और सुरक्षा को भी बढ़ावा दिया है।

पहले दिन से ही हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने का अथक प्रयास कर रही है कि समावेशी विकास समाज की अंतिम कतार में खड़े हर व्यक्ति तक पहुंचे। हम इस लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त करने के लिए आने वाले वर्षों में इस काम को और भी तेज गति से करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अब हमारे पास विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और 2047 तक अपने राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को अमेरिका से भी बेहतर बनाने का एक स्पष्ट विजन मौजूद है, ताकि भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन सके। अमेरिका के पास अच्छी सड़कें इसलिए नहीं हैं क्योंकि वह अमीर है; अमेरिका अमीर इसलिए है, क्योंकि उसके पास अच्छी सड़कें हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी का यह कथन, जो दिल्ली में परिवहन भवन में मेरे कार्यालय में और इससे पहले महाराष्ट्र में जब मैं मंत्री था, तो वहां लगा हुआ था, यह संयोगवश नहीं है। मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से यह हमारा मार्गदर्शक मंत्र रहा है।

हम भविष्य में इस काम को और भी तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आने वाले वर्षों में, भारत का सड़क से संबंधित बुनियादी ढांचा अमेरिका से भी बेहतर होगा - यह कोई सपना नहीं, बल्कि हकीकत है, जो आकार ले रही है। गुणवत्ता, गति, पारदर्शिता और पर्यावरण के अनुकूल नीतियों का संतुलन बनाए रखते हुए भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलेगी।

(लेखक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री हैं)

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराना, क्रिकेट के लिए शुभ संकेत

अजय दीक्षित

शनिवार को टेस्ट चैंपियनशिप के निर्णायक मैच में लॉर्ड के ऐतिहासिक मैदान पर चौथे दिन साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता है और यह 27 वर्ष के इंतजार के बाद साउथ अफ्रीका जीता है।एक तरह से देखा जाय तो यह क्रिकेट खेल की जीत है। साउथ अफ्रीका टीम कई बार एक दिवसीय विश्व कप में कभी फाइनल में तो कभी सेमीफाइनल में हार कर बाहर हो गई।

ऐसा 1999,2003,2007, में हुआ।उस टीम में एलन डॉनल्ड, हडसन,गिब्स, जोंटी रोड्स, शॉन पोलॉक, गैरी क्रिस्टन, ग्रीन स्मिथ, और महान ऑलराउंडर जैक कैलिस, ए बी डिविलियर्स थे लेकिन भाग्य साथ नहीं देता था।अबकी बार टेस्ट मैच चैंपियन शिप में डुब्मा की टीम ने प्रतिष्ठित टूनार्मेंट जीता है।

साउथ अफ्रीका की क्रिकेट 19वीं सदी से क्रिकेट खेल रही है और विश्व में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड के समकक्ष माना जाता है।

20 वी सदी में साउथ अफ्रीका में जोहानिसबर्ग, डरबन,

न्यूलैंड, सरीखे मैदान बने ।ये क्रिकेट ग्राउंड, लॉर्ड, लीड्स, बर्मिंघम, जॉर्जटाउन, पोर्ट ऑफ स्पेन, मेलबर्न,सिडनी, ऑकलैंड, वेलिंगटन, ब्रिस्बेन, पर्थ, कोलकाता,मुंबई का बनखेड़े, चिन्नास्वामी,आदि जैसे ही है ।जिन देशों में इंग्लैंड ने उपनिवेश बनाया वही वही क्रिकेट खेल का विकाश हुआ ।जैसे भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, वेस्ट इंडीज, जिम्बाम्बे,आदि ।भारत में क्रिकेट कुछ इस प्रकार रमा कि पूरी पीढ़ी,युवा, बुजुर्ग क्रिकेट के दीवाने हो गए।भारत में दिल्ली का फिरोजाबाद कोटला मैदान, कानपुर का ग्रीन पार्क, अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम, हैदराबाद का राजीव गांधी, रांची, गोहाटी, धर्मशाला, सूरत, राजकोट, तिरुअनंतपुरम, विशाखापत्तनम,कटक, भुवनेश्वर,में सहित कुल 22 टेस्ट और एकदिवसीय मैचों के मैदान हैं।

साउथ अफ्रीका में रंगभेद नीति के कारण क्रिकेट से 1961 में अलग किया गया था और 1991में जोड़ा गया। साउथ अफ्रीकी टीम में कैपलर वेसल्स,ग्रीम पोलॉक, माइक प्राक्टर

नामक खिलाड़ी इस दौरान टेस्ट ही नहीं खेल पाए क्योंकि टीम प्रतिबंधित थी। टेस्ट चैंपियनशिप का फॉर्मेट ऐसा है कि उसका साइकिल दो साल में पूरा होता है यह तीसरा डब्ल्यूटीसी था।पहला डब्ल्यूटीसी ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर जीता था और दूसरा न्यूजीलैंड ने भी भारत को हराकर जीता था।

भारत का क्रिकेट में उदय 1983 में विश्व कप जीतने के बाद हुआ हालांकि भारत टेस्ट मैच खेल रहा है 1944 से ।

लेकिन अब इंडिया क्रिकेट का सुपर पावर है। ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, आदि भारत के साथ खेलना इस लिए सबसे अच्छा मानते क्योंकि उस देश को टीवी प्रसारण से सबसे अधिक पैसा मिलता है क्योंकि तब टीआरपी बहुत अधिक होती है। आईसीसी को सबसे अधिक धन भारत ही उपलब्ध करता है।

डब्ल्यूटीसी में जीत हासिल करने के बाद साउथ अफ्रीकी टीम का मनोबल ऊंचा होगा और उनसे चोकर्स का टैग कुछ हद तक हट जाएगा। बुमा की टीम की जीत में मकरान और कासिगो रवांडा ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। मार्करन को मन ऑफ द मैच घोषित किया गया। ऑस्ट्रेलिया इस जीत प्रबल दावेदार था लेकिन दूसरी पारी में अधिक स्कोर नहीं बना सका ।इस जीत से वेस्ट इंडीज, जिम्बाम्बे, श्रीलंका, पाकिस्तान क्रिकेट को भी बल मिलेगा क्योंकि इन देशों क्रिकेट मरी हुई है।

नई चोट, नए जख्म

इक्विटी बाजार में गिरावट से घरेलू आय और उपभोग में भी गिरावट आ सकती है, जिसका असर आर्थिक विकास पर पड़ेगा। स्पष्टतः यह निवेशक आधार के अधिक व्यापक होने की कीमत है। इससे भारत का आर्थिक दुश्चक्र और संगीन हो रहा है।

अमेरिका के टैरिफ वॉर से पहले से ही कमजोर भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था पर नए जख्म लग रहे हैं। इसकी एक मिसाल औषधि उद्योग है, जहां अनेक दवा कारखानों के बंद होने का अंदेशा गहरा गया है।

रुबिक्स डेटा एजेंसी के आकलन के मुताबिक अमेरिका में ऊंची शुल्क दर से यहां उत्पादन लागत बढ़ जाएगी, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय दवाइयां मुकाबले में पिछड़ने लगेंगी।

इसकी सबसे तीखी मार जेनेरिक फॉर्मूलेशन, एक्टिव फॉर्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंटेस, और कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च, डेवपमेंट एंड मैनुफैक्चरिंग संगठन पर पड ? की आशंका है। इस बीच टैरिफ वॉर से शेयर बाजार में उथल-पुथल बढ़ी है। वैसे ही विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजारों से पैसा निकाल रहे थे, लेकिन ट्रंप काल में ये रफ्तार और तेज हो गई है। सितंबर के बाद से ये निवेशक 27 बिलियन डॉलर से अधिक रकम निकाल चुके हैं। ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के आंकड़ों के मुताबिक 2008 की वैश्विक मंदी के बाद से भारतीय बाजार में यह एफआईआई की सबसे बड़ी बिकवाली है। इसका सीधा असर मध्य वर्गीय परिवारों में महसूस किया जा रहा है। कोरोना काल के बाद शेयर बाजारों में आई उछाल ने करोड़ों लोगों को वित्तीय संपत्तियों में निवेश के लिए प्रेरित किया। दस करोड़ से अधिक नए निवेशकों ने शेयर बाजार में प्रवेश किया। अपनी बचत- और कुछ लोगों ने तो कर्ज तक लेकर इस कारोबार में पैसा लगाया। शेयरों की बढ़ती कीमत ने उनमें समृद्धि की नई आस जगाई थी। लेकिन अब अचानक इस पर तुषारापात हुआ है। लोगों की बनी रकम हवा में गायब हो रही है। अब तक बाजार से लगभग एक लाख करोड़ रुपये हवा हो गए हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एक विशेषज्ञ ने आगाह किया है कि इक्विटी बाजार में गिरावट से घरेलू आय और उपभोग में भी गिरावट आ सकती है, जिसका असर आर्थिक विकास पर पड़ेगा। स्पष्टतः यह निवेशक आधार के अधिक व्यापक होने की कीमत है। तो कुल मिला कर भारत का आर्थिक दुश्चक्र संगीन हो रहा है। वित्तीय संपत्तियों में उछाल जमीनी अर्थव्यवस्था का प्रतिबिंब तो नहीं थी, मगर उसमें गिरावट से वास्तिवक अर्थव्यवस्था पर भी ग्रहण अधिक अंधकारमय होता दिख रहा है

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1356

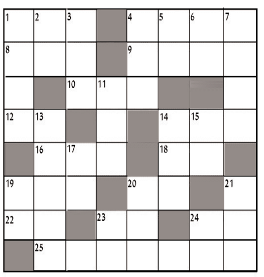

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1923 को जन्में बॉलीवुड के एक महान पार्श्व गायक (3)
4. महात्मा गांधी ने केवल एक बार कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन की 1924 में यहां अध्यक्षता की (4)
8. अफसोस, रंग, पश्चाताप (3)
9. अटकल, आंकलन (4)
10. गेरूआ, केसरिया (3)
12. फतह, विजय (2)
14. अमानत में खयानत (3)
16. पास, निकट, नजदीक (3)
18. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
19. बांस की चटाई (3)
20. वेश, परिधान, नाट्य वेश, प्रोत (2)
22. भाग्यशाली को अंग्रेजी में यह कहते हे (2)
23. अनलंकृत, फैशनहीन, सामान्य (2)
24. धब्बा (2)
25. लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष जो मध्यप्रदेश के राज्यपाल भी रह चुके है (5)

ऊपर से नीचे

1. सन 1960 से 1980 तक की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक (4)
2. कदरी, भगवान के भोग के निमित्त लगने वाले फलों में से एक (2)
3. कीटों का प्रकार, परवाना, पतंगा (3)
4. यह मध्यप्रदेश में बहने वाली एक नदी है (3)
5. सौ हजार की संख्या (2)
6. गमनशील, प्रस्थानशील, सृत्वर (2)
7. मनुहार, मन्नत, मनौति, खुशामद (4)
11. निर्धन, कंगाल, जिसके पास धन न हो (3)
13. ईश्वर या खुदा को यह भी कहते है (5)
14. दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी-पूर्वी तट पर स्थित देश जिसकी राजधानी जॉर्जटाउन है (3)
15. एक प्रकार विस्फोटक पदार्थ का बना गोला (2)
17. एक दिवंगत चरित्र अभिनेत्री (2)
19. समूह, गुट, फूल की पंखुडी (2)
20. एक प्रकार की शुष्क मेवा (3)
21. घर्षण, घिसघिसाहट (3)
23. अभाजित, कुल, तमाम, अविभक्त (2)
24. अंगून, किशमिश, द्राक्षा (2)

वर्ग पहेली 1355 का हल

अ	मे	रि	का		ब	हु	त
ति	ल	क	मो	द	द		मी
थि		मं		ती	रं	दा	ज
	सं	डे		ला	ग	त	
क		श	की	ल		व्य	स्त
म	हा	न		ने	क		न
ब	ल		राह	ह		म	हा
ख्त		आ	ब	रू		स्त	र

एकदा

एक और जज्बाती मुद्दा

स्टालिन की पहल के साथ लेफ्ट शासित केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक एवं तेलंगाना, आम आदमी पार्टी शासित पंजाब, और उड़ीसा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल भी जुड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल की टीएमसी भी कई मुद्दों पर उनके साथ है। भाषा, परिसीमन, और नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत राज्यों की स्वायत्तता के कथित हनन की शिकायत को जोड़ कर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन केंद्र के खिलाफ विपक्षी लामबंदी करने में सफल होते दिख रहे हैं। मकसद बेशक अगले चुनावों के मद्देनजर सियासी गोलबंदी है, फिर भी भाषा जैसे जज्बाती प्रश्नों में छिपी शक्ति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। धर्म और जाति केंद्रित गोलबंदी की राजनीति ने देश को पहले ही भटका रखा है। अब भाषा और प्रादेशिक पहचान के मुद्दों पर बढ़ रहे तनाव से एक और गंभीर चुनौती खड़ी होती दिख रही है। स्टालिन की पहल के साथ लेफ्ट शासित केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक एवं तेलंगाना, आम आदमी पार्टी शासित पंजाब, और उड़ीसा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल भी जुड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस भी कई मुद्दों पर उनके साथ है। 22 मार्च को चेन्नई में आयोजित विपक्षी बैठक में इस लामबंदी का अगला एजेंडा जाहिर होगा। बहरहाल, यह साफ है कि केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता के केंद्रीकरण एवं अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने का जो उत्साह दिखाया है

उस पर कई सियासी हलकों में विपरीत प्रतिक्रिया उभर रही है। इसलिए यह सही वक्त है,

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

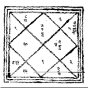

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21 .44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे। आज आपकी रुचि अध्यात्म में रहेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से कोई सलाह मिलेगी। आज किसी पुराने मित्र से- मुलाकात, आपको खुशी देगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएंगी। आपका मिलनसार व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किए जा सकते हैं। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है । आज करीबी दोस्त या रिश्तेदार किसी काम में आपका सहयोग करेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भी भावनाओं का ख्याल रखेंगे। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना अच्छा रहेगा। प्रोफेशनल कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव हो सकता है। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा। लोगों के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा,

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि ना ले। आज किसी भी प्रकार का अनुचित कार्य आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

मकर राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। सही रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कंफ्यूजन की स्थिति खत्म होगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा।

डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स

कई लोग पैसे के कारण दूसरे शहर में जाकर पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। हालांकि अगर आपको पढ़ने की चाह है तो आपको कोई रोक नहीं सकता। जी हां, अगर आप अपनी शिक्षा को बेहतर बनाना चाहते हैं और कम फीस में स्किल्स सीखना चाहते हैं, तो जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के डिस्टेंस मोड के शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। इसे आप आसानी से कर सकते हैं।

डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्सेज

जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी मे केवल रेगुलर डिग्री कोर्सेज ही नहीं बल्कि डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स करने का भी मौका दे रहा है। ये कोर्स करने के बाद आप आसानी से काफी कुछ सीख सकते हैं। इन कोर्स की फीस भी बहुत कम होती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को काफी ज्यादा मदद मिल जाती है।

- डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स
- बैचलर ऑफ आर्ट्स
- बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ कॉमर्स
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इन एजुकेशन
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इंग्लिश
- मास्टर ऑफ आर्ट्स ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिस्ट्री
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिंदी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स ज्योग्राफी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स पॉलिटिकल साइंस
- मास्टर ऑफ आर्ट्स उर्दू
- मास्टर ऑफ आर्ट्स सोशियोलॉजी
- मास्टर ऑफ कॉमर्स

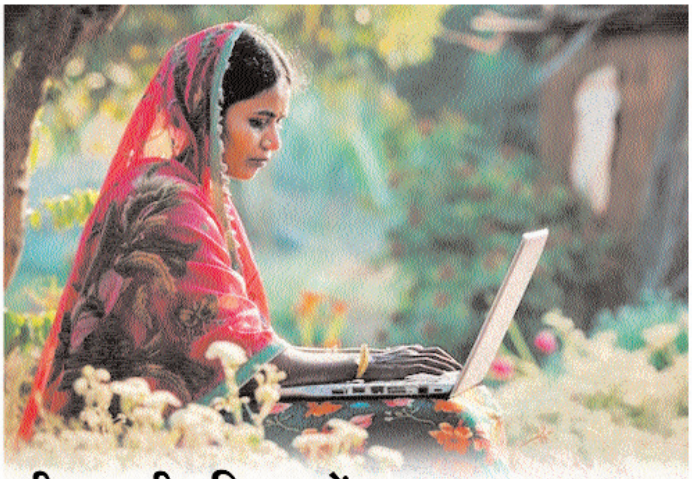

बीमा सखी महिला एजेंट योजना के लिए क्या हैं जरूरी दस्तावेज और योग्यता?

कैसे बना सकते हैं इसमें करियर

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट के लिए आवेदन करना चाहती हैं, तो बता दें कि इसके लिए महिलाओं की उम्र 18 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही 10वीं कक्षा पास होना चाहिए।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं और स्कीम निकाली जाती है। इसी में से एक है बीमा सखी महिला योजना। बता दें, कि एलआईसी के अंतर्गत बीमा सखी योजना के तहत 18 साल से अधिक आयु की महिलाओं को सुनहरा भविष्य बनाने का मौका मिल रहा है। हालांकि इसके लिए इच्छुक महिलाओं का 10वीं पास होना जरूरी है। आवेदन करने के बाद इन्हें स्पेशल ट्रेनिंग मुहैया कराई जाएगी। साथ ही 3 साल तक एलआईसी के द्वारा एक निश्चित मानदेय भी दिया जाएगा। अगर आप भी बीमा सखी महिला योजना मे एजेंट बनना चाहती है, तो इस लेख में आज हम आपको बताने जा रहे है, एजेंट बनने के लिए आवेदक के पास कौन सी योग्यता होनी चाहिए।

बीमा सखी महिला एजेंट को कितना मिलेगा वेतन भत्ता?

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनकर अपना करियर बना सकती हैं। इस योजना के लिए महिलाओं की उम्र 18 साल से 70 साल होनी चाहिए। इस पद के लिए आवेदन करने वाली युवतियों के पास 10वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है, जिन्हें विकास अधिकारी द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा इस योजना से जुड़ी महिलाओं को हर महीने एलआईसी द्वारा 7 हजार रुपये दिए जाएंगे। बता दें कि यह वेतन भत्ता 3 साल तक दिया जाएगा। पहले वर्ष 7 हजार, दूसरे साल 6 और तीसरे वर्ष 5 हजार रुपये महीना सैलरी दी जाएगी।

काम के साथ मिलेगा कमीशन

इस योजना के तहत जुड़ने वाली महिलाओं को अपने किए गए कार्य के हिसाब से कमीशन भी मिलेगा। बीमा सखी महिला एजेंट को पहले साल में 24 लोगों का बीमा करवाना होगा। इस पर उन्हें कम से कम 40-50 हजार रुपये साल की कमीशन मिल सकता है। वहीं बात करें दूसरे साल की तो इस वर्ष पहले साल का 65 प्रतिशत पॉलिसी करने पर कमीशन दिया जाएगा। यही क्रम तीसरे साल भी लागू रहेगा।

जरूरी दस्तावेज

- आधार कार्ड
- पैन कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटो
- निवास प्रमाण जैसे- राशन कार्ड, बिजली बिल या पानी का बिल।
- शैक्षिक प्रमाणपत्र कम से कम 10वीं कक्षा तक की शिक्षा।
- बैंक खाता विवरण
- स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

कैसे बना सकते हैं करियर?

- LIC की तरफ से बीमा सखी को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें उन्हें बीमा उत्पादों, बिक्री रणनीतियों, ग्राहक से बात करने, और डॉक्यूमेंट की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाती है।
- बीमा सखी के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए LIC से आवेदन करना होगा।
- एजेंट बनने के बाद, आपको विभिन्न बीमा स्कीम को ग्राहकों को समझाना होगा।

विदेश में रहते हैं तो इन तरीकों से बढ़ाएं अपने कम्युनिकेशन स्किल्स

विदेश जाने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है कम्युनिकेशन की। किसी और देश के कल्चर के हिसाब से भाषा सीखना थोड़ा पेचीदा हो सकता है।

अधिकतर भारतीयों को इंग्लिश बचपन से ही सिखाई जाती है, लेकिन अगर इसे आप यूके या फिर अमेरिका में बोलेंगे, तो भी कम्युनिकेशन गैप आएगा ही। किसी नए देश में जाकर ठीक से कम्युनिकेट करने में बहुत ज्यादा दिक्कत होती है। यह समझने में समय लगता है कि किसी अन्य देश में आप सही कम्युनिकेशन कैसे करें। अगर यूरोप, थाईलैंड जैसे किसी देश में गए हैं, तो वहां की भाषा सीखने और सही कम्युनिकेट करने मे समय लगता है।

बोलने से ज्यादा सुनने की कोशिश करें

कम्युनिकेशन स्किल बेहतर बनाने के लिए आपको पहले एक अच्छा लिसनर बनना होगा। लोगों को यह अच्छा लगता है कि उन्हें सुना जाए। ऐसे में आप किसी और देश में हैं, तो लोगों के हाव-भाव को समझें और उनकी बातों को सुनने की कोशिश करें। खुद से ही उनके सवालों के जवाब ढूंढने की जगह पहले उन्हें ठीक से सवाल पूछने दें। कई बार हम एंग्जाइटी में ही बोल जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना है। जब भी आप किसी से फोन पर बात कर रहे हैं, तो टेक्स्ट मैसेज का जवाब देना, ईमेल करना आदि बहुत खराब होता है। ऐसे में आपके कम्युनिकेशन स्किल कभी बेहतर नहीं हो पाएंगे। विदेशों में इस तरह की चीज को असभ्य माना जाता है।

सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करें

कई बार हम अगर किसी अन्य नेशनालिटी के व्यक्ति से बात करते हैं, तो हम बहुत ही कॉन्शियस हो जाते हैं। यह कई बार अशिष्ट लगता है। कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर बनाने का यह एक बहुत सही तरीका है कि आप अपने व्यवहार को बेहतर बनाएं।

बॉडी लैंग्वेज ऑफेंसिव ना रखें

कई बार हम किसी वेटर या फिर किसी सब्जी बेचने वाले से भारत में बहुत रूड तरह से बात करते हैं। बाहरी देशों में प्लंबर, कारपेंटर, वेजिटेबल वेंडर, वेटर और ऐसे सभी काम स्किल्ड लेबर में आते हैं। चाहे भारत हो या कहीं और आपको हर काम की इज्जत करनी चाहिए और अपने व्यवहार और बॉडी लैंग्वेज को ऑफेंसिव नहीं रखना चाहिए।

धीमे बोलें, लेकिन फैक्ट्स का ध्यान रखें

कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर बनाने के लिए फैक्ट्स का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। आपको ध्यान से बोलना होगा और सही बोलना होगा। हम कई बार अपनी तारीफ के चक्कर में कुछ एक्स्ट्रा ही बोल जाते हैं। ऐसा नहीं करना है। ऐसा करने से आपके साथ समस्या बढ़ेगी।

पॉजिटिव बोलें और स्माइल का ध्यान रखें

अगर आपको किसी को इम्प्रेस करना है, तो स्माइल से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता है। ऐसे में आप हमेशा पॉजिटिव रहें और स्माइल करते रहें। गर्मजोशी से हाथ मिलाएं और फिर आगे बढ़ें। कई बार फर्स्ट इम्प्रेशन ही इससे बहुत अच्छा पड़ता है।

ज्यादा लंबे टेक्स्ट या ईमेल ना करें

हिंदुस्तान में कॉर्पोरेट ईमेल्स भी बहुत लंबे होते हैं पर यह सही तरीका नहीं है। मेल पर सिर्फ प्वाइंटर आदि होने चाहिए और बाकी चीजों के लिए कॉल या फेस टू फेस कंवर्जेशन ज्यादा बेहतर है। कई बार हम इसे अवॉइड करने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं है। इससे यह दिखता है कि आप एक अच्छे स्पीकर या लिसनर नहीं हैं।

लिखने से पहले पढ़ जरूर लें

कम्युनिकेशन का एक अहम नियम है। आप कुछ भी गलत ना बोलें ना ही लिखें। आप कोई मेल या टेक्स्ट कर रहे हैं, तो उसे ठीक से पढ़ लें। अगर टेक्स्ट या ईमेल में कोई गलती जाती है, तो लोगों पर आपका इम्प्रेशन सही नहीं पड़ेगा। लिखने के बाद पढ़ने की आदत आपको एम्बैरेस्मेंट से बचा सकती है।

इन स्किल्स की बदौलत स्कूल स्टूडेंट्स कर सकते हैं अपने सक्सेसफुल करियर की शुरुआत

सक्सेसफुल करियर की चाह सभी रखते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उनके करियर की शुरुआत करने से पहले ही उन्हें कुछ खास स्किल्स सिखाएं। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आप उन्हें करियर की शुरुआत में क्या-क्या सिखा सकती हैं, ताकि आगे जाकर उन्हें किसी भी तरह की दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का चलन काफी ज्यादा चल रहा है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चों को ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के बारे में बताना चाहिए। आने वाले समय मे ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल काफी बढ़ने वाला है। यह उनके फ्यूचर के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

ट्रेडिंग

शेयर मार्केट और ट्रेडिंग के क्षेत्र में भी काफी अवसर हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने बच्चों को इसके बारे में भी बता सकती हैं। आजकल लोग ट्रेडिंग करके हर महीने करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। ऐसे में आपको अपने बच्चों को शुरू से ही ट्रेडिंग की जानकारी देनी चाहिए। ऐसे में अगर आपके बच्चे को इस क्षेत्र में रुचि होगी, तो उन्हें इसका काफी फायदा होने वाला है।

डिजिटल स्किल्स

डिजिटल स्किल्सजैसी कि कोडिंग वगैरह के बारे में बच्चों को जरूर सिखाना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों का फ्यूचर सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उन्हें डिजिटल इकोसिस्टम से जुड़ी सारी चीजें जरूर बताएं। अगर जरूरी हो, तो उन्हें डिजिटल स्किल्स से जुड़ी चीजों को सीखने के लिए कोचिंग भी करवा सकती हैं।

पत्रकारिता पर अंकुश लगाने वाला आदेश लोकतंत्र के लिए खतरा: अस्पतालों की रिपोर्टिंग पर राज्य सरकार का प्रतिबंध निंदनीय

कोरिया बैकुंठपुर। प्रदेश की सरकार द्वारा अस्पतालों में होने वाली गतिविधियों एवं स्वास्थ्य सेवाओं की रिपोर्टिंग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश न केवल पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है, बल्कि यह स्वस्थ लोकतंत्र की मूल भावना के भी विपरीत है। राज्य शासन के हालिया आदेश में मीडिया प्रतिनिधियों को अस्पताल परिसर में रिपोर्टिंग करने से रोका गया है, जिससे यह स्पष्ट संदेश जा रहा है कि सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था की सच्चाई जनता तक पहुंचने नहीं देना चाहती। स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। पत्रकार लंबे समय से अस्पतालों की दुर्दशा, चिकित्सकों की कमी, दवाइयों के अभाव और मरीजों को होने वाली परेशानियों को उजागर करते आ रहे हैं। मीडिया के माध्यम से ही आम जनता को पता चलता है कि सरकारी योजनाएं और स्वास्थ्य सुविधाएं जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी हैं। ऐसे में इस प्रकार का प्रतिबंध लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन प्रतीत होता है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का मूल उद्देश्य है योजनाओं का संतृप्तीकरण- कलेक्टर

विभागों को धरती आबा शिविर पश्चात प्रतिदिन पोर्टल में प्रगति के आंकड़े आनलाइन दर्ज करने के निर्देश
समय सीमा बैठक मे कलेक्टर ने वृक्षारोपण और जल संरक्षण अभियान की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन के सभा कक्ष में समय सीमा की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने भारत सरकार द्वारा जनजातीय बहुल ग्राम पंचायतों मेंयोजनाओं के संतृप्तीकरण का उद्देश्य लेकर आरंभ किए गए धरती आबा अभियान की विशेष तौर पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। विदित हो कि धरती आबा अभियान के तहत जिले भर में प्रतिदिन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न विभागों के समन्वय से जनहित में चलाई जा रही २५ योजनाओं के अंतर्गत जिले में हितग्राहियों के संतृप्तीकरण की अवस्था में आने हेतु प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत विभागीय योजनाओं में हितग्राही के पंजीयन की प्रगति को लेकर बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर ने एक-एक कर सभी विभागीय योजनाओं के तहत हितग्राही पंजीयन की प्रगति पर जानकारी प्राप्त करते हुए आनलाइन पोर्टल पर इंट्री ना किए जाने को लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होने कहा कि सभी विभागीय प्रमुख यह सुनिश्चित करें कि धरती आबा के तहत आयोजित हो रहे शिविरों में उनके विभागीय अधिकारी उपस्थित हों और जिन हितग्राहियों का चिन्हाकन शेष रह गया है उसे उसी ग्राम पंचायत के शिविर में ही पंजीकृत कराएं। श्रम विभाग के पंजीयन कार्य की सराहना करते हुए उन्होने कहा कि शिविर में उपस्थिति के साथ ही योजनाओं से जुड़ने वाले हितग्राहियों के आंकड़े उसी दिन शाम तक आनलाइन पोर्टल पर अनिवार्य तौर पर दर्ज करा लें। उन्होने प्रतिदिन इस कार्य में प्रगति की रिपोर्ट देने के भी निर्देश दिए। जनसहभागिता को बढ़ाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार किए जाने पर बल देते हुए कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों में लगातार मुनादी कराएं। दीवार लेखन और पोस्टर आदि से प्रचार के अलावा जनसहभागिता से होने वाले प्रचार माध्यमों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। उन्होने गावों में रैली आयोजित करने, मुख्य चौराहों पर महिलाओं से रंगोली बनवाने जैसे जनभागीदारी वाले कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने के निर्देश दिए। विभागीय समन्वय पर बल देते हुए उन्होने कहा कि प्रचार के लिए वाहनों का उपयोग करते हुए उस वाहन को बेहतर तरीके से सभी योजनाओं के संयुक्त प्रचार वाहन की तरह सजाकर गांवों में घुमाएं जिससे ज्यादा से ज्यादा आम जन इस अभियान के प्रति जागरूक हो सकें। कलेक्टर ने हाट बाजारों में व्यापक प्रचार कराने तथा आवश्यकतानुसार गांव गांव में सर्वे कराए जाने के निर्देश भी दिए। जल संरक्षण अभियान के लिए उन्होने प्रत्येक ग्राम पंचायतों में निरंतर जनभागीदारी से छोटे छोटे कार्य निरंतर कराए जाने के लिए ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

धरती आबा अभियान में परिणाममूलक कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक शिविर को पूरी गंभीरता से लेते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रयास करें। इसके बाद उन्होने जिले में वृक्षारोपण अभियान की प्रगति पर समीक्षा करते हुए कहा कि सभी विभाग प्रमुख तीन दिवस में लक्ष्य के अनुसार आनलाइन इंट्री दर्ज कराते हुए पौधे लगाने का कार्य आरंभ कराएं। उन्होने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने केंपस में पौधों के रोपण के साथ उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा। जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों और विभागीय कार्यालयों के परिसर में पौधें लगाए जाने के निर्देश देते हुए उन्होने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण की दृष्टि से मुनगा और पपीते के पौधे जरूर लगाए जाएं। विद्यालयों के खुलने के साथ ही बच्चों के जाति प्रमाण पत्र कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए उन्होने कहा कि धरती आबा शिविरों के साथ शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग समन्वय स्थापित करें ताकि बच्चों को विद्यालय में ही और छोटे बच्चों को आंगनबाड़ी में ही प्रमाण पत्र प्रदान किए जा सकें। विभागीय अधिकारियों को अपने भ्रमण के दौरान आंगनबाड़ी, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्रो की जांच अवश्य करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि आपके नियमित भ्रमण से मैदानी अमले की सक्रियता बनी रहती है और लापरवाही पर त्वरित नियंत्रण किया जा सकेगा। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर कोरिया ने जनदर्शन, सीएम पोर्टल सहित अन्य आनलाइन आवेदन पत्रों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों में लंबित आवेदनों के निराकरण की विभागवार समीक्षा कर निराकरण के आवश्यक निर्देश प्रदान किए। साथ ही उन्होने राजस्व मामलों के निपटारे, पीएम सूर्यघर योजना की प्रगति, ग्राम पंचायतों की बकाया राशि वसूली प्रकरणों के निराकरण की स्थिति, वनभूमि के चिन्हाकन कार्य की प्रगति पर भी समीक्षा कर दिशा निर्देश प्रदान किए।

न्यूज गैलरी

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

कोरिया पांडवपारा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ सम्बद्ध बी एम एस झिलमिली बैकुंठ पुर क्षेत्र के कार्यालय में सेवानिवृत्त कर्मचारी सूरजन को सम्मानित किया गया पंडोपारा कालरी मे ओवर मैंन के पद में कार्यरत सुदामा जिनका पदोन्नति अधिकारी वर्ग श्व२ में हुया श्रम संगठन की तरफ सुदामा को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय जे सी सी बैकुंठपूर क्षेत्र. लक्ष्मी प्रसाद उपस्थित रहे झिलमिली उप क्षेत्र जे सी सी बी एल गुप्ता राजकुमार सिह क्षेत्रीय सुरक्षा समिति सदस्य आर के मंडल अन्य प्रमुख कार्यकर्ता संतोष कुमार सक्सेना वीरेंद्र सिंह ललित अघनु केदार नाथ मधु ,महेश, लरंगु राम, रामा पांडे उपस्थित रहे इस अवसर में लक्ष्मी प्रसाद जी ने कहा कि सुदामा एवं सुरजन आप दोनों का स्वास्थ्य एवं समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं द्य सपरिवार कुशल रहे, उत्तरोत्तर विकास करे द्य कार्यक्रम का संचालन गुप्ता जी किया आभार वीरेंद्र सिंह ने व्यक्त किया।

न्यायाधीश के साथ डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड ने किया उप जेल का निरीक्षण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड द्वारा उप जेल मनेंद्रगढ़ का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जेल में बंद कैदियों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं एवं विधिक सहायता की व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ बंदियों को अभी तक विधिक सहायता उपलब्ध नहीं हो सकी है। इस पर न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसे सभी जरूरतमंद कैदियों को अविलंब विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें न्याय पाने का अधिकार सुनिश्चित किया जा सके। वहीं निरीक्षण में साफ-सफाई, भोजन, चिकित्सा, शिक्षा एवं मनोरंजन जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी जांच की गई। जिला न्यायाधीश ने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि कैदियों को संविधान प्रदत्त सभी मौलिक सुविधाएं सुनिश्चित रूप से दी जाएं। जेल परिसर की व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु भी आवश्यक सुझाव दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, कार्यपालन अभियंता पीडब्ल्यूडी, महाप्रबंधक डीटीआईसी, जिला रोजगार अधिकारी एवं एसडीओ कृषि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के पश्चात अधिकारियों ने जेल प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर सुधारात्मक कार्यों को जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया।

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

कोरिया पांडवपारा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ सम्बद्ध बी एम एस झिलमिली बैकुंठ पुर क्षेत्र के कार्यालय में सेवानिवृत्त कर्मचारी सूरजन को सम्मानित किया गया पंडोपारा कालरी मे ओवर मैंन के पद में कार्यरत सुदामा जिनका पदोन्नति अधिकारी वर्ग श्व२ में हुया श्रम संगठन की तरफ सुदामा को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय जे सी सी बैकुंठपूर क्षेत्र. लक्ष्मी प्रसाद उपस्थित रहे झिलमिली उप क्षेत्र जे सी सी बी एल गुप्ता राजकुमार सिह क्षेत्रीय सुरक्षा समिति सदस्य आर के मंडल अन्य प्रमुख कार्यकर्ता संतोष कुमार सक्सेना वीरेंद्र सिंह ललित अघनु केदार नाथ मधु, महेश, लरंगु राम, रामा पांडे उपस्थित रहे इस अवसर में लक्ष्मी प्रसाद जी ने कहा कि सुदामा एवं सुरजन आप दोनों का स्वास्थ्य एवं समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं.

न्यायालय तहसीलदार मनेन्द्रगढ़, जिला - मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.//अ-6/2024-25

ग्राम/नगर बौरीडांड़ की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विरेन्द्र श्रीवास्तव आ. स्व. शिवशंकर लाल श्रीवास्तव, निवासी ग्राम सब्जी मण्डी रोड मनेन्द्रगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़ एवं निशान्त श्रीवास्तव आ. विरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि ग्राम बौरीडांड़ स्थित भूमि ख.नं. 252/2 एवं 254 रकबा क्रमशः 0.162 एवं 1.4370 हे. कुल 1.5990 हे. का आवेदक एक मात्र भू-स्वामी एवं कब्जेदार है। उपरोक्त भूमि आवेदक की स्व अर्जित संपत्ती है जिसकी उपयोग, उपभोग एवं प्रबंधन का आवेदक एकमात्र अधिकारी है। आवेदक की पत्नी का देहान्त हो गया है एवं आवेदक की पुत्री का विवाह हो गया है वह अपने ससुराल में सुखपूर्वक जीवन व्यतीत कर रही है। आवेदक का पुत्र निशांत श्रीवास्तव है जो वर्तमान में आवेदक के साथ निवास कर रहा है एवं आवेदक की सेवा सुश्रुशा करता है। आवेदक अपनी उपरोक्त वर्णित भूमि ख.नं. 252/2 एवं 254 रकबा क्रमशः 0.162 एवं 1.4370 हे. कुल रकबा 1.5990 हे. को अपने जीवन काल में अपने पुत्र अनावेदक क्रमांक 01 निशांत श्रीवास्तव आ. वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव उम्र 44 वर्ष को प्रदान कर शासकीय अभिलेखों में उसका नाम भू-स्वामी के नाम दर्ज कराना चाहता है। उपरोक्त वर्णित संपत्ती आवेदक की स्व अर्जित संपत्ती है जिसे अपने पुत्र को प्रदान किये जाने पर किसी भी अन्य व्यक्ति का हक प्रभावित नहीं हो रहा है और न ही किसी को आपत्ती करने का अधिकार है। ऐसा आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम बौरीडांड़ स्थित भूमि ख.नं. 252/2 एवं 254 रकबा क्रमशः 0.162 एवं 1.4370 हे. कुल रकबा 1.5990 हे. आवेदक के पुत्र निशांत श्रीवास्तव के नाम पर दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

अतः उक्त नामांतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है, तो दिनांक 30/06/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार
मनेन्द्रगढ़
जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

न.प्र.क्र. - /अ-6/2024-25

//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक आकाश गुप्ता आ. रमाशंकर गुप्ता, जाति गुप्ता, निवासी अभिलाषा, पुराना नगरपालिका के पास, मनेन्द्रगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर नगर मनेन्द्रगढ़ स्थित नजूल प्लाट नंबर 418/2 रकबा 34X20=680 वर्गफुट, प्लाट नंबर 418/3 रकबा 37X20=740 वर्गफुट तथा प्लाट नंबर 419 रकबा 21X28=588 वर्गफुट कुल प्लाट 03 रकबा कुल 2008 वर्गफुट भूमि को आवेदक के नाम से नामान्तरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने पर प्रकरण सुनवाई हेतु इस न्यायालय में संस्थित किया गया है।

उक्तानुसार आवेदित भूमि को आवेदक के नाम से नामान्तरण दर्ज किये जाने पर किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो, वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 07/07/2025 को प्रातः 11.00 बजे तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

जारी दिनांकः- 17/06/2025
स्थानः- मनेन्द्रगढ़

नजूल अधिकारी
मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202506330400006 मामले की श्रेणीः- राजस्व

विषयः- अ-6, सनः- 2024-2025
मनेन्द्रगढ़ प.ह.नं. 00014 (हे.)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - श्री जीतू सिंह
अनावेदक पक्षकार - छ.ग. शासन
जा.क्र./1935/वाचक-4/24-25, दिनांक 16/06/2025

//ईश्तहार//

नगर मनेन्द्रगढ़ की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री जीतू सिंह आ. जवाहर लाल सिंह, निवासी वार्ड नं. 16 मनेन्द्रगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि आवेदक के पंजीकृत बिक्रीनामा के जरिए क्रय की गई भूमि ग्राम वार्ड नं. 07 मनेन्द्रगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़ में स्थित है। जिसका प्लाट नं. 280/1 रकबा 1137.5 वर्गफुट भूमि है। आवेदक उक्त भूमि का नामांतरण अपने हक में करा नजूल अभिलेख दुरूस्त कराना चाहता है। ऐसा आवेदन प्रस्तुत कर वर्णित भूमि का बिक्रीनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त नामांतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा पेश करना है तो दिनांक 20/06/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किसी भी प्रकार का आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 06/06/2025 को जारी किया गया।

लिंगराज सिदार
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म "श्री नरेंद्र कमर्शियल"
डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,

* S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
* सैलरी - योग्यतानुसार
* बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
* स्थानीय युवकों को वरीयता

पता -"श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)
संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

मिनी बस बेकाबू होकर पलटी, 1 महिला की मौत, आधा दर्जन मुसाफिर घायल

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मनेंद्रगढ़ से केल्हारी जा रही मिनी यात्री बस के रास्ते में बेकाबू होकर पलट जाने से जहां 1 महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वहीं बस में सवार 5 महिलाएं सहित 6 यात्री घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेंद्रगढ़ में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़ से केल्हारी चलने वाली मंसूर ट्रेव्हल्स की मिनी यात्री बस क्रमांक सीजी15एबी0284 रोजाना की भांति बुधवार की दोपहर 2 बजे यात्रियों को लेकर केल्हारी के लिए रवाना हुई थी। बस में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। बस को चालक संतोष शर्मा चला रहा था। बस अपरान्ह 3 बजे रास्ते में मुसरा रोड स्थित चकदेही नाला के समीप पहुंची थी, तभी चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया और वह बेकाबू होकर पलट गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हादसे में ग्राम मुसरा निवासी 47 वषीर्या बूटल बाई पति प्रबोधन सिंह की बस के नीचे दबने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं ग्राम बरकेला निवासी 55 वषीर्या रामबाई पति कृपाल, बहेरा टोला निवासी 45 वषीर्या सुंती बाई पति राम प्रसाद, ग्राम डोड़की निवासी 48 वषीर्या निर्जला सिंह पति नंदराम, ग्राम कछौड़ निवासी 60 वषीर्या रामकुमारी पति अजमेर सिंह, ग्राम रांपाखेड़ा मनेंद्रगढ़ निवासी 50 वर्षीय दीनदयाल पिता स्व. भोंदल सहित एक अन्य महिला घायल हो गए। घायलों में महिला निर्जला सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी मनेंद्रगढ़ लाकर भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

मासूम के गले में फंसे सिक्के को डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक निकाला, समय पर उपचार से बची जान

कोरिया बैकुंठपुर - नगर पालिका शिवपुर-चरचा के वार्ड क्रमांक १३ में एक मासूम बच्चे की जान पर उस समय बन आई, जब खेल-खेल में उसके गले में एक सिक्का फंस गया। गला अवरुद्ध होने के कारण बच्चा गंभीर अवस्था में पहुंच गया। लेकिन समय पर की गई चिकित्सकीय कार्रवाई से उसकी जान बच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक १३ निवासी राजेश विश्वकर्मा के ७ वर्षीय पुत्र सार्थक ने अनजाने में खेलते समय एक सिक्का निगल लिया, जो उसके गले में जाकर फंस गया। बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर नगर पालिका उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने तत्काल डॉक्टर को फोन कर सूचना दी कि बच्चे की हालत बेहद नाजुक है और उसे तुरंत चिकित्सा की आवश्यकता है।

सूचना मिलते ही सिविल सर्जन व अधीक्षक डॉ. आयुष जायसवाल के मार्गदर्शन में डॉ. योगेंद्र चौहान एवं उनकी चिकित्सा टीम जिला अस्पताल, बैकुंठपुर लेकर आए बच्चे की तत्काल जांच कर उपचार शुरू किया। टीम की त्वरित कार्रवाई और दक्षता से गले में फंसे सिक्के को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। बच्चे की हालत अब स्थिर है।

इस घटना के बाद जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने अभिभावकों से अपील की है कि वे छोटे बच्चों को सिक्का, पिन, सुई, कांच, छोटी गिट्टी या किसी भी प्रकार की छोटी वस्तुओं से दूर रखें, क्योंकि ये जानलेवा साबित हो सकती हैं। चिकित्सकों ने सलाह देते हुए कहा है कि छोटे बच्चों की निगरानी हमेशा रखें। ऐसी छोटी वस्तुएं बच्चों की पहुंच से दूर रखें। किसी आकस्मिक स्थिति में बिना देरी चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें।

संकल्प से सिद्धि अभियान का किया गया आयोजन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के संकल्प से सिद्धि अभियान के अंतर्गत प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में युवा भाजपा नेता आनंद ताम्रकार ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का संकल्पपूर्वक पालन करें, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा यादव, मंडल अध्यक्ष रोहित वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक जायसवाल, पार्षद नीलू जायसवाल, सुनैना विश्वकर्मा, सुशीला सिंह, शकुंतला जायसवाल, प्रवीन सिंह, सरबजीत यादव, सुधा सोनी, राहुल अग्रवाल, बृजेश जायसवाल, संतोष केशरवानी, झकौडी लाल केशरवानी, मुनिया केंवट, कलावती केंवट सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने संकल्प से सिद्धि विषय पर अपने विचार रखते हुए नागरिकों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। सभी वक्ताओं ने मिलकर यह संकल्प लिया कि विकसित भारत 2047 का सपना संकल्प से सिद्धि के मार्ग से ही साकार होगा। कार्यक्रम का संचालन रामचरित द्विवेदी ने किया।

शिक्षण गुणवत्ता को सुधारने संयुक्त संचालक ने दिए टिप्स, कविता के माध्यम से किया प्रेरित

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नागपुर में 17 जून को विशेष शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें संकुल नागपुर, नागपुर (अ), बरबसपुर एवं बरबसपुर (अ) के समस्त शिक्षक, संस्था प्रमुख, व्याख्याता एवं प्राचार्य शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित रहे संयुक्त संचालक हेमंत कुमार उपाध्याय ने शाला प्रवेश उत्सव सहित भविष्य की शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से कैसे क्रियान्वित किया जाए, इस पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने शिक्षकों से वन-टू-वन विषय आधारित संवाद स्थापित कर न केवल उन्हें प्रेरित किया, बल्कि शिक्षण गुणवत्ता को बेहतर बनाने के ठोस सुझाव भी दिए। वहीं उपाध्याय ने हिंदी विषय के महत्व को रेखांकित करते हुए काग के भाग्य बड़े सजनी, हरि हाथ से ले गयो माखन रोटी जैसी कविता को लयबद्ध रूप में प्रस्तुत कर शिक्षकों को विषय को रोचक तरीके से पढ़ाने की प्रेरणा दी। साथ ही सुखीराम-दुखीराम शीर्षक कविता के माध्यम से शिक्षकों को प्रोत्साहित किया और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर जिले के शिक्षा अधिकारी सहित कुल 131 शिक्षक उपस्थित रहे।

फिल्म 'कन्नप्पा इस महीने 27 तारीख को रिलीज होने जा रही है और इसका ट्रेलर हाल ही में दर्शकों के सामने आया है. यह फिल्म अभिनेता विष्णु मंचू का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसे उनके पिता मोहन बाबू ने प्रोड्यूस किया है. इस ऐतिहासिक और धार्मिक पृष्ठभूमि वाली फिल्म में प्रभास, मोहनलाल, अक्षय कुमार, काजल अग्रवाल और शरत कुमार जैसे बड़े कलाकार भी नजर आने वाले हैं. फिल्म का निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है. फिल्म के ट्रेलर को फैंस बहुत पसंद कर रहे हैं और इस पर तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं.

ट्रेलर में दिखाया गया है कि एक कुंए में एक शिवलिंग (वायु लिंग) है, जिसे कई लोग चुराने की कोशिश करते हैं. लेकिन 'तिन्नाडु यानी विष्णु मंचू, इस वायु लिंग की रक्षा करता है. वह एक खास कड़ा पहनता है,

जिससे लिंग को उसके पास से कोई नहीं ले जा सकता. तिन्नाडु उन लोगों को मार देता है जो लिंग चुराने आते हैं और वह वहां के

टी-20 क्रिकेट: ग्लेन मैक्सवेल ने जड़ा शतक, रोहित शर्मा के बड़े रिकॉर्ड की कर ली बराबरी

नईदिल्ली,18 जून। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2025 के 8वें मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार शतकीय पारी (106) खेली।

उन्होंने लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने टी-20 करियर का 8वां शतक जड़ा। रोहित शर्मा के भी टी-20 क्रिकेट में 8 शतक हैं।

मैक्सवेल अब टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले संयुक्त रूप से 5वें खिलाड़ी बन गए हैं। वाशिंगटन फ्रीडम के 5 बल्लेबाज सिर्फ 92 रन पर पवेलियन लौट गए थे। यहां से मैक्सवेल ने पारी को संभाला और सिर्फ 49 गेंदों का सामना करते हुए 106 रन बनाए। उनके बल्ले से 2 चौके और 13 गगनचुंबी छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 216.33 की रही। उनकी इस धमाकेदार पारी के ही कारण उनकी टीम 20 ओवर में 208/5 का स्कोर बनाने में सफल रही। जवाब में नाइट राइडर्स की टीम सिर्फ 95 रन पर ही ऑलरआउट हो गई।

मैक्सवेल टी-20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से 5वें सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने रोहित शर्मा, माइकल क्लिंगर, आरोन फिंच, डेविड वार्नर और जोस बटलर की बराबरी कर ली है। इन सभी खिलाड़ियों ने भी टी-20 क्रिकेट में 8-8 शतक लगाए हैं।

इस सूची में पहले स्थान पर क्रिस गेल हैं। उन्होंने अपने टी-20 करियर में 22 शतक लगाए हैं।

दूसरे स्थान पर बाबर आजम हैं। उनके बल्ले से 11 शतक निकले हैं।

मैक्सवेल ने पहला टी-20 मुकाबला 2010 में खेला था। उन्होंने अब तक 469 मैच खेले हैं और इसकी 440 पारियों में 28.12 की औसत और 154.70 की स्ट्राइक रेट से 10,574 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 8 शतक के अलावा 57 अर्धशतक भी निकले हैं। मैक्सवेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 154* रन रहा है।

यह खिलाड़ी हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान चोटिल हो गया था। अब इस खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की है।

मैक्सवेल ने हाल ही में वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अब वह सिर्फ टी-20 क्रिकेट पर अपना ध्यान देना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए उन्होंने पहला मुकाबला साल 2012 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था।

अब तक उन्होंने 116 मुकाबले खेले हैं और इसकी 106 पारियों में 29.93 की औसत से 2,664 रन बनाने में सफल रहे हैं।

उनके बल्ले से 5 शतक और 11 अर्धशतक

छोटी खबरें

इंग्लैंड बनाम भारत: विराट कोहली को लेकर बेन स्टोक्स ने दिया बड़ा बयान

नईदिल्ली,18 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने वाली है। इससे पहले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि इस सीरीज में भारतीय टीम को कोहली की लड? वाली भावना की कमी जरूर खलेगी।

कोहली ने इस सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक वीडियो में स्टोक्स ने कहा, "मुझे लगता है भारत को कोहली की लड? की भावना की कमी जरूर खलेगी। मैदान पर उनके द्वारा टक्कर देने की ताकत और जीत की ललक यही उनकी सबसे बड़ी पहचान रही है। उन्होंने अपनी जर्सी का नंबर 18 ऐसा बना लिया था कि अब किसी और की पीठ पर वो नंबर देखना थोड़ा अजीब लगेगा। वह भारत के लिए लंबे समय तक शानदार खिलाड़ी रहे हैं।" टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने बताया कि जब कोहली ने क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप को अलविदा कहा तो उन्होंने उन्हें मैसेज भेजा था। स्टोक्स ने आगे कहा, "मैंने उन्हें लिखा था कि अब उनके खिलाफ नहीं खेल पाऊंगा, इसका अफसोस रहेगा। मुझे कोहली के खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा लगता था। हम दोनों के बीच मैदान पर वही जुनून, वही टक्कर होती थी जैसे किसी जंग में उतर रहे हों।" स्टोक्स ने कोहली की तारीफ करते हुए कहा, "वह हमेशा शानदार खिलाड़ी रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि भारत में उन्हें जमकर सराहना मिली होगी। यहां इंग्लैंड में भी खिलाड़ी उनकी तारीफ करते हैं। उन्होंने हमारे खिलाफ काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी निरंतरता, जुनून और खेल के प्रति उनका समर्पण देखने लायक रहा है। कोहली जैसे खिलाड़ी बहुत कम होते हैं। वह सच में एक शानदार खिलाड़ी रहे हैं और अपने करियर से यह साबित भी किया है।"

कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 123 मैचों की 210 पारियों में 46.85 की उम्दा औसत के साथ 9,230 रन बनाने में सफल रहे थे।

इस बीच नाबाद 254 रन उनका सर्वोच्च स्कोर स्कोर रहा है। कोहली के बल्ले से 30 शतक और 31 अर्धशतक निकले थे।

उन्होंने अपना पहला टेस्ट वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था।

इंग्लैंड बनाम भारत, पहला टेस्ट: इन खिलाड़ियों के बीच देखने को मिल सकती है जोरदार टक्कर

नईदिल्ली,18 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 20 जून से हेडिंग्ले, लीड्स में सीरीज का पहला टेस्ट खेला जाएगा। बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड टीम बेहद मजबूत नजर आ रही है। दूसरी तरफ पहली बार शुभमन गिल भारत का नेतृत्व करते दिखेंगे।

इस पहले टेस्ट में दोनों टीमों के खिलाड़ियों बीच आपस में रोचक मुकाबला देखने को मिल सकता है।

ऐसे में आइए संभावित भिड़ंत के बारे में जानते हैं।

इंग्लैंड में सभी की निगाहें जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर होगी। वह इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

दोनों के बीच अब तक 32 पारियों में आमना-सामना हुआ है। इस दौरान बुमराह ने रूट को 13 बार आउट किया है।

रूट 25.61 की औसत से 333 रन ही बना पाए हैं।

रूट ने बुमराह के खिलाफ 42 चौके लगाए हैं। हालांकि, वह छक्का लगाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं।

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ खूब रन बनाते हैं।

ऐसे में इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाज शोएब बशीर और उनके बीच एक जोरदार भिड़ंत देखने को मिल सकती है। दोनों पहली बार टेस्ट क्रिकेट में आमने-सामने होंगे।

पंत स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ 51.25 की औसत से 54 पारियों में कुल 1,435 रन बना चुके हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 88.25 की रही है।

वह 28 बार स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ पवेलियन भी लौटे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और भारत के अनुभवी ऑलराउंडर खिलाड़ी रविंद्र जडेजा के बीच हर बार कांटे की टक्कर देखने को मिलती है।

दोनों के बीच अब तक 19 पारियों में आमना सामना हुआ है। इस दौरान स्टोक्स सिर्फ 20.83 की औसत से 125 रन ही बना पाए हैं।

जडेजा ने उन्हें 19 पारियों में 6 बार पवेलियन की राह दिखाई है। जडेजा के खिलाफ स्टोक्स की स्ट्राइक रेट सिर्फ 53.19 की रही है।

भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल से इस सीरीज में भारतीय टीम को बहुत उम्मीदें होंगी। वहीं, इंग्लैंड की गेंदबाजी कहीं ना कहीं क्रिस वोक्स के इर्द-गिर्द घूमेगी।

ऐसे में वोक्स की स्विंग होती गेंद राहुल को परेशान कर सकती है।

दोनों के बीच अब तक 4 पारियों में आमना सामना हुआ है। इस दौरान राहुल 34 की औसत से सिर्फ 34 रन बना पाए हैं।

वोक्स ने उन्हें 1 बार पवेलियन की राह भी दिखाई है।

विराट कोहली के लंदन वाले घर में टीम इंडिया ने की पार्टी, जानें कौन-कौन पहुंचा?

शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड दौरे पर है, जहां टीम को इंग्लिश टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। यह सीरीज २० जून से शुरू होने जा रही है। इस सीरीज के शुरू होने से पहले कप्तान गिल, उप-कप्तान ऋषभ पंत, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज समेत कई खिलाड़ी दिग्गज भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के लंदन वाले घर पहुंचे, जहां सभी ने जमकर पार्टी की।

'रेवस्पोर्ट्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विराट ने यहां पूरी टीम को डिनर के लिए बुलाया था। बता दें कि विराट ने कुछ समय पहले ही लंदन में यह घर खरीदा है। इस दिग्गज बल्लेबाज को जब भी समय मिलता है, वह अपने लंदन वाले घर पहुंच जाते हैं। उनके बेटे अकाय का भी जन्म लंदन में ही हुआ है।

गिल की सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज बतौर कप्तान गिल की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। उन्हें दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा की जगह टीम इंडिया का टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। रोहित और विराट दोनों ने ही आईपीएल २०२५ के दौरान क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का फुल शेड्यूल

पहला टेस्ट, २० जून लीड्स।
दूसरा टेस्ट, २ जुलाई बर्मिंघम।
तीसरा टेस्ट, १० जुलाई लंदन।
चौथा टेस्ट, २३ जुलाई मैनचेस्टर।
पांचवां टेस्ट, ३१ जुलाई लंदन।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

मेटा कर रही ओपनएआई के इंजीनियरों को लुभाने की कोशिश, 800 करोड़ तक का बोनस ऑफर

नईदिल्ली,18 जून। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा काफी बढ़ गई है, जिसमें आगे निकलने के लिए कंपनियां अलग-अलग तरीके अपना रही हैं।

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने खुलासा किया है कि मेटा ने उनकी टीम के कई इंजीनियरों को लगभग 860 करोड़ रुपये तक के बोनस ऑफर किए हैं।

उनका कहना है कि अब तक उनकी टीम के किसी भी प्रमुख इंजीनियर ने यह प्रस्ताव नहीं स्वीकारा है, लेकिन टैलेंट को लेकर होड़ साफ दिखाई दे रही है।

मेटा अपनी सुपरइंटेलिजेंस टीम को खड़ा करने के लिए काफी प्रयास कर रही है। हाल ही में उसने डाटा-लेबलिंग स्टार्टअप स्केल एआई में लगभग 1,230 अरब रुपये का निवेश किया और उसके सीईओ एलेक्जेंडर वांग को अपनी एआई टीम का प्रमुख बनाया।

मेटा का मानना है कि ओपनएआई उसका सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी है और उसे पीछे छोड? के लिए कंपनी सभी जरूरी कदम उठा रही है। टॉप इंजीनियरों को लुभाने के लिए वह बड़े ऑफर पेश कर रही है।

--------------------------- व्यापार ---------------------------

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपनाएं कैलिफोर्निया बादाम प्रोटीन का प्राकृतिक स्रोत

हर साल २१ जून को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें योग के शारीरिक, मानसिक और आत्मिक लाभों की याद दिलाता है। योग अपने आप में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन जब इसे संतुलित और पोषक आहार के साथ जोड़ा जाए, तो इसका असर और भी बेहतर होता है। ऐसे आहार में काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल जैसे जरूरी पोषक तत्व होने चाहिए। इनमें से प्रोटीन शरीर की मजबूती और मांसपेशियों की देखभाल के लिए सबसे अहम है। प्रोटीन के प्राकृतिक स्रोतों में बादाम एक आसान, स्वादिष्ट और सेहतमंद विकल्प है, जो योग अभ्यास के दौरान शरीर की ऊर्जा बनाए रखने और थकान कम करने में मदद करता है। रोजाना बादाम खाने से आपका योग अभ्यास और भी सशक्त बन सकता है। न्यूट्रिशन और वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णास्वामी ने कहा, च्च्योग या कोई भी शारीरिक गतिविधि तब सबसे ज्यादा असर दिखाती है, जब उसके साथ सही खानपान जोड़ा जाए। मैं हमेशा यही सलाह देती हूं कि योग के साथ प्रोटीन से भरपूर आहार लेना चाहिए झ और बादाम इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। बादाम में प्रोटीन, डाइटरी फाइबर और दिल के लिए अच्छे फैट्स होते हैं, जो वजन नियंत्रित रखने और पोषण की जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं। इनका फायदा न सिर्फ हमारी दादी-नानी की बातों से, बल्कि २०० से ज्यादा वैज्ञानिक रिसर्च से भी साबित हो चुका है। यही कारण है कि बादाम हर रोज के भोजन में शामिल किए जाने योग्य एक बेहतरीन चीज हैं।ज्

मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली की रीजनल हेड ऑफ डायटेटिक्स, रितिका समद्दार ने कहा, च्च्योग सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जो शारीरिक और मानसिक दोनों ही स्तरों पर संतुलन और ऊर्जा प्रदान करती है। योग शरीर और मन दोनों को बेहतर बनाने वाला प्रभावशाली अभ्यास है। इसका पूरा लाभ तभी मिलता है जब इसे संतुलित और पौष्टिक आहार के साथ जोड़ा जाए। मैं नियमित रूप से योग करने वालों को बादाम जैसे प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को रोजाना के भोजन में शामिल करने की सलाह देती हूं। बादाम न सिर्फ मांसपेशियों की रिकवरी में मदद करते हैं, बल्कि यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड शुगर को स्थिर रखने में भी कारगर हैं।

फिटनेस और सेलिब्रिटी इंस्ट्रक्टर यास्मीन कराचीवाला ने कहा, च्च्सेहतमंद रहने के लिए मैं नियमित एक्सरसाइज और साफ-सुथरे खानपान के संयोजन पर भरोसा करती हूं। जहां वर्कआउट मुझे शारीरिक रूप से फिट रखता है, वहीं योग मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। मैं योग को अपने साप्ताहिक रूटीन का हिस्सा जरूर बनाती हूं ताकि शरीर और मन के बीच संतुलन बना रहे। सक्रिय रहने के साथ-साथ मैं ऐसे भोजन को प्राथमिकता देती हूं जो प्राकृतिक और संपूर्ण हो—जिसमें बादाम एक जरूरी हिस्सा हैं।

इनमें प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो रोजाना के पोषण के लिए बेहद लाभकारी हैं। मुझे बादाम की सबसे बड़ी खासियत यह लगती है कि इन्हें कई तरह से खाया जा सकता है, और हर रूप में इनमें मौजूद पोषक तत्व अपना असर दिखाते हैं।

बार-बार फास्टैग कटने का झंझट खत्म, गडकरी ने बताया, 15 अगस्त से शुरू होगा एनुअल पास

मुंबई,18 जून। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बुधवार को घोषणा की कि सरकार राजमार्ग पर परेशानी मुक्त यात्रा के लिए फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू करने जा रहा है. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस पास की कीमत एक वर्ष के लिए 3,000 रुपये होगी, जो 15 अगस्त 2025 से प्रभावी होगी.

लेटेस्ट फास्टैग पास गैर-वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए सक्रियण की तारीख से एक वर्ष या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, के लिए वैध होगा. इसका उद्देश्य टोल से संबंधित शिकायतों को कम करना है, विशेषकर 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित टोल प्लाजा के पास रहने वाले यात्रियों के लिए.वार्षिक पास राजमार्ग यात्रा मोबाइल एप्लिकेशन और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध होगा. लॉन्च से पहले एक्टिवेशन और रेनोवेशन के लिए एक समर्पित लिंक जारी किया जाएगा.नितिन गडकरी के अनुसार, इस नई प्रणाली का उद्देश्य उपयोगकताओं को पूरे वर्ष के लिए एक ही, एडवांस लेनदेन करने की अनुमति देकर टोल भुगतान को सरल बनाना है. नीति छोटी दूरी की यात्रा के दौरान बार-बार टोल कटौती पर लंबे समय से चली आ रही सार्वजनिक चिंताओं को भी संबोधित करती है.

आज फिर शेयर बाजार रेड जोन में, सेंसेक्स 268 अंक टूटा, निफ्टी 24,788 पर

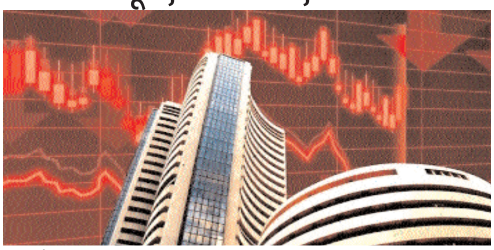

मुंबई,18 जून। कारोबोरी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार लाल निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 268 अंकों की गिरावट के साथ 81,314.62 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.26 फीसदी की गिरावट के साथ 24,788.35 पर खुला.

आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर ओएनजीसी, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, टीसीएस, बजाज फाइनेंस प्रमुख लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंज्यूमर के शेयर नुकसान में रहे.

कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 212 अंकों की गिरावट के साथ 81,583.30 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 24,853.40 पर बंद हुआ. विशाल मेगा मार्ट, मझगांव डॉक, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज, कोचीन शिपयार्ड, बीएसई लिमिटेड एनएसई पर सबसे सक्रिय शेयरों में शामिल रहे.

आईटी को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान पर कारोबार किए, फार्मा और मेटल में 1-2 फीसदी की गिरावट आई. बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में गिरावट देखी गई.

इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को खाली करने के आह्वान के बाद निवेशक सतर्क रहे, जिसके कारण मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई.

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.53 फीसदी बढ़कर 73.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. यूरोप में अमेरिकी सेना की संपत्तियों की फिर से तैनाती और राष्ट्रपति ट्रंप के जी7 शिखर सम्मेलन की अपनी यात्रा को बीच में ही समाप्त करने की खबरों के बीच बाजार की धारणा सतर्क रही. कच्चे तेल की ऊंची कीमतों को भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए नकारात्मक माना जा रहा है.

तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार व नायब तहसीलदारों का तहसील कार्यालयों में नवीन पदस्थापना

राजनांदगांव। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से जिले में पदस्थ तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त तक तहसील कार्यालयों में नवीन पदस्थापना की है. जारी आदेश के मुताबिक तहसीलदार तहसील कार्यालय घुमका नीलकंठ जनबंधु को तहसील कार्यालय डोंगरगढ़, तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़ मुकेश कुमार ठाकुर को तहसील कार्यालय घुमका, तहसीलदार तहसील कार्यालय लाल बहादुर नगर सोनित मेरिया को अतिरिक्त तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़, तहसीलदार अतिरिक्त तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़ कमल किशोर साहू को तहसील कार्यालय लाल बहादुर नगर, नायब तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगांव अब्दुल वसीम सिद्दीकी को तहसील कार्यालय छुरिया में अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ किया गया है।

भाजपा की बैठक में संगठनात्मक, योजना व उपलब्धियों की समीक्षा व भावी कार्यक्रमों पर हुआ मंथन

00 राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने किया मार्गदर्शन, 00 मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित मंत्रीगण भी बैठकों में हुए शामिल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक गतिविधियों कार्यक्रमों, योजनाओं व उपलब्धियों की समीक्षा की दृष्टि से बैठकों का आयोजन किया गया। बैठकों में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल और प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर मार्गदर्शन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित मंत्रीगण भी बैठकों में शामिल रहे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सबसे पहले पुण्यश्लोका लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर जयंती और संकल्प से सिद्धि 11 साल बेमिसाल अभियान समिति के साथ बैठक हुई और इन अभियानों के क्रियान्वयन और अब तक की प्रगति की समीक्षा की गई। उल्लेखनीय है कि संकल्प से सिद्धि 11 साल बेमिसाल अभियान प्रदेश में विगत 9 जून से चलाया जा रहा है। इस दौरान प्रदर्शनी, प्रोफेशनल मीट, घर-घर सम्पर्क, गोष्ठियाँ आदि निर्धारित चरणबद्ध कार्यक्रमों के जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनके 11 वर्षो के कार्यकाल में अर्जित उपलब्धियों और सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के कार्यक्रमों व योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। आत्मनिर्भर, सशक्त व सुरक्षित भारत की दिशा में मोदी-सरकार की उल्लेखनीय उपलब्धियों से भी जन-जन को अवगत कराया जा रहा है।

बैठक में 21 जून को होने वाले योग दिवस, 23 जून को डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, 25 जून को आपातकाल की 50वीं बरसी के निमित्त निर्धारित कार्यक्रमों की रूपरेखा व तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि योग दिवस का बड़े पैमाने पर आयोजन पार्टी स्तर पर किया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश के सभी तीर्थ, पर्यटन व ऐतिहासिक स्थलों पर योग दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इसके लिए दो-तीन दिनों तक योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी प्रकार आपातकाल की बरसी पर भी प्रदेशभर में बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों की रचना की गई है। आपातकाल की बरसी पर कांग्रेस सरकार के लोकतंत्र और संविधान विरोधी आचरण के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा, प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएंगीं और आपातकाल के काले अध्याय से अनजान नई पीढ़ी को अवगत कराया जाएगा कि किस तरह कांग्रेस ने सत्तालोलुपता के चलते देश पर आपातकाल थोपकर लोकतंत्र और संविधान की हत्या कर दी थी और पूरे देश को जेल बनाकर लाखों निर्दोष लोगों को मीसा के तहत बंदी बनाकर अमानवीय यंत्रणाएँ दी थी।

भाजपा विधायक दल की बैठक

संगठनात्मक बैठक के बाद प्रदेश कार्यालय में भाजपा विधायक दल की बैठक भी हुई। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, प्रदेश सरकार के सभी मंत्री व विधायकगण उपस्थित थे। बैठक में प्रदेश सरकार के कार्यकाल में अर्जित उपलब्धियों, कार्यक्रमों व योजनाओं की चर्चा की गई और महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर मार्गदर्शन किया गया।

न्यूज गैलरी

इंडिगो फ्लाइट का गेट हो गया लॉक, रायपुर एयरपोर्ट में यात्री हुए परेशान

रायपुर। अहमदाबाद घटना के बाद से हवाई उड़ान को लेकर इन दिनों यात्री कुछ संशय के साथ सफर कर रहे हैं। आज एक घटना से फिर यात्री हड़बड़ा गए,मामला रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट का है,दिल्ली से रायपुर पहुंची इंडिगो फ्लाइट 2.25 पर लैंड तो हो गई,लेकिन फ्लाइट का गेट लॉक हो गया। कुछ देर तक गेट लॉक रहा। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक इस फ्लाइट में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक चातुरी नंद और रायपुर महापौर मीनल चौबे समेत 35 से ज्यादा लोग सवार थे। हालांकि इसे तकनीकी कारण बताया गया, कोई घटना या दुर्घटना संभावित नहीं था। लेकिन यात्रियों में दहशत देखी गई। महापौर मीनल चौबे जो कि स्वंय इसमें यात्री थी ने बताया कि फ्लाइट की तो सुरक्षित लैंडिंग हो गई लेकिन फ्लाइट के अंदर गेट में जो स्क्रीन रहती है उसमें कुछ नहीं बता रहा था। इसी वजह से गेट नहीं खुल रहा था। इससे बाहर आने में विलंब हुआ है। कोई मेजर प्रॉब्लम नहीं थी।

महंत आशीष दास की अपील खारिज

रायपुर। संभागायुक्त श्री महादेव कावरे द्वारा ग्राम धरमपुरा स्थित मठ/मंदिर की 55 एकड़ भूमि के संबंध में महंत आशीष दास की अपील खारिज कर दिया गया है। जिसमे तहसीलदार रायपुर द्वारा भूमि को सरवराकर महंत आशीष दास को देने का आदेश दिया था। तहसीलदार के आदेश को एसडीएम ने निरस्त कर दिया था और इसकी अपील संभागायुक्त को की गई थी। इसमें तहसीलदार ने मुख्य रूप से वसीयत के आधार पर नामांतरण किया गया था, लेकिन भूमि में प्रबंधक कलेक्टर होने के बावजूद तहसीलदार ने महंत आशीष दास के पक्ष में आदेश पारित किया था जो अब निरस्त रहेगा। संभागायुक्त ने माननीय उच्चतम न्यायालय के न्याय दृष्टांत जितेंद्र सिंह विरुद्ध स्टेट आ$फ एमपी एंड आदर्श 2022 का उल्लेख किया कि वसीयत के विवाद के मामले में माननीय सिविल न्यायालय में जाकर अपना पक्ष सिद्ध करने पर नामांतरण किया जाएगा। इस मामले में महंत आशीष दास द्वारा सिविल में प्रकरण नहीं प्रस्तुत किया गया है। वहीं दूसरी ओर जैतूसाव मठ की ओर से बताया गया है कि जो राम आशीष दास महंत बताता है उसका जैतूसाव मठ से कोई लेना देना नहीं हैं। न तो वह जैतूसाव मठ में रहता है न तो ट्रस्ट कमेटी का सदस्य है और किसी कर्मचारी या सदस्य के रूप में जुड़ा है। मंदिर से संबंधित किसी भी भूमिका में वह कभी नहीं जुड़ा है।

सुकमा की सीमा से सटे आंध्र प्रदेश के मारेडपल्ली के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के सीमा से सटे आंध्र प्रदेश के मारेडपल्ली के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 3 नक्सली मारे गए। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में आंध्र प्रदेश जोनल कमेटी के सदस्य गजराला रवि व गरियाबंद में मारे गए नक्सली चलपती की पत्नी अरुणा के मारे जाने की जानकारी मिली है।

आंध्र प्रदेश जिले के अल्लूरी सीताराम जिले के पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि मारेडपल्ली क्षेत्र में लंबे समय से नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना पर विशेष ऑपरेशन चलाया गया था। मारेदुमिल्ली जंगल में आंध्र प्रदेश सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ में तेलंगाना के विशेष क्षेत्रीय समिति सदस्य गजरला रवि और अरुणा की मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने मौके से 2 एके-47 राइफलें और अन्य उपकरण जब्त किए और आंध्रप्रदेश के एएसआर जिले के देविपटनम के कोंडामोडालु गाँव के जंगलों में आज सुबह सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन बड़े माओवादीनेता मारे गए।

मृत माओवादियों में गजारला रवि उर्फ उदय (सीसीएम / सचिव, एओबीएसजेडसी) शामिल हैं. रावी वेंकट चैतन्य उर्फ अरुणा (एसजेडसीएम, एओबीएसजेडसी), जो हाल ही में छत्तीसगढ़ में मारे गए माओवादी नेता चलापति की पत्नी अंजू (एसीएम / एओबीएसजेडसी) थीं, यह मुठभेड़ मारेडुमिल्लि थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं।

रथयात्रा पर इस बार विशेष आयोजन जोहार जगन्नाथ

रायपुर। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन पर्व पर छत्तीसगढ़ में पहली बार एक अनूठे आध्यात्मिक आयोजन जोहार जगन्नाथ की शुरूआत होने जा रही है। इस आयोजन के पोस्टर का विमोचन आज कोतवाली चौक स्थित अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स में किया गया। इस शुभ अवसर पर विधायक एवं जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष पुरंदर मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पोस्टर का अनावरण किया और कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की।

जोहार जगन्नाथ कार्यक्रम 94.3 मॉय एफएम और अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स की संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य प्रदेशवासियों को रथ यात्रा के आध्यात्मिक उल्लास से सीधे जोड ?ा है। इस अभिनव प्रयास के अंतर्गत शुद्ध स्वर्ण एवं रजत के विशेष सिक्कों पर भगवान जगन्नाथ की पावन छवि उकेरी जाएगी, जिनके माध्यम से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पुरी धाम स्थित भगवान जगन्नाथ को अर्पित की जाएंगी।

सुरता कमलनारायण व्याख्यान एवं सम्मान समारोह आज

रायपुर। जिन्दगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री कमलनारायण शर्मा की पुण्यतिथि (19 जून) पर श्रद्धांजलि स्वरूप सुरता कमलनारायण व्याख्यान एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। संस्था की ओर से बताया गया है कि गुरुवार 19 जून को शाम 4 से 7 बजे तक वृंदावन हाल सिविल लाइंस में यह कार्यक्रम आयोजित है। जिसमें सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि,पूर्व महापौर प्रमोद दुबे अध्यक्षता करेंगे,सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात मिश्र विशिष्ट होंगे। श्री रघु ठाकुर (राष्ट्रीय अध्यक्ष, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी) प्रमुख वक्ता रहेंगे।

राज्यपाल रमेन डेका ने बीजापुर के सेन्ट्रल लाईब्रेरी का किया अवलोकन

00 कम्प्यूटर प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों को व्यवसायिक गतिविधियों के लिए किया प्रोत्साहित

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अपने बीजापुर प्रवास के दौरान वहां के सेन्ट्रल लाईब्रेरी का अवलोकन किया। उन्होंने सुदूर क्षेत्रों के कम्प्यूटर प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर उनके प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली। प्रशिक्षार्थियों ने श्री डेका से अपने अनुभव साझा किए। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि आज के युग में कम्प्यूटर सभी क्षेत्रों के लिए आवश्यक है। नौकरी हो या स्वयं का व्यवसाय, कम्प्यूटर ट्रेनिंग के पश्चात छोटे-छोटे व्यवसाय से आय अर्जित करने एवं व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन कर आय अर्जित करने के लिए प्रशिक्षार्थियों को प्रेरित किया। राज्यपाल श्री डेका ने लाइब्रेरी में रखे गए माईंड गेम, वीआर सेट का अवलोकन किया और जिला प्रशासन के इस अभिनव पहल की सराहना की। उन्होंने बच्चों के साथ फोटो सेशन भी कराया। इस दौरान राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव उपस्थित थे।

महंगाई भत्ता व महंगाई भत्ता एरियर्स भुगतान की मांग को लेकर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं छत्तीसगढ़ पेंशनर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सभी जिला मुख्यालय में भोजनावकाश में कर्मचारी पेंशनरों ने महंगाई भत्ता एवं महंगाई भत्ता एरियर्स भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। बस्तर बिलासपुर संभाग के जिला मुख्यालय में भारी संख्या में कर्मचारियों ने प्रदर्शन में भाग लिया वहीं रायपुर कलेक्ट्रेट में कर्मचारियों ने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के अधिकारी को मांग पत्र सौपा।

पेंशनर संघ के संरक्षक विजय कुमार झा, तृतीय वर्ग अध्यक्ष रामचंद्र टांडी एवं महामंत्री उमेश मुदलियार ने बताया है कि मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र जिला प्रशासन के अधिकारी को सौंपा गया। इस प्रदर्शन में पीतांबर पटेल, संजय शर्मा, सीएल दुबे, नरेश वाढेर, विमल चंद कुंडू, आलोक जादव, होरी लाल छेदैया, बी आर वर्मा, शेखर ठाकुर, नलिनी चंद्राकर, विजय डागा, विनोद सिंन्हा, पंकज नायक, राजेंद्र उमाठे, बीपी कुरील, खिलोमणी खागा, वंदना फोफसे, बसंती कुजूर से सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थी।

अपह्रित सभी ग्रामीणों को नक्सलियों किया रिहा, 3 ग्रामीणों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा

बीजापुर। जिले के पेद्दाकोरमा गांव में मंगलवार को नक्सलियों ने 3 लोगों की हत्या कर दर्जनभर ग्रामीणों का अपहरण कर अपने साथ ले गए थे, बुधवार को उन सभी अपह्रित ग्रामिणों को नक्सलियों ने रिहा कर दिया है, सभी ग्रामीण सुरक्षित अपने गांव पहुंच गए हैं। नक्सली नेता वेल्ला और उसके साथ पंहुचे नक्सलियों ने मंगलवार की शाम 4 बजे इस घटना को अंजाम दिया था। मृतकों के परिजन रात 8 बजे तक पुलिस के पास नहीं पहुंचे थे। सुरक्षाबलों की टीम बुधवार को पेद्दाकोरमा गांव पहुंचकर मारे गए 3 ग्रामीणों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय बीजापुर ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा दिया गया है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि नक्सली संगठन एक तरफ शांति की बात करते हैं, तो दूसरी ओर बेगुनाह ग्रामीणों को आईईडी लगाकर एवं मुखबिरी के नाम पर मार रहे हैं । इससे नक्सल संगठन का दोहरा चरित्र सबके सामने आ चुका है। उन्होने कहा कि शांति वार्ता की बात करने वाले दोहरे चरित्र के नक्सलियों से कभी बातचीत नहीं की जाएगी । शांति की बात कर बेगुनाह लोगों की जान लेने वाले नक्सली संगठन माफी के लायक भी नहीं है । उन्होने कहा कि सुरक्षाबल नक्सलियों को खत्म करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जल्द ही नक्सलियों की बची अंतिम सांस हमेशा के लिए बंद हो जाएगी।

भाठागांव-धमतरी रोड निर्माण से प्रभावित नागरिकों को मिलेगा न्याय - बृजमोहन

रायपुर। भाठागांव से धमतरी रोड तक नहर के ऊपर निमार्णाधीन सड़क से प्रभावित नागरिकों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल से भेंट कर अपनी समस्याएं साझा कीं। नागरिकों ने बताया कि वे विगत 40 वर्षो से अधिक समय से वहां निवासरत हैं और उन्हें बेघर न किया जाए। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सभी प्रभावितों की बातें गंभीरता से सुनी और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनके साथ न्याय होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि, हम विकास भी करेंगे और जनता को भी सुरक्षा और सम्मान के साथ रखेंगे। किसी को भी बेघर नहीं किया जाएगा। यदि किसी की जमीन सड़क निर्माण के दायरे में आती है, तो उन्हें नियमानुसार अन्य स्थान पर वैकल्पिक आवास अथवा आवासीय भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। सांसद श्री अग्रवाल ने संबंधित विभागों से भी समन्वय कर प्रभावितों के पुनर्वास की प्रक्रिया को पारदर्शी और संवेदनशील ढंग से संपन्न कराने की बात कही। आश्वासन पाकर उपस्थित लोगों ने श्री अग्रवाल का आभार जताया।

धर्मांतरण विवाद के बाद राजपुर के एसडीएम और तहसीलदार का हुआ तबादला

बलरामपुर। राजपुर में पिछले दिनों हुए कथित धर्मांतरण विवाद के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए राजपुर के एसडीएम राजीव जेम्स कुजूर और तहसीलदार पूनम रश्मि तिग्गा का तबादला कर दिया गया है। दोनों अधिकारियों पर हिंदू संगठनों ने कार्यकताओं ने चंगाई सभा के आयोजन की अनुमति प्रशासन द्वारा दिए जाने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी।

जारी आदेश के अनुसार एसडीएम राजीव जेम्स कुजूर को जिला कार्यालय बलरामपुर में स्थानांतरित किया गया है, जबकि तहसीलदार पूनम रश्मि तिग्गा को कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा में पदस्थ किया गया है। वहीं, संयुक्त कलेक्टर देवेंद्र कुमार प्रधान को राजपुर का अतिरिक्त एसडीएम बनाया गया है और नायब तहसीलदार नरेन्द्र कुमार कंवर को प्रभारी तहसीलदार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

C M Y K

सरगुजा संभाग

अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

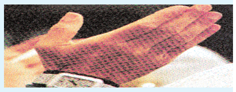

जब वायदे पूरे नहीं किये जाते तो घनिष्ठ मित्र भी साथ छोड।

अनुराग नामदेव यूथ इंटक के सरगुजा जिला अध्यक्ष नियुक्त - 10 | अम्बिकापुर गुरूवार, 19 जून 2025 | ■ प्रतिबंधित सड़क में भारी वाहनो के आवगमन पर रखे निगरानी ....कलेक्टर- 12

डीएपी खाद की किल्लत चिंताजनक,संभाग में मात्र 16.44 प्रतिशत की है उपलब्धता-सिंहदेव

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा पूरे सरगुजा संभाग में 90 प्रतिशत भूमि को असिंचित घोषित कर दिया गया

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। खरीफ सीजन के शुरूआती दौर में किसानों को डीएपी खाद की कीमत से जूझना पड़ रहा है,जो की चिंताजनक है।स्थिति यह है कि किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रहा है और वह खेती-बाड़ी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं।सरगुजा संभाग में खरीफ फसल के लिए २४००० टन का लक्ष्य रखा गया था लेकिन १७ जून तक मात्र ३९४० टन की ही उपलब्धता है।यूरिया भी ५० प्रतिशत से कम उपलब्ध हो पाया है। पूरे सरगुजा संभाग में डीएपी खाद मात्र १६.४४ प्रतिशत ही उपलब्ध है। सिंहदेव ने कहा कि सरगुजा के १२ समितियां में ३४५० क्विंटल की उपलब्धता है जो की १६ प्रतिशत उपलब्धता के बराबर है।या यू कहें १२ में से ८ समितियां में एक बोरा इफको और डीएपी की उपलब्धता नहीं है।व्यवस्था इतनी लाचार है की किसानों को जो सूटेबल खाद की उपलब्धता चाहिए सरकार उसे भी पूरा नहीं कर पा रही है,किसानों के साथ नाइंसाफी हो रही है। पूर्व मुख्य उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की चार योजना- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन,राष्ट्रीय कृषि विकास योजना,जैविक खेती एवं परंपरागत कृषि विकास योजना में खरीफ २०२५ मे से इन योजनाओं से किसानों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है।विभाग बजट के अभाव में कोई प्लानिंग नहीं किया है।चेम्प योजना में भी केवल ट्रैक्टर हार्वेस्टर का ही वितरण बड़े किसानों को पूरे वर्ष किया गया,लघु और सीमांत कृषकों को इस योजना से भी कोई लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है।

मीडिया के दायित्व को सीमित किया जा रहा है

प्रेस वार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने कहा कि सरकार ने मीडिया पर स्वास्थ्य शिक्षा विभाग में कवरेज को लेकर प्रतिबंध लगाया है,यह निर्णय मीडिया के दायित्व को सीमित करने वाला है।मीडिया अस्पताल के अंदर ऑपरेशन थिएटर के अंदर जाकर कवरेज थोड़े ना करता है।यह कौन सी बात हुई कि एक व्यक्ति आएगा और मीडिया को घटना या मामले की जानकारी देगा। इससे सबसे पहला नुकसान मरीज का होगा,अगर कोई कमी है और मीडिया उसको उठा रही है तो इसमें क्या गलत है,यह निर्णय मीडिया के दायित्वों को सीमित करने का है जिसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करती है। प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक,श्रम कल्याण मंडल के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद,पूर्व महापौर डॉक्टर अजय तिर्की,पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जेपी श्रीवास्तव,अजय अग्रवाल द्वितेंद्र मिश्रा,आशीष वर्मा,अनूप मेहता सहित अन्य मौजूद थे।

10 प्रतिशत जमीन को ही सिंचित दशार्या गया

श्री सिंह देव ने प्रेस वार्ता में कहा कि श्याम घुनघुटटा कुंवरपुर जलाशय,बरनई वह अन्य जलाशयों से १३९०० हेक्टेयर भूमि सिंचित मानी जाती है लेकिन इस बार सरगुजा संभाग की संपूर्ण भूमि को असंचित दशार्या गया है,केवल १० प्रतिशत भूमि को ही सिंचित दशार्या गया है,उक्त जानकारी एचडीएफसी फसल बीमा कंपनी के पोर्टल में पूरे जिले व संभाग को असंचित कर दिया गया है।इस मामले को लेकर राजस्व,कृषि विभाग,जल संसाधन विभाग व विद्युत विभाग मौन साधे हुए हैं।श्री सिंह देव ने आशंका जताते हुए कहा कि धान खरीदी भी कहीं सिंचित और असंचित में प्रभावित न हो जाए।सिंह देव ने कहा कि सिंचित और असंचित के कारण किसानों का केसीसी कार्ड भी प्रभावित हो रहा है और इससे किसानों को बड़ा नुकसान होगा।सरकार द्वारा अनैतिक तरीके से पैसा बचाने का कार्य हो रहा है,जिन किसानों को ५० हजार प्रति हेक्टेयर मिलना चाहिए इसका लाभ नहीं मिलेगा।सरकार लगातार कहती है कि किसानों के ऋण के लिए बड़ी मात्रा में राशि उपलब्ध करेंगे लेकिन उन्हें क्या लाभ मिल रहा है किसानों से जानकारी ले सकते हैं। श्री सिंहदेव ने कहा कि सरगुजा संभाग में समिति के कामकाज कैसे चल रहा है ?ह किसी से छुपा नहीं है,अनियमितता जारी है इसका उदाहरण बलरामपुर में नकली खाद बीज का मामला सामने आया था जिसमें २६ करोड रुपए की धोखाधड़ी हुई है,इसमें ११ अधिकारी कर्मचारियों की मिली भगत की भी बात सामने आई है,इसकी जांच होनी चाहिए।भाजपा सरकार कहती है कि किसानों की आय दुगनी करेंगे लेकिन एएसपी की राशि में कुछ रुपए ही बढ़ाकर किसानों से धोखाधड़ी की गई है।

प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य किया गया कार्य विभाजन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा प्रशासनिक कार्य व्यवस्था के तहत आगामी आदेश पर्यंत अस्थायी रूप से अनुविभागीय अधिकारियों एवं तहसीलदारों के मध्य पदस्थापना में आंशिक फेरबदल किया गया है। जिसके तहत संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज श्री देवेन्द्र कुमार प्रधान को राजपुर अनुविभाग अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं दंडाधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बलरामपुर श्री आनंद राम नेताम को अनुविभाग बलरामपुर के अतिरिक्त अनुविभाग रामानुजगंज का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर श्री राजीव जेम्स कुजूर को आगामी आदेश तक बलरामपुर नियत किया गया है।

चितरपुर में राशन वितरण अनियमितता ,विधायक ने लिया संज्ञान, कराया 3 महीने का राशन वितरण

सर्वर एवं एवं स्टाक की कमी बता राशन कम देने दी जा रही दलील, पूर्व से ही चल रही है समिति पर प्रकरण की जांच

लुण्ड्रा (अम्बिकावाणी समाचार)। लुण्ड्रा विकास खंड के ग्राम पंचायत चितरपुर में गत १६ जुन को भीगते पानी में लम्बी दूरी तय कर धौरपुर पहुंच एडीएम कार्यालय में चावल नहीं देने की शिकायत को लेकर कुछ ग्रामीणों द्वारा न्यायालय का घेराव किए जाने का खबर कुछ बेव पोर्टल व अखबार में प्रकाशित होने उपरांत तत्काल संज्ञान में लेते हुए क्षेत्रीय विधायक प्रबोध मिंज के निर्देश में जनपद अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पावले के नेतृत्व में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अभिषेक पावले अमित गुप्ता सहित धौरपुर भाजपा मंडल के पदाधिकारी तत्काल चितरपुर ग्राम पहुंचे एवं खाद्य निरीक्षक को भी त्वरित जांच कर वस्तु स्थिति से अवगत कराने कहा ग्रामीणों एवं दुकान संचालक महिला स्वयं सहायता समूह से पूछताछ करने एवं खाद्य निरीक्षक के जांच में यह स्पष्ट हुआ कि राशन दुकान संचालन में अनियमितता बरती गई है खाद्य निरीक्षक गौर सिंह जात्रे ने बताया कि उक्त स्वयं सहायता समूह पर पहले से ही प्रकरण की जांच चल रही है उन्होंने यह भी बताया कि एक माह का स्टॉक की भी कमी है । इसके अलावा सबसे प्रमुख कारण सर्वर बाधा बताई गई घंटों कभी-कभी तो दिनभर मशीन का सर्वर बंद रहती है जिसकी वजह से वितरण नहीं हो पा रही है तथा १ दिन में अधिक से अधिक ४० से ५० हितग्राहियों को ही थम मशीन के द्वारा वितरण किया जा सकता है जिस पर जनपद अध्यक्ष एवं पदाधिकारीयों ने खाद निरीक्षक को भी फटकार लगाते हुए कहा कि ३ महीने से चल रही जांच आखिर आज तक क्यों पूरी नहीं हो पाई उन्होंने तत्काल जांच कर उचित कार्यवाही करने निर्देशित किया ।

जनपद अध्यक्ष एवं मंडल उपाध्यक्ष अभिषेक पावले ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि राजनीतिक षड्यंत्र के तहत कांग्रेस के तथाकथित व्यक्ति विशेष लोगों द्वारा दर्जनों व्यक्तियों को राशन नहीं मिलने की बात कहते हुए शासन की छवि धुमिल करने के उद्देश्य से बगैर सच्चाई जाने या जनप्रतिनिधियों से शिकायत या जानकारी दिए बगैर हडताल धरना करने की चेतावनी देते हुए भोले भाले आदिवासी लोगों को बरगला कर भीगते बारिश में पैदल यात्रा करा धौरपुर ले जाया गया । जो महज एक राजनीतिक साजिस व बेवजह वाहवाही लूटने का नाकाम कोशिश था यह इस बात से प्रमाणित होता है कि जिन लोगों ने भोले भाले आदिवासी लोगों को ८ से १० किलोमीटर की लंबी दूरी भिगते बारिश में चलने विवस किया था उन्हीं लोगों के पास फोर व्हीलर इत्यादि गाड़ी है बावजूद ग्रामीणों की हितैसी बनने वाले नेतृत्वकर्ता नेता भोले भाले आदिवासी महिला पुरुष ग्रामीणजनों को पैदल चलने के लिए मजबूर व विवस कीया जिससे उनके द्वारा की जा रही इस ओछी राजनीति की चाल को ग्रामीणजन आसानी से समझ रहे हैं । फिलहाल भाजपाइयों ने खाद्य निरीक्षक की उपस्थिति में पूरे तीन माह के राशन का वितरण ग्रामीण जनों को कराया । विदित हो कि कुछ ग्रामीणों का यह भी आरोप था कि वितरणकर्ता समूह का सदस्य कथित तौर पर नहीं है और तीन के जगह दो माह का ही राशन बांट रहा था जिस पर खाद निरीक्षक जात्रे ने कहा कि उक्त मामले की भी जांच चल रही है और जल्द ही कार्यवाही से भी अवगत करा दी जाएगी फिलहाल सभी हितग्राहियों को ३ महीने की राशन का वितरण कराया जा रहा है बहरहाल जिस तरह से मामले को लेकर बात निकल कर सामने आ रही है इससे चितरपुर के स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित राशन दुकान वितरण प्रणाली में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार बरते जाने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है तथा खाद्य निरीक्षक की भूमिका पर भी सवालिया निशान उठ रहा है फिलहाल जांच के बाद ही इस पर कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है।

महापौर ने ली तकनीकी अधिकारियों की बैठक,सत्तीपारा रोड की स्थिति पर अप्रसन्नता, डामरीकरण के निर्देश

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। बुधवार को नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर के महापौर श्रीमती मंजूषा भगत के द्वारा आयुक्त नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर एवं तकनीकी अधिकारियों की बैठक ली गई। बैठक में उन्होंने जल भराव एवं सड़क में हुए गढ्डो के समतलीकरण एवं फिलिंग मटेरियल्स से भरने हेतु निर्देश प्रदान किये। इस हेतु उन्होंने निगम में उपलब्ध राशि का चिन्हांकन कार्य कराये जाने हेतु निर्देश प्रदान किया गया। साथ ही सत्तीपारा रोड की स्थिति पर अप्रसन्नता जाहिर करते हुए डामरीकरण कार्य कराये जाने हेतु निर्देश प्रदान किया गया। अभी शासन से नवीन स्वीकृत कार्यो हेतु कार्यवार निविदा आमंत्रित कर कार्य प्रारम्भ कराने हेतु निर्णय लिया गया। शासन से विद्युतीकरण हेतु राशि अप्राप्त होने पर चिन्ता व्यक्त करते हुए व्यक्तिगत स्तर पर पहल करने का आश्वासन दिया गया एवं योजना बनायी गयी। उपरोक्त समीक्षा बैठक में डी.एन. कश्यप, आयुक्त, नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर, लोनिवि / विद्युत प्रभारी महापौर परिषद, मनीष सिंह, कार्यपालन अभियन्ता डी.के. सिंह, कार्यपालन अभियन्ता संतोष रवि, सहायक अभियन्तागण प्रदीप पैकरा, दुष्यंत बजाज, प्रशांत खुल्लर एवं जोन अभियन्ता श्रीमती प्रियंका पटेल, रत्नेश कवर, श्रीमती निकहत सबरीन एवं प्रेम प्रकाश दुबे उपस्थित थे।

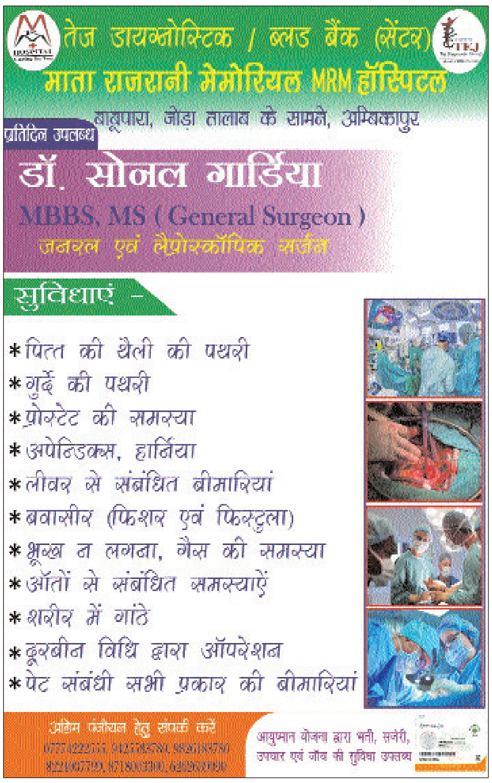

प्री-मानसून बारिश में ही नदी-नालों का बढ़ा जलस्तर: सरगुजा संभाग में आज पूरे दिन होती रही बारिश

बलरामपुर जिले में जमकर बारिश होने से कन्हर नदी लबालब

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। उत्तर छत्तीसगढ़ में मानसून पहुंचने के पहले झमाझम बारिश से खेत लबालब हो गए हैं और नदी-नालों में भी पानी भरने लगा है। बलरामपुर जिले में जमकर बारिश के बाद कन्हर नदी उफान पर है। मानसून के पूर्व दो दिनों से हो रही बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत दे दी है। बुधवार को सरगुजा संभाग में पूरे दिन बादल छाए रहने के साथ बारिश होती रही। सरगुजा संभाग में जून के पहले पखवाड़े में उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिल गई है। रविवार को संभाग के कुछ स्थानों में छिटपुट बारिश हुई थी। सोमवार शाम को संभाग के अधिकांश इलाकों में छाए बादल बरसे। रात को भी कई इलाकों में बारिश हुई। सरगुजा के मैनपाट में लगातार झमाझम बारिश से मौसम सुहाना हो गया। मानसून आगामी ४ दिनों में सरगुजा पहुंचने का अनुमान है। इस साल छत्तीसगढ़ में मानसून निर्धारित समय से करीब ८ दिन पहले पहुंच गया, लेकिन मानसून में ठहराव के कारण उत्तर छत्तीसगढ़ में गर्मी और उमस बढ़ गई थी। सरगुजा संभाग के अधिकांश इलाकों में सोमवार व मंगलवार को झमाझम बारिश हुई। बुधवार सुबह से ही पूरे संभाग में बादल छाए हुए थे और कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई।

नदी-नालों में बढ़ा जलस्तर, कन्हर उफान पर

संभाग में हो रही बारिश के बाद खेतों में पानी भर गया है और नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने लगा है। दो दिनों तक हुई अच्छी बारिश के बाद बलरामपुर जिले में कन्हर नदी उफान पर है। इस वर्ष कन्हर बमुश्किल एक सप्ताह ही सूखा रहा। इसके बाद बारिश से कन्हर में वापस पानी आ गया था।

लगातार गिरा तापमान, गर्मी से राहत

बारिश के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। पिछले २४ घंटे में सरगुजा का न्यूनतम तापमान २४ डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं अधिकतम तापमान गिरकर २९.३ डिग्री पहुंच गया है। हालांकि बादल छाए रहने से कुछ उमस मंगलवार को बनी रही, लेकिन बुधवार को लगातार बारिश के बाद तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई।

जिले में अब तक 30.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर। भू अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में २४ घण्टे के दौरान ९.८ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक २८.५ मि.मी. वर्षा तहसील सीतापुर में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में १ जून से अब तक ३०.८ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि ०१ जून २०२५ से १८ जून २०२५ तक अम्बिकापुर में १३.४, दरिमा में १४.१, लुण्ड्रा में १५.०, सीतापुर में ७३.७, लखनपुर में ३३.३, उदयपुर में २३.४, बतौली में २०.४ एवं मैनपाट में ५३.० मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ नेटबॉल संघ के महासचिव राजेश राठौर ने कराया नेटबॉल के बारिकियों से अवगत...

संभाग स्तरीय एक दिवसीय नेटबॉल सेमिनार का हुआ आयोजन..

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आज सरगुजा जिला नेटबॉल संघ द्वारा संभाग स्तरीय एक दिवसीय विशेष नेटबॉल सेमिनार का आयोजन कराया गया। सर्वप्रथम सरगुजा जिला नेटबॉल संघ के सचिव रजत सिंह द्वारा नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के महासचिव राजेश राठौर का पुष्पगुच्छ देकर खिलाड़ियों के साथ स्वागत किया। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिला नेटबॉल संघ द्वारा खेल को बेहतर बनाने व खिलाड़ियों को अधिक से अधिक जोड़ने हेतु एक दिवसीय विशेष सेमिनार का आयोजन कराया गया। इसका मुख्य लाभ आने वाले समय में होने वाले स्कूल, कॉलेज एवं ओपन प्रतियोगिताओं में मिलेगा। महासचिव राजेश राठौर ने बताया कि नये खिलाड़ियों को जोड़ने है, सरगुजा जिला में इस खेल से बेहतर परिणाम मिल सकता है। हमारा मुख्य उद्देश्य है कि सरगुजा संभाग में ऐसे जिले जो नेटबॉल खेल से जुड़ना चाहते है। उन्हें प्रदेश संघ में आमंत्रित किया हैं। जिससे हमारा छत्तीसगढ़ नेटबॉल टीम का राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन हो सकें। किसी भी खेलों के लिए निर्णायक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इस सेमिनार में मुख्यरूप से सुरजपुर, जशपुर, बलरामपुर जिले से खिलाड़ी व पदाधिकारी शामिल हुए।

आईसीटी पर सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में हुई दो दिवसीय कार्यशाला

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाष नगर अंबिकापुर सरगुजा में दो दिवसीय कार्यशाला विषय आईसीटी. का आयोजन प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष श्रीमती रानी रजक के नेतृत्व मे कराया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे आनंद पाण्डेय डायरेक्ट सोइल एग्रो पी. वी. एल. टी. डी. सरगवां अंबिकापुर, विवेक सिंह जे. एस. एस.सरगुजा, नवापारा अंबिकापुर, हर्ष विश्वास कंप्यूटर टीचर ऐसेल इंस्टिट्यूट अंबिकापुर, लक्ष्मी नारायण पटेल लेक्चर स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल शंकरगढ़ सरगुजा उपस्थिति हुए। ततपश्चात कार्यक्रम का प्रारंभ सर्वप्रथम माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया, तत्पश्चात यहाँ उपस्थित समस्त अतिथियों का जीवंत पौधा एवं श्रीफल देकर स्वागत किया गया,सर्वप्रथम कार्यक्रम का परिचय दिया गया कि आज हम सभी एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के अवसर पर एकत्र हुए हैं। यह अवसर हमारे लिए केवल ज्ञानवर्धन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मंच है जो हमें नई तकनीकों के प्रयोग, शिक्षा में नवाचार और डिजिटल रूपांतरण की दिशा में आगे बढ़ने

का सशक्त अवसर प्रदान करता है। साथ ही बताया गया कि आईसीटी आज के इस डिजिटल युग में किसी भी क्षेत्र, विशेषकर शिक्षा में इसका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षण को प्रभावी, रोचक, बहुआयामी और व्यापक बनाने में आईसीटी की भूमिका अभूतपूर्व है। यह शिक्षक और छात्र के बीच की दूरी को कम करता है। जटिल विषयों को ऑडियो-विजुअल तरीकों से सरल बनाता है। तथा ऑनलाइन संसाधनों, वीडियो, एनिमेशन, सॉफ्टवेयर आदि से शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाता है।

तत्पश्चात विवेक सिंह द्वारा गूगल फॉर्म मे हम क्वेश्चन कैसे अपलोड कर सकते है, तथा कैसे प्रश्न बना सकते है, यह भी प्रशिक्षण को बताया गया, साथ ही बताया गया कि आई.सी.टी. (सूचना एवं संचार तकनीक) के अंतर्गत प्रश्न पत्र निर्माण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें डिजिटल संसाधनों और तकनीकी टूल्स का प्रयोग कर प्रश्नों का निर्माण, संग्रहण, और विश्लेषण किया जाता है। यह प्रक्रिया पारंपरिक प्रश्न पत्र निर्माण की तुलना में अधिक प्रभावी, सुरक्षित और शिक्षण के अनुकूल होती है। तत्पश्चात हर्ष विश्वास द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को एम.एस पावरप्वाइंट के बारे में विस्तार से बताया गया,साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को पावर पॉइंट में प्रेजेंटेशन बनाना भी सिखाया गया,साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को प्रस्तुति निर्माण के चरण भी बताया गया तथा स्लाइड बनाना, डिजाइन चुनना, टेक्स्ट और इमेज जोड़ना साथ मे ट्रांजिशन और एनिमेशन का प्रयोग एवं ऑडियो-विजुअल टूल्स का समावेश एवं वीडियो, ध्वनि और ग्राफिक सम्मिलन हम किस प्रकार कर सकते है यह भी बताया गया साथ ही कुछ महत्वपूर्ण लाइव प्रेजेंटेशन के टिप्स भी दिया गया। साथ ही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा द्वारा कार्यक्रम के बारे मे संक्षिप्त जानकारी दी गयी, साथ ही कार्यशाला के उद्देश्य के बारे मे बताते हुए बताया गया।

कार्यक्रम मे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा, विभागाध्यक्ष श्रीमती रानी रजक, श्रीमती प्रियलता जायसवाल, श्रीमती उर्मिला यादव,श्री मिथलेश कुमार गुर्जर, सुश्री सविता यादव, सुश्री सीमा बंजारे, सुश्री पूजा रानी, सुश्री ज्योत्सना राजभर, सुश्री अर्चना सोनवानी, श्रीमती गोल्डन सिंह, श्री नितेश कुमार यादव, श्री सुन्दर राम एवं बी. एड प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के प्रयासों से पसीजा शासन का दिल, रिशु के पिता को मिला मुख्यमंत्री सहायता अनुदान

बसंतपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सूरजपर जिले के प्रतापपुर में कभी न भूलने वाला दिन था जब प्रतापपुर के मासूम रिशु कश्यप की नृशंस हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया था। एक सामान्य परिवार का मासूम बेटा, जिसकी जिंदगी बेरहमी से छीन ली गई थी ।आज उसी पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री सहायता योजना के अंतर्गत ५,००,००० रुपए की आर्थिक मदद दी गई है। यह संभव हो सका है क्षेत्रीय विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते के लगातार जनहितैषी प्रयासों और प्रशासन पर उनके प्रभावशाली संवाद के कारण। विधायक ने इस प्रकरण को सिर्फ एक केस नहीं, एक मां-बाप के टूटे हुए भरोसे की लड़ाई समझा। रिशु की मौत नहीं, यह व्यवस्था की असंवेदनशीलता का भी मामला था। रिशु हत्याकांड

केवल एक बच्चे की हत्या नहीं थी यह पूरे प्रतापपुर की आत्मा पर चोट थी। जनता सड़कों पर उतरी थी, आक्रोश भड़का था, और न्याय की मांग ने पूरे अंचल में हलचल मचा दी थी। लेकिन प्रशासनिक चुप्पी और देरी ने मामले को और भी दर्दनाक बना दिया था। इसी संवेदनशीलता को समझते हुए विधायक पोर्ते ने सीधे मुख्यमंत्री से इस मामले में सहायता की मांग की थी। उन्होंने रिशु के माता-पिता से कई बार मुलाकात की, उन्हें दिलासा दिया और विधानसभा में भी यह मुद्दा उठाने की घोषणा की थी।

विधायक ने स्वयं पिता अशोक कश्यप को सौंपी सहायता राशि

सोमवार को प्रतापपुर में आयोजित एक विशेष समारोह में विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने स्व. रिशु कश्यप के पिता श्री अशोक कश्यप को मुख्यमंत्री सहायता योजना के तहत रुपए ५ लाख की राशि का चेक सौंपा। इस मौके पर माहौल बेहद भावुक था।

विधायक ने कहा

पैसे से रिशु वापस नहीं आएगा, लेकिन हम आपका साथ कभी नहीं छोड़ेंगे। यह सहायता राशि एक संकेत है कि शासन आपकी पीड़ा को समझता है और आपके साथ है।

जनता ने सराहा विधायक का मानवीय दृष्टिकोण

विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते की संवेदनशीलता, पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने का साहस और बिना किसी राजनीतिक स्वार्थ के न्याय की मांग करना झ आज पूरे इलाके में उनकी पहचान बन चुकी है। इस दौरान विधायक के साथ प्रतापपुर मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। ग्रामवासी, सामाजिक कार्यकर्ता और रिश्तेदारों ने विधायक को धन्यवाद ज्ञापित किया और प्रशासन से मांग की कि इस तरह के मामलों में तुरंत सहायता और न्याय सुनिश्चित हो।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष), लमगांव द्वारा पाँच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष डॉ . राहुल चोपडा ने जीवन के दिनचर्या में योग को शामिल करने किया अपील

लुण्ड्रा (अम्बिकावाणी समाचार)। आयुक्त अधिकारी आयुष विभाग छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पखवाड़ा के अवसर पर योग शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं जिसके तारतम्य में जिला आयुष अधिकारी के मार्गदर्शन में लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत लमगांव में पाँच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया

योग शिविर का शुभारंभ सरपंच ग्राम पंचायत लमगांव श्री पातरसाय एवं लुण्ड्रा भाजपा मंडल उपाध्यक्ष डॉ. राहुल चोपड़ा के विशिष्ट अतिथि में किया गया। सर्वप्रथम भगवान धन्वन्तरि के छायाचित्र पर मलयार प्रयोगकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत उपरांतअपने सारगर्भितसंबोधन मेंडॉक्टर राहुल चोपड़ा ने कहा कि योग हमारे

जीवन के लिए सबसे आवश्यक है हम सभी लोगों को अपने जीवन प्रणाली में स्वस्थ रहने के लिए योग कोदिनचर्या में शामिल करने की आवश्यकता है साथ ही लोगों को भी योग के महत्व को .समझाते हुए उन्हें भी योग करने हेतु प्रोत्साहित करना है सबसे प्राचीनतम विधाओं में शामिल योग को आज से ही हम सबको से अपने जीवन के परिवेश में शामिल करना है ।

तत्पश्चात योग प्रशिक्षक श्रीमती मीनु कौशिक द्वारा प्राणायाम योगासन इत्यादि योग विद्या की जानकारी दी गई। योग शिविर के प्रथम दिवस ५६ लोग लाभान्वित हुये। इस शिविर में प्रभारी डॉ० सुनील मंदिलवार एवं मनोज नायक, रामपुकार कौशिक संतोष कैशिक, संजय कुमार, देवेनाथ राम, राजेश कुमार,मनीष पटेल एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत गोविंदपुर में हुआ शिविर का आयोजन

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जिला कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में सहायक आयुक्त घनश्याम सिंह के मार्गदर्शन में पूरे जिले में आयोजित हो रहा है,धरती आबा कार्यक्रम के तहत विकास खण्ड प्रतापपुर के गोविंदपुर में दो दिवस १७ एवं १८ जून को शिविर का आयोजन किया गया ।

शिविर में गोबिन्दपुर,रमकोला, बोंगा, बड़वार, बरगीडीह, बरपटिया, दुलदुली, भेलकच्छ, नरोला, घुई, धूमाडांड,धुरिया गांव हेतु शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड,राशन कार्ड, सिकल सेल

जांच, टीकाकरण, जाति प्रमाण पत्र,निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड,मनरेगा जाब कार्ड,पीएम मातृत्व वंदना योजना,वृद्धावस्था पेंशन,विधवा पेंशन,दिव्यांग पेंशन का लाभ निर्धारित सभी गांव के ग्रामीण वर्ग को प्राप्त हुआ ,शिविर के प्रभारी अधिकारी साइमन तिर्की रहे जब कि नोडल अधिकारी जनपद के सीईओ डॉ नृपेन्द्र सिंह एवं सहायक नोडल अधिकारी रंजय सिंह मंडल संयोजक रहे ।

नोडल अधिकारी डॉ नृपेन्द्र सिंह ने बताया कि विकास खण्ड में अलग अलग तिथि में सेक्टर निर्धारित कर शिविर आयोजित है जिसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीणों को शिविर स्थल पर ही सभी लाभ प्रदान किए जाएंगे । ग्रामीणों से शिविर का लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों ने अहमदाबाद में हुए वायुयान दुर्घटना में मृतकों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। सरगुजा जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में सरगुजा पुलिस एवं सरगुजा जिले के स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र से जुड़े विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों(एन जी ओ) ,आध्यात्मिक संगठनों तथा स्वैच्छिक कार्यकताओं के द्वारा अहमदाबाद वायुयान दुर्घटना में मृत आत्माओं के शांति के लिए घड़ी चौक अम्बिकापुर के स्वामी

विवेकानंद जी के प्रतिमा के समक्ष भावपूर्ण शोक संवेदना श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। अहमदाबाद से इंग्लैंड जाने वाली एयर इंडिया के विमान में २४१यात्रियों, मेडिकल स्टूडेंट तथा स्थानीय लोगों सहित २६५ लोगों की मृत्यु हो गई ।दुखद् एवं हृदयविदारक घटना से आहत स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों के द्वारा दो मिनट का मौन धारण कर एवं मोमबत्ती जलाकर मृत आत्माओं की शान्ति के लिए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों के द्वारा मृतकों के परिवारों के सदस्यों को इस दुख की घड़ी में सहनशक्ति की क्षमता हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया गया ।इस अवसर पर नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के संयोजक मंगल पाण्डेय निर्देशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी, समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा मुख्य कार्यकारी छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान, बी के सत्यनारायण यादव,बी के हरिमोहन राय, अधिवक्ता विजय शंकर तिवारी मुख्य ट्रस्टी राजेन्द्र नाथ तिवारी फाउंडेशन,राज नारायण द्विवेदी मदन मोहन मालवीय मिशन, संतोष कुमार विश्वकर्मा, समभाव व वसुधा महिला मंच की संस्थापिका एवं संयोजिका वरिष्ठ समाजसेविका सुश्री वन्दना दत्ता दीदी, वसुधा एवं समभाव महिला मंच की सदस्य श्रीमती रमा सिंह, रीता चोपड़ा,आमिता सिंह,अनुभा डबराल, चयती अग्रवाल, अंजना परिहार, सपना चोपड़ा, सुनीता चोपड़ा,नीलू गुप्ता,हेना खान अध्यक्ष उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसायटी, रीना ठाकुर सदस्य उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसायटी,सुल्ताना सिद्धकी लोक मुस्लिम महिला समिति, युवा समाजसेवी शौर्य तिवारी,अनिमेष तिवारी, विनायक मिश्रा, ऋषय मिश्रा एवं श्रेयांस बंसल मौजूद रहे।

अनुराग नामदेव यूथ इंटक के सरगुजा जिला अध्यक्ष नियुक्त

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव के निर्देश एवं रेड क्रॉस के चेयरमैन आदितेश्वर शरण सिंह देव एवं प्रदेश सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह की अनुशंसा पर यूथ इंटक प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष शील के द्वारा अनुराग नामदेव को इंटक (इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस) का युवा विंग यूथ इंटक का सरगुजा जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह को जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष जीत रजवाड़े को जिला उपाध्यक्ष आर्यन चौबे को यूथ इंटक नगर अध्यक्ष नितिन कुशवाहा को विधानसभा अध्यक्ष सौरव विश्वकर्मा को संयुक्त महामंत्री बनाया गया । शैलेंद्र प्रताप सिंह

के द्वारा बताया गया कि यूथ इंटक संगठन शहर के कई बड़े मुद्दों पर लगातार कार्य किया जिसमे शहर के महेंद्र गढ़ रोड के जर्जर हालत के खिलाफ प्रदर्शन,बिजली विभाग का घेराव ,बड़ती महँगाई के खिलाफ आंदोलन शहर के कई सड़को के जर्जर हालत पर प्रदर्शन कर सड़क निर्माण करवाया तथा मजदूरों और युवाओं के हक के लिए हमेशा आवाज उठाया है इस नियुक्ति से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी ।

पत्नी अपने बच्चों के साथ गई मायके ,इधर पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या ,जांच में जुटी पुलिस

लखनपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लटोरी में पत्नी अपने बच्चों के साथ तीन दिन पूर्व मायके चली गई इधर दुःखी होकर पति ने १७ जून मंगलवार की शाम घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। १८ जून बुधवार की शाम लगभग ४ बजे पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सूचनाकर्ता गौतम राम राजवाडे पिता स्वर्गीय भगत राजवाड़े उम्र ६७ वर्ष ग्राम लाटोरी थाना लखनपुर निवासी ने पहुंच सूचना दिया कि आजू राजवाड़े पिता गौतम राम राजवाड़े उम्र ३६ वर्ष ने १७जून दिन मगलवार को अपने घर के मयार में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर लिया। मृतक का बड़ा भाई ने अपने पिता को घटना के संबंध में जानकारी दी। मृतक के पिता सामाजिक कार्यक्रम से गणेशपुर गया हुआ था। और लखनपुर थाना पहुंचे घटना के संबंध में जानकारी दी सूचना पर लखनपुर पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर १८ जून दिन बुधवार की दोपहर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया है। पुलिस में मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच शुरू की है।३ दिन पूर्व मृतक का ससुर आकर अपनी बेटी तथा बच्चों को अपने साथ ले गया था जिससे आजू राजवाड़े चिंतित था।

महिलाओं एवं बच्चों को माहवारी के दौरान होने वाले संक्रमण सहित समस्याओं व पर हुई चर्चा

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जिले में कार्य करते हुए सरगुजा साइंस ग्रुप एज्युकेशन सोसासटी ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में मितानीन दीदी, आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता एवं सहायिका बहनों सहित विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों के बीच माहवारी जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवेश, घर, स्कूल सहित अपनों के बीच माहवारी को लेकर खुली चर्चा करना है जिससे की उस दौरान होने वाली तकलीफों के बारें में महिलायें एवं किशोरियां खुल कर परिवार में, अभिभावकों से बात कर सकें और अपनी समस्या रख सकें। इस कार्यक्रम के जरिये माहवारी के दौरान सैनेटरी पैड अथवा स्वच्छ सुती कपड़े का कैसे उपयोग करें। घर पर पैड कैसे तैयार करें सहित एक पैड को उपयोग करने की समयावधि क्या होनी चाहिये तथा माहवारी के दौरान साफ-सफाई एवं स्व-स्वच्छता की आवश्यकता क्यों है इस पर जानकारी दी जा रही है। इस दौरान महमंद एवं जलखो ग्राम पंचायत में ग्रामीण महिलाओं, समूह से जुड़ी दीदियों व किशोरी बालिकाओं से बात करते हुए सरगुजा साइंस ग्रुप एज्युकेशन सोसायटी की जिला कोऑर्डिनेटर अदिति सिंह ने महिलाओं एवं बच्चों को माहवारी के दौरान होने वाले संक्रमण सहित उन समस्याओं व विषयों पर चर्चा की जिसे महिलायें और लड़कियां माहवारी के दौरान यह समझ कर

टाल देते हैं कि इस दौरान ऐसा होना ही है। जबकि ऐसे दिक्कतों से आगे चलकर कई गंभीर बिमारी के कुचक्र में फंस सकते हैं। अदिति सिंह ने माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जानकारी देते हुए महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं से अपिल करते हुए कहा कि आज हर चार-पांच गांवों के बीच में सरकार द्वारा उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सहित कई व्यवस्था दी जा रही है। हमारे सहयोग के लिये हमारी परेशानियों को सुनने के लिये मितानिन दिदी भी है माहवारी के दौरान यदि लगातार आपके साथ कोई दिक्कत है तो तत्काल नजदिकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर दिखायें और दवा लें। खुद ईलाज न करें बिना चिकित्सक के सलाह के कोई भी दवा का सेवन न करें तथा माहवारी के दौरान होने वाली छोटी-छोटी दिक्कतों को भी नजरअंदाज न करें। यहीं छोटे-छोटे संक्रमण आगे चलकर बड़े बिमारी का रूप ले लेते हैं। इस दौरान महमंद एवं जलखो ग्राम पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को समझाते हुए अदिति सिंह ने सैनेटरी पैड व कपड़े के पैड का सही उपयोग एवं निपटान तथा कपड़े को कैसे धोये और साफ करें जैसी बातों को विस्तार से बताया गया। उन्होंने एनिमिया, कुपोषण जैसी कई विषयों पर महिलाओं और लड़कियों को जानकारी देते हुए खुल कर चर्चा करने एवं ऐसे किसी भी समस्या को न छुपाने की अपिल की। कार्यक्रम के आयोजन में ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, पंच, सचिव सहित ग्राम संगठन से जुड़ी समूह की दीदियों का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम में काफी संख्या में ग्रामीण महिलायें और किशोरी बालिकायें एकत्रित हुई।

ई-ऑफिस क्रियान्वयन अंतर्गत 25 जून को प्रशिक्षण आयोजित

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य में समस्त विभागों एवं कार्यालयों में ई-ऑफिस के क्रियान्वयन किये जाने की कार्यवाही लगातार चल रही है। साथ ही जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस के सुचारू संचालन के लिए २५ जून २०२५ दिन बुधवार प्रातः समय १०:३० बजे से ०५:०० बजे तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने मास्टर ट्रेनर्स, नोडल ऑफिसर एवं सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को समय पर उपस्थित होने कहा है।

चितरपुर में राशन वितरण अनियमितता ,विधायक ने लिया संज्ञान, पेज 09

कर्मचारियों की मांगों को शीघ्र पूरा करने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को कलेक्टर सरगुजा के माध्यम से ज्ञापन

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर जिला शाखा सरगुजा के द्वारा कलेक्टर जिला सरगुजा के माध्यम से माननीय माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं माननीय मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन रायपुर को प्रेषित करने हेतु ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि केन्द्र एवं मध्यप्रदेश के कर्मचारियों तथा पेंशनरों को वर्तमान में ५५ प्रतिशत महंगाई भत्ता प्राप्त हो रहा है, जबकि राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को ५३ प्रतिशत महंगाई भत्ता प्राप्त हो रहा है। फलस्वरूप केन्द्र एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जारी आदेश दिनांक से महंगाई भत्ता में २ प्रतिशत की वृद्धि की जावें, शिक्षकों के विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही, केंद्रीय कर्मचारियों एवं अविभाजित मध्यप्रदेश की भांति छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को भी २४० दिन के स्थान पर ३०० दिन का अवकाश नगदीकरण, शिक्षक/लिपिक सहित विभिन्न संवर्गों के वेतन विसंगति दूर करने हेतु गठित समिति का प्रतिवेदन यथाशीघ्र सार्वजनिक, प्रदेश के सभी संवर्गों के अधिकारी/कर्मचारियों को सेवाकाल में चार स्तरीय वेतनमान संबंधी आदेश शीघ्र जारी, उत्तर प्रदेश की भांति छत्तीसगढ़ अधिकारी/कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था, सभी संवर्गों के लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु निर्देश जारी, संविदा, दैनिक, अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जावे तथा मध्यप्रदेश की भांति सेवा सुरक्षा सुनिश्चित, शासन द्वारा श्रम सम्मान निधि का भुगतान आदेश पुनश्च सभी विभागों को प्रदाय, अनुकम्पा नियुक्ति से आये लिपिकों हेतु पूर्व की भांति कार्यालय प्रमुख/विभागाध्यक्ष एवं अन्य तकनीकी संस्थानों कौशल परीक्षा

हेतु अधिकृत किया जावे, क्योंकि वर्तमान व्यवस्था जटिल एवं सामान्य लोगों के लिये होने के कारण समय पर परीक्षा आयोजित नहीं हो पा रही है, सभी विभागों के आकस्मिक निधि से नियमित सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अवकाश नगदीकरण दिये जाने संबंधी आदेश सामान्य प्रशासन विभाग से जारी किया जावे, ताकि कर्मचारी को बार-बार माननीय न्यायालय की शरण में जाना ना पड़े, शासकीय सेवा में नियुक्त होनेवाले अधिकारी/कर्मचारी की नियुक्ति दिनांक से एक वर्ष के भीतर मृत्यु होने पर भी अनुग्रह अनुदान राशि के भुगतान के आदेश जारी, संघों को अविभाजित मध्यप्रदेश की भांति स्थाई मान्यता जारी, मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम २००० की धारा ४९(६) को विलोपित करने हेतु विधानसभा में शासकीय संकल्प पारित, केन्द्र के देय तिथि और दर पर मोदी की गारंटी के तहत पेंशनरों और परिवार पेंशनरों को एरियर सहित डीआर देने का निर्णय कैबिनेट से पारित किया जावे, भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के मांग पर पेंशन एवं भविष्य निधि संचालनालय के स्थापना के बाद अब संयुक्त संचालक पेंशन और जिला पेंशन कार्यालय की स्थापना तत्काल की जावे, कैशलेश मेडिकल सुविधा का लाभ सभी सरकारी अस्पतालों के साथ सरकारी कर्मचारियों की भांति राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सभी निजी अस्पतालों में भी सुविधा देने के आदेश प्रसारित, सेवानिवृत नियमित दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का संपूर्ण सेवाकाल को पेंशन अवधि के लिए गणना में लिया जावे और उन्हें भी अन्य सेवानिवृत कर्मचारियों की भांति सभी आर्थिक लाभ, अनुकम्पा नियुक्ति में १० प्रतिशत एवं २५ प्रतिशत की सीमा बंधन को शीथील करते हुए मृतक कर्मचारी के परिवार का कोई सदस्य शासकीय सेवा में होने के बावजूद भी आश्रित को अनुकम्पा नियुक्ति अनिवार्य रूप से दिया जावे एवं अन्य मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौपते समय प्रदेश महामंत्री आनंद सिंह यादव, कार्यकारी जिलाध्यक्ष संजय यादव, जिला सचिव संतोष दुबे, जिला कोषाध्यक्ष सुधीर राणा, अम्बिकापुर ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश मिश्रा, संगठन सचिव विकास गुप्ता, मुकुंदलाल साहू, सह कोषाध्यक्ष मुकेश झलरिया, शीतल बहादुर, योगेन्द्र सिंह, अजय एक्का, एसके तिर्की, रूपकुमार पैकरा, संजय कुमार, जगदीश नेटी, कल्याण सिंह राज एवं अन्य उपस्थित थे।

शिशु मृत्यु दर में कमी लाने चलाया जा रहा स्टॉप डायरिया कैंपेन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

जिले में ०-५ वर्ष तक के बच्चों में मृत्यु का एक मुख्य कारण डायरिया भी जिसके निदान एवं उपचार से शिशु मृत्यु दर में कमी लायी जा सकती है। इसके लिए बच्चों में डायरिया से होने वाले मृत्यु की रोकथाम के उद्देश्य से स्टॉप डायरिया कैंपेन २०२५ का आयोजन १६ जून से ३१ जुलाई २०२५ तक किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत सिंह ने बताया है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में डायरिया से पीड़ित बच्चों में गंभीर लक्षणों की पहचान कर अस्पताल रेफरल हेतु प्रोत्साहित करना एवं उपचार प्रबंधन कर शिशु मृत्यु को शून्य करना है। जिले के समस्त विकासखण्ड एवं शहरी क्षेत्र में डायरिया नियंत्रण गतिविधियों के साथ-साथ शिशु पोषण एवं आहार व्यवहार से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिसके तहत मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर ०-५ वर्ष के सभी बच्चों को चिन्हांकित कर ओआरएस पैकेट एवं दस्त होने पर जिंक की गोली वितरित एवं शिशु पोषण एवं आहार-व्यवहार के संबंध में जानकारी दी जा रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भी गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण युक्त आहार हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्र में ओआरटी कार्नर स्थापित किये गये हैं। जिसमें निशुल्क ओआरएस और जिंक की गोली वितरित की जा रही है।

नवीन शिक्षा सत्र का हुआ शुभारंभ

शाला प्रवेश उत्सव में आमंत्रित किए गए अभिभावक

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने जिले के सभी शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को पत्र लिखा है, उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा सत्र १६ जून से आरम्भ हो गई है। इस शिक्षा सत्र में हम जिले के सभी नव शाला प्रवेशी नौनिहालों का शाला परिवार में स्वागत करते हैं। परिवार की अनौपचारिक शाला से ये बच्चे औपचारिक शाला में प्रवेश लेते हैं। ऐसे में वातावरण में बदलाव, नए अनुशासन, ज्ञान अर्जन का नया रूप.. इन सब के साथ उन्हें आगे की ओर बढ़ना होता है। विद्यालय में शिक्षक बच्चों को अच्छा शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास करते हैं। शिक्षक के प्रयास के साथ समुदाय का सहयोग, शिक्षकों और बच्चों दोनों को आगे बढ़ने की प्रेरणा, दिशा और सम्बल प्रदान करता है। गत सत्र में हमने पहुँच विहीन शालाओं को सड़क मार्ग से जोड़ने के प्रयास किये हैं। विद्यालयों में चना वितरण एवं जन सहयोग से मौसमी हरी सब्जी की उपलब्धता के द्वारा मध्यान्ह भोजन को रुचिकर एवं और पौष्टिक करने का प्रयास किया। प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए हमने विशेष कक्षाओं का संचालन भी किया। शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के सामूहिक प्रयास से हमारे बच्चों ने छ.ग. राज्य की प्रावीण्य सूची में भी स्थान सुरक्षित किया है। नवीन शिक्षा सत्र में शासन की पहल से जिले के सभी विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किये गए हैं। अत्यंत हर्ष की बात है कि हमारे जिले में कोई भी विद्यालय अब एकल शिक्षकीय या शिक्षक वक्षक विहीन नहीं रहेगा। शालाओं में आवश्यक मरम्मत और साफ सफाई के कार्य विद्यालय आरम्भ होने से पूर्व पूरे कर लिए जाने का लक्ष्य है। आशा है इन कार्यों में भी आवश्यक जन सहयोग प्राप्त होगा।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय खुलने के साथ शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन विद्यालय स्तर से जिला स्तर तक किया जाएगा। आप से आग्रह है कि आप इन प्रवेश उत्सव में शामिल हों। साथ ही साथ अपने आस पास के शाला अप्रवेशी व शाला त्यागी बच्चों को भी उनकी आयु के अनुरूप कक्षाओं में प्रवेश दिलाने के कार्य में विद्यालयों का सहयोग करें। इससे शत प्रतिशत बच्चे शालाओं में अध्ययन कर सकेंगे और च्शिक्षा सबके लिएच्च का विचार साकार हो सकेगा। इस वर्ष भी विद्यालयों में शिक्षक पालक बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इन बैठकों में आपकी सक्रिय सहभागिता से बच्चों को शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ समग्र विकास में सहयोग मिलेगा। अतः आप इन बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर अपने सुझाव व सहयोग प्रदान करेंगे ऐसी आपसे अपेक्षा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के सहयोग से हम सरगुजा जिले को विद्यार्थियों के समग्र विकास के क्षेत्र में नवीन ऊंचाइयों तक ले जायेंगे ।

छात्रावास एवं आश्रमों में छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य जांच हेतु चिकित्सकों से आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने जानकारी दी है कि स्वस्थ तन-स्वस्थ मन (स्वास्थ्य सुरक्षा) में निहित प्रावधान अनुसार जिन छात्रावास, आश्रमों के समीप स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है, उन छात्रावास एवं आश्रमों में निवासरत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु शासन द्वारा निर्धारित मानदेय एवं शर्तों के आधार पर एम.बी.बी.एस., बी.ए.एम.एस., बी.एच.एम.ए. चिकित्सकों से वर्ष २०२५-२६ के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। इच्छुक चिकित्सक २५ जून २०२५ शाम ०५ बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में आवेदन जमा कर सकते हैं।

तेज डायग्नोस्टिक /ब्लड बैंक(सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा,जोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर
छ.ग.के सूप्रसिद्ध मस्तिस्क एवं नस रोग विषेशज्ञ
डॉ. नीरज प्रसाद
MS, MCH, Neurosurgery
छ.ग.के सूप्रसिद्ध किडनी रोग विषेशज्ञ
डॉ.आर.के.साहू
M.D, D.M. (Nephrology)
हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण
डॉ.प्रतीक धाबलिया
Joint Replacement and Trauma Surgeon
MS Ortho (Mumbai), MRCS(a) (London,UK)
डॉक्टर्स हाऊस @ सरगुजा
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड़ अम्बिकापुर
ब्रेन एवं स्पाइन सर्जन,एण्डोस्कोपिक न्यूरो सर्जन
डॉ. महावीर सिंह जौहरी
MBBS,MS,DNB (Hyderabad)
FEN (jabalpur) CNETS AIIMS(Delhi)
सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI
All Diagnostic Facilites
22 जून 2025 प्रत्येक माह के चौथा रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780
9826183780,8224007799,
8718003300,6262639090
आयुश्मान योजना द्वारा भर्ती,सर्जरी,उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल
¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY
(स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्धः-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य)
परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी, ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेष
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 982618

दिल्ली-बाली एयर इंडिया उड़ान ज्वालामुखी विस्फोट के कारण वापस लौटी

नईदिल्ली,18 जून (ए)। दिल्ली से इंडोनेशिया के बाली जाने वाली एयर इंडिया की एआई-2145 उड़ान को गंतव्य हवाई अड्डे के पास ज्वालामुखी विस्फोट के कारण वापस राष्ट्रीय राजधानी ले आया गया।
बताया जा रहा है कि पूर्वी इंडोनेशिया में शक्तिशाली ज्वालामुखी विस्फोट के कारण एयर इंडिया समेत कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को वापस कर दिया गया है, जबकि कई उड़ानें रद्द हो गई हैं। एयर इंडिया उड़ान को भी उड़ान के बीच में वापस लौटने की सलाह दी गई थी।
बताया जा रहा है कि सुरक्षा एहतियात के तौर पर कई एयरलाइंस ने बाली के नगुराह राय अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परिचालन स्थगित कर दिया है।
एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित रूप से दिल्ली हवाई अड्डा उतर गए हैं। प्रभावित यात्रियों को होटल उपलब्ध कराने, पैसे वापसी और दोबारा से यात्रा की पेशकश की गई है। एयर इंडिया के साथ वर्जिन ऑस्ट्रेलिया, जेटस्टार, एयर न्यूजीलैंड, सिंगापुर की टाइगरएयर, चीन की जुनेयाओ एयरलाइंस प्रभावित हुई हैं।

शिशु मृत्यु दर में कमी लाने चलाया जा रहा स्टॉप डायरिया कैंपेन...पेज 11

तीन महीने पहले बदला गया था दुर्घटनाग्रस्त विमान का इंजन, जांच शुरू

0-अहमदाबाद विमान हादसा

अहमदाबाद,18 जून (ए)। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली बोइंग ड्रीमलाइनर की एयर इंडिया एआई-171 उड़ान हादसे की जांच में एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।
जांच अधिकारियों को पता चला है कि जो विमान उड़ान भरने के कुछ सेकेंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, उसके दाहिने हिस्से के इंजन को 3 महीने पहले बदला गया था।
जांच में पता चला है कि पहले इंजन की मरम्मत की गई, जिसके बाद उसे मार्च 2025 में दोबारा से लगाया गया था।
रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 12 साल पुराने बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की आखिरी बार विस्तृत रखरखाव जांच जून 2023 में हुई थी। अब इसकी अगली जांच दिसंबर 2025 में होगी, लेकिन उससे पहले हादसा हो गया।
जांच में यह भी पता चला कि एयर इंडिया ने अप्रैल में बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर के लिए बीमा कवर 750 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 850 करोड़ रुपये कर दिया था। बता दें, सबसे बड़े विमान दुर्घटना में बीमा दावा 3,000 करोड़ रुपये का है।
अहमदाबाद विमान हादसे के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के बेड़े में शामिल सभी ड्रीमलाइनर विमानों की सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं।
इसे देखते हुए 12 जून से 17 जून तक करीब 66 उड़ानों को जांच के कारण रद्द किया गया है।
अब तक एयरलाइन के 33 बोइंग 787 में 9 विमानों की जांच हो चुकी है, जबकि बाकी की जांच जारी है। जल्द ही जांच पूरी हो जाएगी।
गुरुवार 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से लंदन के लिए उड़ान भरने वाले बोइंग ड्रीमलाइनर एयर इंडिया एआई-171 कुछ सेंकेड में ही बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।
हादसे के समय विमान में 242 यात्री, 2 पायलट और 10 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिसमें सिर्फ एक यात्री की जान बच सकी। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी हादसे में मौत हो गई। जमीन पर करीब 29 लोगों की मौत हुई है।
अहमदाबाद विमान हादसे की जांच में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी), अमेरिकी नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी), राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), डीजीसीए और गुजरात पुलिस शामिल है। इसमें फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए), यूके सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएए) और बोइंग सहयोग कर रहे हैं।

गोवा में प्रेमिका के साथ शादी करने आया था युवक, हत्या कर शव जंगल में फेंका

पणजी,18 जून (ए)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से शादी करने के लिए एक प्रेमी जोड़ा गोवा आया था, लेकिन युवक ने प्रेमिका की हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया और खुद बेंगलुरु भाग गया।
सोमवार को महिला का शव दक्षिण गोवा के धारबंदोरा के पिल्लम इलाके के वन क्षेत्र में मिला, जिसके बाद पुलिस ने तफ्तीश शुरू की।
पुलिस ने सबूत के आधार पर आरोपी प्रेमी संजय केविन एम (22) को हुबली से गिरफ्तार किया है।
मृतक पीड़िता रोशनी मोसेस (22) हैं।
रिपोर्ट के मुताबिक, रोशनी और संजय हुबली से गोवा के लिए कदंबा परिवहन निगम की बस पकड़ी थी।
संजय को रोशनी पर शक था कि वह किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध रखती है, ऐसे में उसने हत्या की योजना बनाई और अपने पास चाकू रखा।
रविवार को दोनों धारबंदोरा के मोलेम वन्यजीव अभ्यारण्य में पिल्लिम के पास उतर गए।
तब संजय रोशनी को फुसलाकर झाड़ियों में ले गया और चाकू से उसका गला रेत दिया।
पुलिस ने बताया कि आरोपी संजय हत्या को अंजाम देने के बाद टैक्सी पकड़कर हुबली चला गया। वह अपने साथ रोशनी का मोबाइल फोन भी ले गया।
सोमवार को सुबह जब एक किसान जंगल से निकला तो सड़क से 100 मीटर दूर महिला का शव देखा और पुलिस को सूचना दी।
दक्षिण गोवा के पुलिस अधीक्षक टीकम सिंह वर्मा ने फोरेंसिक, तकनीकी विश्लेषण टीम और डॉग स्क्वायड की मदद से 24 घंटे के अंदर आरोपी तक पहुंच गई।
पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान उन्हें महिला के पर्स में एक बस का टिकट मिला। बस में किराए का भुगतान यूपीआई से किया गया था, जिसे संजय ने किया था।
इसके बाद गोवा के पुलिस अधिकारी हुबली पहुंचे और मंगलवार को कर्नाटक पुलिस से उसकी गिरफ्तारी में सहयोग मांगा।
पुलिस ने बताया कि आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली है, लेकिन अभी तक चाकू बरामद नहीं हुआ है। आरोपी 7 दिन की हिरासत में है।
रोशनी और संजय दोनों कर्नाटक में साथ में पढ़ते थे। तभी उन्हें आपस में प्यार हुआ और शादी के लिए गोवा पहुंचे थे। रोशनी बेंगलुरु के स्कूल में गैर-शिक्षण कर्मचारी थी।
संजय ने पुलिस को बताया कि उसे रोशनी पर काफी समय से शक था कि वह किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध में है, उसके बाद भी उसे धोखा दे रही थी।
इसी बात को लेकर दोनों में बस में झगड़ा भी हुआ था, जिसके बाद उसने हत्या की।

प्रतिबंधित सड़क में भारी वाहनो के आवगमन पर रखे निगरानी ....कलेक्टर

◆ अवैध उत्खनन परिवहन भण्डारण के रोकथाम हेतु कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में अवैध उत्खनन,परिवहन,भण्डारण के रोकथाम हेतु कलेक्टर एस.जयवर्धन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आहूत की गई थी। बैठक में सर्व एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती चांदनी कंवर, जिला खनिज अधिकारी राहुल गुलाटी, सर्व निर्माण विभाग के अभियंता, पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में जिला स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा विगत बैठक के कार्यवाही विवरण की समीक्षा की गई। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन ,भण्डारण, भार क्षमता से अधिक खनिज परिवहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध, बिना तारपोलीन ढंके खनिजों के परिवहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध सतत कार्यवाही व मॉनीटरिंग के निर्देश संयुक्त टास्क फोर्स को दिये गये। इसके साथ ही उन्होंने खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन में जप्त वाहनों को नजदीकी पुलिस थाना में सुरक्षित रखे जाने हेतु टास्क फोर्स व थाना प्रभारियों के बीच आवश्यक समन्वय की बात कही।बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि रॉयल्टी क्लीयरेंस प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त ही निमार्ण एजेंसी ठेकेदार के अंतिम देयक का भुगतान किया जावे। इसके साथ ही उन्होंने जिले के समस्त निमार्ण विभागों के अंतर्गत निमार्णाधीन कार्यो में उपयोग हेतु संभावित खनिज की मात्रा की जानकारी प्रेषित करने के निर्देश दिए।
बैठक में एस.ई.सी.एल. के अंतर्गत संचालित कोयला खदान क्षेत्रों से वाहन क्षमता अनुसार खनिज कोयला की निकासी सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए गए ।साथ ही एस.ई.सी.एल. के अंतर्गत संचालित कोयला खदान क्षेत्र के भीतर एवं बाहर (डम्प) क्षेत्रों से कोयला चोरी के संबंध में एस. ई. सी. एल. प्रबंधन एवं केन्द्रीय सुरक्षा बल द्वारा प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किये जाने की बात कही गई।बैठक मे कोयला परिवहन हेतु प्रतिबंधित सड़क में भारी वाहन की आवगमन पर निगरानी रखे जाने की बात भी कही गई। इसी के साथ पर्यावरणीय विभाग द्वारा जारी गाइडलाईन के अनुसार जिले में १० जून से १५ अक्टूबर के मध्य नदियों से खनिज रेत का उत्खनन पूर्णतः प्रतिबंधित होने के कारण जिले में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन पर विशेष निगरानी के संबंध में खनिज, राजस्व एवं परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया।

महंगाई भत्ता सहित 13 सूत्रीय मांगों को लेकर तृतीय वर्ग कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

०० मुख्यमंत्री को ज्ञापन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश नेतृत्त्व के आह्वान पर प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक दिनांक १८ मई को प्रदेश कार्यालय रायपुर में लिए गए निर्णय अनुसार मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को भेज कर मांग की गई थी कि१८ जून के पूर्व महंगाई भत्ता सहित १३ सूत्रीय मांगों पर निर्णय नहीं लिए जाने की स्थिति में संघ द्वारा छत्तीसगढ़ के सभी जिला मुख्यालय में भोजनावकाश में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।
केंद्र एवं मध्य प्रदेश के कर्मचारियों तथा पेंशनरों को वर्तमान में ५५त्न महंगाई भत्ता प्रदाय किया जा रहा है, केंद्रीय कर्मचारियों एवं अविभाजित मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को २४० दिन के स्थान पर ३०० दिन का अवकाश नगदी कारण दिया जा रहा है, शिक्षक लिपिक सहित विभिन्न संवर्गो के वेतन वि संगति हेतु गठित समिति का प्रतिवेदन सार्वजनिक किया जावे, प्रदेश के सभी अधिकारी कर्मचारियों को सेवा काल में चार स्तरीय वेतनमान आदेश जारी करने, उत्तर प्रदेश की भाती छत्तीसगढ़ के अधिकारी कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था, सभी संवर्गो की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु निर्देश जारी करने, संविदा दैनिक अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जावे तथा मध्य प्रदेश की भांति सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए, शासन द्वारा श्रम सम्मान निधि का भुगतान आदेश पुनः सभी विभागों को प्रदान करने हेतु निर्देश दिए जाने, अनुकंपा नियुक्ति से आए लिपिको को पूर्व की भांति कार्यालय प्रमुखों को कौशल परीक्षा हेतु अधिकृत करने, सभी विभागों के आकस्मिक निधि से नियमित सेवा निवृत कर्मचारियों को अवकाश नगदी कारण दिए जाने संबंधी आदेश, शासकीय सेवा में नियुक्त होने वाले अधिकारी कर्मचारियों की नियुक्ति दिनांक से १ वर्ष के भीतर मृत्यु होने पर भी अनुग्रह अनुदान की भुगतान आदेश जारी किए जाने, अविभाजित मध्य प्रदेश की भांति स्थाई मान्यता जारी करने तथा शिक्षकों के विसंगति पूर्ण युक्तिकरण पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने संबंधी मांग शामिल किया गया द्य इस दौरान मनीष दीपक साहू जिला अध्यक्ष व प्रदेश सचिव , जिला सचिव महेश पैकरा ,आदित्य शर्मा ,रवि पैकरा,ज्योति साधना, मयंका राजवाड़े ,सुनील वीके उज्जवल मंडल ,राजकुमार यदुवंशी, कृपा शंकर अन्य उपस्थित रहे।

अंशकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी संघ की हुई बैठक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ अंशकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी के जिलाध्यक्ष श्यामलाल राजवाड़े के अगुवाई में आज एक बैठक का आयोजन किया गया था।जिसमे सभी ब्लॉक के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने उपस्थिति दर्ज कराई थी।बैठक में पूर्व जिला पंचायत सदस्य पंकज तिवारी भी पहुँचे थे।जहाँ उनका स्वागत किया गया। जिला पंचायत पूर्व सदस्य पंकज तिवारी ने कहा सरकार को आमजन और कर्मचारियों की समस्या से कोई लेना देना नहीं है।श्री तिवारी ने कहा चुनाव के समय सरकार बड़ी बड़ी घोषणा करती है लेकिन निचले क्षेत्र में कार्य करने वालों पर ध्यान नहीं रखती। श्री तिवारी ने कहा कि मैने सदा निचले स्तर पर जीवन यापन करने वालों के हित में खड़ा रहा हूं आगे भी आपके साथ अंतिम लड़ाई लड़नें को तैयार हूँ।

गुजरात के बोटाद में बाढ़ के तेज बहाव में कार नदी में बही, 4 की मौत

अहमदाबाद,18 जून (ए)। गुजरात के बोटाद जिले में 2 दिन से लगातार हो रही बारिश की वजह से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे एक ईको कार पानी के तेज बहाव के कारण नदी में बह गई। हादसा लाठीदार से संगावदर गांव जाने वाली सड़क पर हुआ। घटना के समय ईको कार में 9 यात्री सवार थे, जो पानी में बह गए।
अभी तक पुलिस ने 2 यात्रियों को बचाया है, जबकि 4 की मौत हो गई है। 3 यात्री लापता हैं।

दिल्ली के मंत्री सिरसा ने पीएम के कनाडा यात्रा की तारीफ की

0-दोनों देशों के बीच वीजा सेवा फिर से शुरू होने पर जताई खुशी

नई दिल्ली,18 जून (ए)। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा की सराहना की और दोनों देशों में उच्चायोग और वीजा सेवाओं को फिर से शुरू करने पर खुशी व्यक्त की.दिल्ली के मंत्री ने जोर देकर कहा कि कनाडा भारत की संप्रभुता, सम्मान और निर्णय पर सवाल नहीं उठा सकता, जो पिछले 30 वर्षों में भारत की सबसे बड़ी जीत है. उन्होंने कहा कि इससे विश्व मंच पर भारत की स्थिति स्पष्ट होती है और यह भी कि वह यह तय करने में सक्षम है कि किसके साथ बातचीत करनी है और किसके साथ नहीं.
मनजिंदर सिंह सिरसा ने आगे कहा कि जब भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी से मिलते हैं, तो एक ऐतिहासिक निर्णय होता है कि अब देश में उच्चायुक्तों को बहाल किया जाएगा और वीजा सेवाएं बहाल की जाएंगी. इसके साथ ही, कनाडा किसी भी मामले में भारत की संप्रभुता, सम्मान और निर्णय लेने की आलोचना नहीं कर सकता. यह पिछले तीस वर्षों में सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीत है. इससे दो बातें स्पष्ट होती हैं: भारत किस पायदान पर खड़ा है. भारत तय करता है कि किसके साथ बातचीत करनी है और किसके साथ नहीं. मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक स्व-निर्मित वीडियो में कहा कि इसके अलावा, सिरसा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जिस तरह से कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी को आमंत्रित किया, उससे पता चलता है कि देश दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनने की ओर अग्रसर है. उन्होंने उल्लेख किया कि पीएम मोदी ने हमेशा देश को आगे रखा और राजनीति को पीछे, जो साबित करता है कि उनके लिए देश हमेशा पहले आता है. दिल्ली के मंत्री ने कहा कि आज दुनिया में भारत के प्रधानमंत्री की क्या ताकत है, प्रधानमंत्री कनाडा के प्रधानमंत्री ने स्वयं उन्हें आमंत्रित किया, जिससे स्पष्ट होता है कि आज भारत विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बनने की ओर अग्रसर है और अगर मैं इसे आंकड़ों के हिसाब से देखूं तो जहां हम आर्थिक रूप से तीसरे-चौथे स्थान पर हैं, वहीं एक देश के रूप में भी हमने उतनी ही मजबूती हासिल की है. मैं देश के प्रधानमंत्री को इसके लिए बधाई देना चाहता हूं कि आपने सभी भारतीयों के सम्मान को इन सभी चीजों से ऊपर रखा. इससे पता चलता है कि उनके लिए देश पहले है और बाकी सब बाद में आता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी 7 शिखर सम्मेलन के दौरान अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी से मुलाकात की. उल्लेखनीय है कि कनाडा के हालिया आम चुनावों के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली आमने-सामने की मुलाकात थी. बैठक के दौरान नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों के महत्व की पुष्टि की और एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों की जल्द वापसी के साथ संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए रचनात्मक कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की.
विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम मोदी और पीएम कार्नी के बीच बैठक ने दोनों पक्षों को भारत-कनाडा संबंधों की स्थिति और आगे के लिए खुलकर और भविष्य के कई विषयों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया. नेताओं ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति सम्मान और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के आधार पर भारत-कनाडा संबंधों के महत्व की पुष्टि की.

आंध्र प्रदेश में एनकाउंटर में मारे गए तीन टॉप माओवादी लीडर, लाखों का था इनाम

अल्लूरी,18 जून (ए)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में 3 बड़े माओवादी नेताओं को ढेर कर दिया. यह ऑपरेशन आंध्र प्रदेश की सीमा के क्षेत्र में हुआ. मारे गए माओवादियों के सिर पर लाखों रुपये का इनाम था. सुरक्षाकर्मियों ने मुठभेड़ स्थल से हथियार भी बरामद किए. जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों को अल्लूरी सीताराम राजू जिले के रामपचोदवरम और मारेदुमिल्ली मंडल की सीमा के पास माओवादियों की गतिविधि की खुफिया जानकारी मिली. इसके बाद टीम इलाके में पहुंची और तलाशी अभियान चलाया. सुरक्षा बलों के संदिग्ध ठिकानों की ओर बढ़ने पर माओवादियों ने उनके ऊपर गोलीबारी की. सुरक्षाकर्मियों ने भी जवाबी कार्रवाई की. इस दौरान तीन माओवादियों के तीन टॉप लीडर मारे गए. कोंडामोडालु, कोय्यलागुडेम और चिंताकुर के आसपास के वन क्षेत्रों में यह मुठभेड़ हुई. मारे गए माओवादियों की पहचान अरुणा, अंजू, गजरला रवि उर्फ उदय के रूप में हुई है. अरुणा, 2018 में डुम्ब्रीगुडा के पास विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमा की हत्या में मुख्य आरोपी थी.

कनाडा में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और पीएम मोदी की मुलाकात, संबंध बहाल करने पर सहमत

नईदिल्ली,18 जून (ए)। कनाडा के कनानास्किस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन भारत और कनाडा के रिश्तों को बहाल करने का एक प्रमुख स्थान साबित हुआ। सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी से द्विपक्षीय मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों ने संबंध बहाली पर जोर दिया।
मोदी और कार्नी ने दोनों देशों की साझेदारी के प्रमुख स्तंभों के रूप में पारस्परिक निवेश और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों का हवाला दिया।
कार्नी से मुलाकात के बाद मोदी ने एक्स पर तस्वीर साझा कर लिखा, प्रधानमंत्री कार्नी के साथ शानदार बैठक हुई। जी-7 की सफल मेजबानी के लिए उन्हें और कनाडा सरकार को बधाई। भारत-कनाडा लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन में दृढ़ विश्वास से जुड़े हैं। कार्नी और मैं भारत-कनाडा मैत्री को गति देने के लिए मिलकर काम करने को तत्पर हैं। व्यापार, ऊर्जा, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, उर्वरक और अन्य क्षेत्र इस संबंध में अपार संभावनाएं प्रदान करते हैं।
कार्नी ने मोदी से मुलाकात के बाद अपना बयान साझा किया।
उनकी ओर से बयान में कहा गया, आज जी-7 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। कार्नी और मोदी ने आपसी सम्मान, कानून के शासन और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर कनाडा-भारत संबंधों के महत्व की पुष्टि की।
उन्होंने दोनों देशों में नागरिकों और व्यवसायों को नियमित सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से नए उच्चायुक्तों को नामित करने पर सहमति व्यक्त की।
कार्नी ने बयान में कहा कि उनके बीच मजबूत और ऐतिहासिक संबंधों, इंडो-पैसिफिक में साझेदारी, कनाडा और भारत के बीच महत्वपूर्ण वाणिज्यिक संबंधों पर चर्चा हुई, जिसमें आर्थिक विकास, आपूर्ति श्रृंखला और ऊर्जा परिवर्तन में साझेदारी शामिल है।
कार्नी ने जी-7 एजेंडे पर प्राथमिकताएं उठाई, जिनमें अंतरराष्ट्रीय अपराध और दमन, सुरक्षा और नियम-आधारित व्यवस्था शामिल है।
दोनों नेताओं ने प्रौद्योगिकी, डिजिटल संक्रमण, खाद्य सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में जुड़ाव को गहरा करने के अवसरों पर भी चर्चा की।
प्रधानमंत्री मोदी की कनाडा यात्रा 10 साल बाद हुई है। इससे पहले उन्होंने 2015 में यहां का दौरा किया था।
इसके बाद खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे।
जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में पिछले साल अक्टूबर में भारत-कनाडा ने अपने-अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था।
अब नए प्रधानमंत्री मार्क कॉर्नी ने संबंध सुधार पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी को न्यौता दिया है।
भारत-कनाडा के रिश्तों में 2023 में तब खटास आई, जब ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों पर ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी और कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने की संभावना जताई।
हालांकि, भारत ने दावों को बेतुका बताया और कहा कि कनाडा खालिस्तान समर्थक तत्वों का सुरक्षित स्थान है।
इसके बाद ओटावा ने तत्कालीन उच्चायुक्त संजय वर्मा सहित कई भारतीय राजनयिकों को निज्जर हत्या से जोड़ दिया। तब दोनों देशों ने अपने-अपने राजनयिकों को वापस बुलाया था।